● वर्ष-4
● अंक-29
रायपुर, बुधवार
11 सितंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› बूझो कैरियर के अनजान राहों को...

विदेश में खतरनाक विमर्श गढ़ रहे राहुलः भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अमेरिका में सिख समुदाय के बारे में राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल की टिप्पणी भयावह है, क्योंकि उन्होंने अपनी रोटियां सेकने के लिए विदेशों में रह रहे सिख समुदाय के सदस्यों के बीच झूठ फैलाने की कोशिश की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विदेश में 'संवेदनशील मुद्दों' पर बोलकर 'खतरनाक विमर्श' गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं।

कांग्रेस ने अमेरिका में राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हमले पर पलटवार करते हुए मंगलवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के सच बोलने से भाजपा का पूरा तंत्र घबराया और लड़खड़ाया हुआ है।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि जब हम सवाल देश में पूछते हैं, तो तब भी पूरा विश्व सुनता है, जब प्रधानमंत्री अटपटी बातें करते हैं, जब मन की बात करते हैं, जब कपड़ों से पहचानने की बात करते हैं, जब हिंदू-मुसलमान कर रहे होते हैं, तब भी पूरा विश्व सुनता है। क्या भाजपा को इतनी समझ नहीं है। खेड़ा ने कहा कि भाजपा हिजाब का विरोध करती है और आज हिजाब की बात है तो कल यह बात सिखों की पगड़ी तक पहुंच सकती है।

सिख समुदाय से ताल्लुक रखने वाले भाजपा नेता पुरी ने कहा कि सिखों के पगड़ी और कड़ा पहनने के बारे में राहुल की टिप्पणी की मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। कांग्रेस के शासनकाल में हुए 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए पुरी ने कहा कि हमारे इतिहास में अगर कोई समय रहा है, जब एक समुदाय के रूप में हमने चिंता, असुरक्षा की भावना और अस्तित्व के खतरे को महसूस किया है तो यह ऐसा समय था जब राहुल गांधी का परिवार सत्ता में था।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1984 में सिख समुदाय के खिलाफ नरसंहार किया गया था। 3,000 निर्दोष लोग मारे गए। लोगों को घसीटकर उनके घरों से बाहर निकाला गया, उनके गले में टायर डालकर जिंदा जला दिया गया। कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए पुरी ने कहा कि राहुल गांधी हाल में संवेदनशील मुद्दों पर बयान देते रहे हैं, जिसमें राष्ट्रीय पहचान, एकता और विविधता शामिल है। मुझे लगता है कि वह एक नए प्रकार का विमर्श गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, जो मुझे लगता है कि खतरनाक है।

पुरी ने कहा कि राहुल गांधी मेरे समुदाय के उन लोगों के सामने झूठी कहानी फैलाने की कोशिश कर रहे हैं जो कड़ी मेहनत तथा ईमानदारी से अमेरिका में आजीविका कमाने की कोशिश कर रहे हैं। मोदी सरकार ने सिख समुदाय से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए लीक से हटकर काम किया है। मुझे नहीं लगता कि सिख 1947 के बाद हमारे इतिहास के किसी भी कालखंड में इतना सुरक्षित और अधिक सम्मानित महसूस करते थे जैसा कि वे आज कर रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में, हर बार जब प्रधानमंत्री मोदी गुरुद्वारे जाते हैं, तो वह पगड़ी पहनते हैं।

सैम पित्रोदा के पप्पू वाले बयान पर कसा तंज

पुरी ने सैम पित्रोदा के पप्पू वाले बयान पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने पता नहीं क्यों उन्होंने ऐसा कहा। वे पप्पू हैं या गप्पू हैं? मैं इस पर कुछ नहीं कहना चाहूंगा। दरअसल, सैम पित्रोदा ने अपने बयान में कहा था कि राहुल गांधी के पास एक ऐसा दृष्टिकोण है, जो भाजपा की तरफ से करोड़ों रुपये खर्च करके प्रचारित किए जाने वाले दृष्टिकोण से बिलकुल अलग है। मैं आपको बता दूं कि वह कोई पप्पू नहीं हैं। वह उच्च शिक्षित, पढ़े-लिखे, किसी भी विषय पर गहरी सोच रखने वाले रणनीतिकार हैं और कभी-कभी उन्हें समझना बहुत आसान नहीं होता।

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी इन दिनों अमेरिकी दौरे पर दिए अपने बयान को लेकर खबरों में है. दरअसल, यहां टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्रों से उन्होंने कहा कि भारत में कौशल की कमी नहीं है, बल्कि कौशल रखने वालों का यहां सम्मान नहीं होता. ये कहते-कहते चीन के लिए उन्होंने ये भी कह डाला कि वैश्विक उत्पादन में चीन का प्रभुत्व है, वहां इसलिए बेरोजगारी नहीं है. विदेश के प्लेटफॉर्म पर भारत और चीन की तुलना हुई तो बीजेपी और एनडीए के कई नेताओं ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है.

राहुल बाहर जाकर भारत को बदनाम ना करें: ठाकुर

बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि मुझे लगता है कि शायद कुछ लोगों को पढ़ने लिखने की आदत कम है. वे अपने समय के आंकड़े देख लें और एनडीए के समय के आंकड़ों को देखें, बड़ा अंतर है. हमने बेरोजगारी की दर को बहुत कम किया है. मैं कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी बाहर जाकर भारत को बदनाम ना करें. दुनिया का जो विश्वास भारत पर बना है उससे हजारों लाख करोड़ का निवेश भारत में आ रहा है. दुनिया की उम्मीद भारत है.

विदेश में देश की बुराई करना राहुल की आदत - पासवान

नके इस बयान को लेकर चिराग पासवान ने भी हमला बोला है. चिराग ने कहा कि अमेरिका में राहुल ने चीन की तारीफ की और कहा कि रोजगार के मोर्चे पर भारत फेल हो रहा है. उन्हें अपने देश में सारी बुराइयां दिखती है. उन्हें लगता है दूसरे देशों में सब कुछ अच्छा चल रहा है. विदेश में जाकर अपने देश की बुराई करना उनकी आदत बन गई है.ये कहीं न कहीं गलत राजनीतिक परंपरा की शुरुआत है. माना सरकार और विपक्ष में आपसी मतभेद होते हैं, लेकिन विदेशी मंच पर जाकर अपने राजनीतिक मतभेदों को व्यक्तिगत राजनीतिक लाभ के लिए इस तरीके से इस्तेमाल करना उचित नहीं है. आप भारत में विपक्ष के नेता भी हैं. आप सरकार के समक्ष अपना सुझाव रख सकते हैं, अपनी चिंताओं से सरकार को अवगत करवा सकते हैं, लेकिन ऐसे देश की बुराई करना कतई उचित नहीं है.

राहुल गांधी चीन की ब्रांडिग कर रहे हैं- सिंह

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी चीन की ब्रांडिंग कर रहे हैं. आपके समय में रक्षा क्षेत्र में आयात ज्यादा था.अब हम निर्यात कर रहे हैं, आपके समय में निर्यात केवल 19 लाख करोड़ रुपये का था और अभी निर्यात 75 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है. इससे पता चलता है कि देश में मैन्युफैक्चरिंग बढ़ रही है... आप(राहुल गांधी) विपक्ष के नेता होने के बावजूद चीन की ब्रांडिंग कर रहे हैं... जो कोई भी विदेश में भारत को गाली देता है, मेक इन इंडिया को गाली देता है, बढ़ते मैन्युफैक्चरिंग को गाली देता है, वो देश का दुश्मन होगा, वो विपक्ष का नेता नहीं हो सकता...

कोई देशभक्त ऐसा नहीं कर सकता- शिवराज

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राहुल गांधी लगातार तीन बार हारने के बाद कुंठित हो गए हैं और देश की छवि खराब करके अमेरिका में अपनी कुंठा निकाल रहे हैं. देश के बाहर जाकर देश की छवि खराब करना देशद्रोह जैसा अपराध है. कोई देश भक्त ऐसा नहीं कर सकता. उन्होंने ये भी कहा कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की लेकिन भारत से जुड़ नहीं सके. वह भारत की जनता, भारत की संस्कृति, जीवन मूल्य और परंपराओं से भी नहीं जुड़ पाए.

अमेरिका के दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी ने वहां के टेक्सास में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला. राहुल गांधी ने कहा, आरएसएस का मानना है कि भारत एक विचार है और हमारा मानना है कि भारत विचारों की बहुलता है. हमारा मानना है कि इसमें सभी को शामिल होने की अनुमति दी जानी चाहिए, सपने देखने की अनुमति दी जानी चाहिए और उनकी जाति, भाषा, धर्म, परंपरा या इतिहास की परवाह किए बिना उन्हें जगह दी जानी चाहिए.लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने टेक्सास में आयोजित इस कार्यक्रम में आगे कहा कि यह लड़ाई है और यह लड़ाई लोकसभा चुनाव 2024 में स्पष्ट हो गई जब भारत के लाखों लोगों ने स्पष्ट रूप से समझा कि भारत के प्रधानमंत्री भारत के संविधान पर हमला कर रहे हैं... मैंने आपसे जो भी कहा है, वह संविधान में है. आधुनिक भारत की नींव संविधान है. चुनाव में लोगों ने जो स्पष्ट रूप से समझा, और मैंने इसे होते हुए देखा. राहुल ने आगे कहा, जब मैं संविधान का हवाला देता था, लोग समझते थे कि मैं क्या कह रहा था. वे कह रहे थे कि भाजपा हमारी परंपरा पर हमला कर रही है, हमारी भाषा पर हमला कर रही है, हमारे राज्यों पर हमला कर रही है, हमारे इतिहास पर हमला कर रही है. सबसे महत्वपूर्ण बात, उन्होंने जो समझा वह यह था कि जो कोई भी भारत के संविधान पर हमला कर रहा है, वह हमारी धार्मिक परंपरा पर भी हमला कर रहा है. राहुल गांधी ने अपने पुराने भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि संसद में जब अपने भाषण में मैंने अभयमुद्रा का वर्णन किया, तो आपने गौर किया होगा कि यह निर्भयता का प्रतीक है और यह हर एक भारतीय धर्म में मौजूद है. जब मैं यह कह रहा था, तो भाजपा इसे बर्दाश्त नहीं कर सकी. वे नहीं समझते और हम उन्हें समझाने जा रहे हैं. दूसरी बात यह हुई कि लोगों के अंदर से भाजपा का डर

एसटी और ओबीसी आरक्षण के खिलाफ हैं कांग्रेस

राहुल गांधी के अमेरिका के जॉर्जटाउन विवि में दिए गए भाषण को लेकर भाजपा ने हमला बोला। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण के खिलाफ हैं। अमेरिका में उनकी यह विचारधारा सामने आ गई। प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी संविधान को बचाने की वकालत करते हैं और दावा करते हैं कि जब स्थितियां निष्पक्ष होंगी तो उनकी पार्टी आरक्षण को खत्म कर देगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अमेरिका में यह साफ हो गया है कि आरक्षण के खिलाफ राहुल गांधी की विचारधारा काफी अधिक है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता का संविधान बचाने और आरक्षण बचाने का अभियान एक ढोंग के अलावा और कुछ नहीं है।

प्रसाद ने आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी भी अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के सदस्यों को आरक्षण प्रदान करने के खिलाफ थे। आरक्षण का विरोध राहुल गांधी की विरासत है। प्रसाद ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी निशाना साधा। साथ ही डीएमके नेता एमके स्टालिन, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और वाम दलों के नेताओं से गांधी की टिप्पणी पर अपनी चुप्पी तोड़ने को कहा। उन्होंने कहा कि मैं चेतावनी देना चाहता हूं कि अगर कांग्रेस ने आरक्षण के प्रावधान के साथ कोई छेड़छाड़ करने या इसे खत्म करने की कोशिश की तो भाजपा इसका पुरजोर विरोध करेगी।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा था कि जब भारत निष्पक्ष देश होगा, तब कांग्रेस पार्टी आरक्षण खत्म करने के बारे में सोचेगी, जो अभी नहीं है। राहुत गांधी ने यह टिप्पणी वाशिंगटन डीसी के प्रतिष्ठित जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में छात्रों से बात करते हुए की थी। उन्होंने कहा था कि जब आप वित्तीय आंकड़ों को देखेंगे, तो आदिवासियों को 100 रुपये में से 10 पैसे मिलते हैं। दलितों को 100 रुपये में से 5 रुपये मिलते हैं और ओबीसी को भी लगभग इतने ही पैसे मिलते हैं। असलियत यह है कि उन्हें भागीदारी नहीं मिल रही है।

प्रमुख समाचार

राशीद विस चुनाव में बिगाड़ेंगे नेशनल कॉन्फ्रेंस का खेल

नई दिल्ली। जेल में बैठे बैठे ही जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को पटखनी देने वाले इंजीनियर राशिद को कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने टेरर फंडिंग मामले में जम्मू-कश्मीर की बारामूला सीट से सांसद शेख राशिद उर्फ इंजीनियर राशिद को 2 अक्टूबर तक अंतरिम जमानत दे दी। राशीद को चुनाव प्रचार के लिए जमानत दी गई है। दिल्ली कोर्ट की तरफ से 2 अक्टूबर तक राहत दी गई है। 2017 के आतंकी-फंडिंग मामले में कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा 2017 में गिरफ्तार किए जाने के बाद राशिद 2019 से दिल्ली की तिहाड़ जेल में है। इंजीनियर राशीद का नाम कश्मीरी व्यवसायी जहूर वटाली की जांच के दौरान सामने आया था, जिन्हें एनआईए ने कथित तौर पर कश्मीर में आतंकवादी समूहों और अलगाववादियों को वित्त पोषित करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने इस मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक, लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद और हिजबुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन सहित कई लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

चीन के साथ व्यापार नहीं

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत चीन के साथ व्यापार करने के लिए तैयार नहीं है, लेकिन इस बात को भी चिन्हित किया कि मुद्दा किस क्षेत्र में और किन शर्तों को लेकर है। बर्लिन में एक सम्मेलन में विदेश मंत्री की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब चीन ने 2020 की सीमा झड़पों के बाद तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद 2023-2024 में अमेरिका को पीछे छोड़ नई दिल्ली का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है। हालाँकि भारत ने बाद में वीज़ा पर अंकुश लगा दिया, लेकिन नई दिल्ली और बीजिंग के बीच वाणिज्यिक गतिविधियाँ पिछले वर्षों में बढ़ी हैं। वार्षिक राजदूत सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और एक प्रीमियम निर्माता है। हम चीन से व्यापार करने के लिए तैयार नहीं हैं। ऐसा कोई नहीं है जो कह सके कि मैं चीन के साथ व्यापार नहीं करूंगा। मुझे लगता है कि मुद्दा यह है कि आप किन क्षेत्रों में व्यापार करते हैं और किन शर्तों पर व्यापार करते हैं। इसमें ब्लैक एंड व्हाइट जैसा कुछ नहीं है। इस सम्मेलन में जर्मन विदेश मंत्री एनालेना बारबॉक और दिल्ली में जर्मन राजदूत डॉ. फिलिप एकरमैन भी मौजूद रहे।

कश्मीर पर सुशील शिंदे के डर वाले बयान पर भाजपा हमलावर

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने कहा कि पद पर रहते हुए उन्हें कश्मीर में बाहर निकलने से डर लगता था। उनके संस्मरण %फाइव डिकेड्स ऑफ पॉलिटिक्स% के लॉन्च पर की गई उनकी टिप्पणी के एक दिन बाद, भाजपा ने कांग्रेस का मजाक उड़ाया और कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से लोकतंत्र मजबूत हुआ है। दिल्ली में अपने संस्मरण के विमोचन पर शिंदे ने कहा कि गृह मंत्री बनने से पहले मैं उनसे (शिक्षाविद विजय धर) मिलने गया था। मैं उनसे सलाह मांगता था। उन्होंने मुझे सलाह दी कि मैं इधर-उधर न घूमूं बल्कि लाल चौक जाऊं।% श्रीनगर में लोगों से मिलें और डल झील के आसपास जाएं। उस सलाह से मुझे प्रचार मिला और लोगों ने सोचा कि यहां एक गृह मंत्री है जो बिना किसी डर के वहां जाता है, लेकिन एक पूर्व पुलिसकर्मी इस तरह से बात नहीं कर सकता । सुशील कुमार शिंदे ने प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए-द्वितीय सरकार के दौरान अगस्त 2012 से मई 2014 तक केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में कार्य किया। शिंदे की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि अंतर स्पष्ट है।

राज्य महिला आयोग के उपाध्यक्ष पद का कार्यभार संभालेंगी अर्पणा

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता अपर्णा यादव उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग के उपाध्यक्ष पद का कार्यभार संभालेंगी। अपर्णा यादव समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू हैं। अपर्णा यादव को पिछले सप्ताह राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था, लेकिन उन्होंने अब तक कार्यभार नहीं संभाला है। ऐसी अटकलें थीं कि वह उपाध्यक्ष पद पर अपनी नियुक्ति से नाराज थीं। यह भी अटकलें थीं कि वह सपा में शामिल हो सकती हैं। हालांकि, अपर्णा के करीबी सूत्रों ने मंगलवार को पुष्टि की कि वह बुधवार सुबह औपचारिक रूप से आयोग के उपाध्यक्ष पद का कार्यभार संभालेंगी। अपर्णा ने सोमवार शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी जिसके बाद उनके समाजवादी पार्टी में शामिल होने की अफवाहों पर विराम लग गया। प्रमुख सचिव लीना जौहरी द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पिछले सप्ताह बबीता चौहान को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया था.

मैतेई-कुकी बफर जोन पार करने पर पूर्व सैनिक की हत्या

नई दिल्ली। भारतीय सेना के एक पूर्व सैनिक की रविवार देर रात मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के सेकमाई गांव में मैतेई और कुकी क्षेत्रों के बीच बफर जोन को गलती से पार करने के बाद हत्या कर दी गई, अधिकारियों ने बताया। सैनिक का शव आज सुबह अधिकारियों को मिला, जिसकी पहचान कांगपोकपी जिले के मोटबंग निवासी लिमखोलाल माटे के रूप में हुई है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, असम रेजिमेंट के पूर्व हवलदार माटे कल रात गलती से बफर जोन में चले गए थे और बाद में उन्हें सेकमाई के मैतेई-बहुल क्षेत्र में पीट-पीटकर मार डाला गया। पूर्व सैनिक के बेटे थांगमिनलुन माटे द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत के अनुसार, लिमखोलाल माटे को हार्डवेयर आइटम खरीदते समय अगवा कर लिया गया था। अगले दिन उनका शव फुमलो क्षेत्र में मिला। पूर्व सैनिक के बेटे ने अपनी शिकायत में कहा, असम रेजिमेंट के भूतपूर्व सैनिक मेरे पिता लिमखोलाल माटे को संदिग्ध अरमबाई टेंगोल/मीतेई उग्रवादियों ने 8 सितंबर को शाम करीब 5 बजे उस समय अगवा कर लिया, जब वे शांतिपुर, कंगलाटोंगबी में हार्डवेयर सामान खरीदने जा रहे थे। तब से वे घर नहीं लौटे। थांगमिनलुन ने कहा कि उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से अपने पिता की मौत के बारे में पता चला और वे अधिकारियों द्वारा शव सौंपे जाने का इंतजार कर रहे थे, जिसे फिलहाल इंफाल के मुर्दाघर में रखा गया है।

पद्मनाभस्वामी मंदिर का तहखाना खुलते हो जाएगा कलयुग का अंत

भारत समेत दुनियाभर में ऐसे कई रहस्य हैं जिसके बारे में इंसानों को कोई जानकारी नहीं है। विज्ञान चाहे कितनी भी तरक्की कर ले लेकिन ऐसी कई पहेलियां हैं जिसे साइंस आज भी सुलझा नहीं पाया है। पद्मनाभस्वामी मंदिर जो अनेक रहस्य, मान्यताओं, विश्वास और बेहिसाब खजाने का गढ़ माना जाता है। श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में स्थिति भगवान विष्णु का प्रसिद्ध मंदिर है। भारत में वैष्णव द्वार से जुड़े कुल 108 मंदिरों में से एक है। इसे सबसे पहले किसने बनाया कोई नहीं जानता। मान्यता है कि इस स्थान पर सबसे पहले भगवान विष्णु की मूर्ति प्राप्त हुई थी। उसके बाद उस स्थान पर मंदिर का निर्माण किया गया। मंदिर के समीप ही एक सरोवर है जिसे पद्म तीर्थम यानी कमल जल कहा जाता है। ये मंदिर चेरा और द्रविड़ शैली की वास्तुकला का एक खूबसूरत मिश्रण व केरल साहित्य एवं संस्कृति का अनूठा संगम। दुनिया के सबसे अमीर स्वामी पद्मनाभस्वामी मंदिर का रसूख जितना ज्यादा है, रहस्य उतना ही गहरा। हिंदुओं की आस्था, विरासत और इतिहास को समेटे पद्मनाभस्वामी मंदिर का सबसे बड़ा और गहरा रहस्य है इसका खजाना।

मान्यता है कि इस मंदिर को त्रावणकोर के राजाओं ने बनवाया था, जिसका जिक्र 9वीं शताब्?दी के ग्रंथों में भी आता है। मंदिर के मौजूदा स्वरूप को 18वीं शताब्दी में बनवाया गया था। साल 1750 में महाराज मार्तंड वर्मा ने खुद को भगवान का सेवक यानी की %पद्मनाभ दास% बताया। इसके साथ ही त्रावणकोर राजघराने ने पूरी तरह से भगवान को अपना जीवन और संपत्ति सौंप दी है। श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर भगवान विष्णु का सबसे प्रसद्ध मंदिर है। इस मंदिर के गर्भ गृह में भगवान विष्णु की विशाल मूर्ति विराजमान है जिसे देखने के लिए रोजाना हजारों भक्त दूर दूर से आते हैं। इस प्रतिमा में भगवान विष्णु शेषनाग पर शयन मुद्रा में विराजमान हैं। मान्यता है कि तिरुवनंतपुरम भगवान के अनंत नामक नाग के नाम पर रखा गया है। इस मंदिर के गर्भ गृह पर सात तहखाने मिलते हैं। छह पर तो ताला लगा है लेकिन सातवें तहखाने के दरवाजे पर कोई ताला नहीं है। बस नाग के दो चित्र दिखाई देते हैं।

सरकार ने नहीं लिया अपने कब्जे में – त्रावणकोर के राजाओं ने 1947 तक राज किया। आजादी के बाद इसे भारत में विलय कर दिया गया, लेकिन इस मंदिर को सरकार ने अपने कब्जे में नहीं लिया। इसे त्रावणकोर के शाही परिवार के पास ही रहने दिया गया, तब से पद्मनाभ स्वामी मंदिर का कामकाज शाही परिवार के अधीन एक प्राइवेट ट्रस्ट चलाता आ रहा है। त्रावणकोर और कोचिन के शाही परिवार और भारत सरकार के बीच अनुबंध 1949 में हुआ था। इसके तहत तय हुआ था कि श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर का प्रशासन %त्रावणकोर के शासक% के पास रहेगा। त्रावणकोर कोचिन हिंदू रिलीजियस इंस्टिट्यूशंस एक्ट के सेक्शन 18(2) के तहत मंदिर का प्रबंधन त्रावणकोर के शासक के नेतृत्व वाले ट्रस्ट के हाथ में रहा। त्रावणकोर के अंतिम शासक का निधन 20 जुलाई 1991 को हुआ।

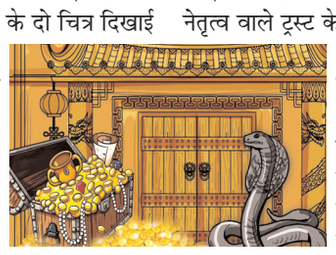

मंत्र से किया गया सील– कहते हैं यहां तकरीबन सात तहखाने मौजूद हैं। सातवें तहखाने में जो खजाना है उसकी रक्षा नागलोक के नाग, पौराणिक पिशाच और अन्य कई अलौकिक देवता करते हैं। जिस भी इंसान ने सातवें दरवाजे को खोलने की कोशिश की वो या तो गुत तरीके से गायब हो गया या फिर अचानक से उसकी मौत हो गई। साल 1930 में लुटेरों का एक गिरोह मंदिर में करोड़ों का खजाना लुटने आया। उन्होंने जब सातवें दरवाजे को खोलना चाहा तो अचानक से कुछ भयंकर नाग उसके पीछे पड़ गए। ऐसा माना जाता है कि प्राचीन काल के संतों ने शक्तिशाली नागपाश मंत्र द्वारा इस कक्ष के प्रवेश द्वार को बंद किया है। पद्मनाभस्वामी मंदिर के सातवें दरवाजे को केवल सटीक समझ वाला पुजारी ही गरूड़ मंत्र के उच्चारण से खोल सकता है। लेकिन सन 2011 में सरकार द्वारा एक ऐसी नादानी हो गई जिसका पछतावा आज भी सभी वैज्ञानिकों को होता है। जिनके द्वारा पद्मनाभस्वामी मंदिर का दरवाजा खोलना का प्रयास किया गया।

करोड़ो का सोना निकला – साल 2011 में एक सेवानिवृत आईपीएस अधिकारी सुंदर राजन ने मंदिर के खजाने की जांच करने की मांग सुप्रीम कोर्ट में दायर की। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी खजाने का पता लगाने के लिए सात सदस्यी कमेटी का गठन किया। तिरुवनंतपुरम के लोगों का यही कहना था कि अगर सरकार द्वारा भूल कर भी उस दरवाजे को खोल दिया गया तो सभी लोगों के ऊपर मुसीबत का पहाड़ टूटेगा। कहा जाता है कि इस मंदिर में 7 तहखाने हैं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट की निगरानी खोला गया और इनमें एक लाख करोड़ रुपए के हीरे और जूलरी निकली थी। ऐसा कहा जाता है कि मंदिर की 06 तहखानों में 20 अरब डॉलर की संपत्ति है। मूर्ति की लगभग कीमत 500 करोड़ रुपये है। इसके अलावा भगवान के पास हजारों सोने की जंजीरें भी हैं। भगवान का पर्दा ही 36 किलोग्राम सोने का है। इसके बाद जैसे ही टीम ने वॉल्ट-बी यानी की सातवां दरवाजे के खोलने की शुरुआत की तो दरवाजे पर बने कोबरा सांप के चित्र को देखकर काम रोक दिया गया। कई लोगों की मान्यता थी कि इस दरवाजे को खोलना अशुभ होगा। कहा जाता है कि जब वैज्ञानिकों ने दरवाजे पर कान लगाकर सुना तो अंदर से पानी बहने की आवाज आ रही थी। कुछ लोगों का ऐसा भी कहना है कि इस दरवाजे का दूसरा रास्ता अरब सागर की खाड़ी में खुलता है। ऐसा भी कहा जाता है कि पंडितों का कहना है कि इस सातवें दरवाजे के खुलने पर कलयुग का अंत हो जाएगा।

छत्तीसगढ़ में बारिश लाई आफत, सुकमा के कई इलाकों में भरा पानी, जिला मुख्यालय डूबा

■ राहत शिविर में पहुंचे लोग, 50 गांवों का जिला मुख्यालय से टूटा संपर्क

सुकमा। लगातार हो रही बारिश के कारण सुकमा जिले में देर रात बाढ़ की स्थिति बिगड़ गई, जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया और सुकमा जिला मुख्यालय का आधा हिस्सा जलमग्न हो गया। इस आपातकालीन स्थिति को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने रात भर राहत कार्य जारी रखा। सुकमा, दोरनापाल, और कोण्टा के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को आधी रात को राहत शिविरों में शिफ्ट किया गया। कुल मिलाकर, सुकमा में 250 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया, जबकि दोरनापाल और कोण्टा में 50-50 से अधिक लोगों को शिफ्ट किया गया। बाकी लोगों ने अपने परिवार और परिचितों के घरों में शरण ली।

सुकमा में शबरी और गोदावरी नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई है। इस दौरान, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, झारखंड सहित कई राज्यों की 500 से अधिक गाड़ियां जिले भर में फंस गई हैं। सुकमा जिला मुख्यालय की सड़कों पर अब कारों की बजाय ट्रैक्टर चल रहे हैं।

देर रात दोरनापाल में पुलिस और प्रशासन की टीमों ने वाहनों में सामान भरकर लोगों को

सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया। प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने भाजपा कार्यकर्ताओं को बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करने के निर्देश दिए और प्रशासनिक अधिकारियों को अलर्ट रहने, हर संभव सहायता प्रदान करने, और खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के आदेश दिए।

आफत की बारिश में बह गई 50 फीट लंबी सड़क

सुकमा में लगातार हो रही बारिश से लोगों का बुरा हाल है जिले भर में राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर सड़कों के ऊपर जगह-जगह पानी भरा हुआ है वहीं नक्सल प्रभावित चिंतलनार और लखापाल के बीच पानी के तेज बहाव से 50 फीट लंबी सड़क पूरी तरह से बह गई जिस वजह से इलाके के 50 से अधिक गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है।

सुकमा कलेक्टर हरीश ने जिले के तीन विकास खंड के एसडीएम और तहसीलदार को अपने-अपने क्षेत्र में लगातार नजर बनाने के निर्देश दिए हैं । देर रात जिस तरह से नदी का जलस्तर बढ़ा था सुबह कुछ घंटे के लिए राहत की खबर भी थी। लेकिन अचानक फिर से नदी नालों का जलस्तर बढ़ने लगा है जिला मुख्यालय में अब वाहनों के पहिए थम चुके हैं क्योंकि इलाके के आधे हिस्से में पानी जमा हुआ है।

10 सितंबर को जिले भर में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है और इलाके में राहत बचाव का कार्य जारी है अधिकारी कर्मचारी पुलिस जनप्रतिनिधि नेता सभी प्रभावित इलाके के लोगों की मदद को सामने आ रहे हैं । लोगों से या अपील की जा रही है कि अगर आप खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं या आपके समीप जल भराव की स्थिति दिख रही है तो तुरंत ही प्रशासन को खबर दें और प्रशासन द्वारा बनाए गए राहत शिविर में पहुंचे। अब तक 300 से ज्यादा लोगों को राहत शिविर में लाया जा चुका है।

कबीरधाम में भारी बारिश, डिप्टी सीएम को ग्रामीणों ने दी जानकारी, शर्मा ने किया दौरा

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में बीती रात से बारिश हो रही है। इस बारिश से नदी किनारे बसे गांव में बाढ़ के हालात बन गए हैं। आज मंगलवार की सुबह कवर्धा विधायक व डिप्टी सीएम विजय शर्मा को ग्रामीणों ने फोन पर बाढ़ को लेकर जानकारी दी। वे मौके पर सुबह 10 बजे पहुंच गए थे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया है। साथ ही राहत बचाव के निर्देश दिए है।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने बताया कि मंगलवार सुबह ही कॉल आया था कि भैया बारिश बहुत हो गई है। गांव में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। सुबह ही कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम खोलवा, ग्राम सिंघनपुरी के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण किया। लोगों से मुलाकात कर चर्चा की। मौके पर अफसरों को राहत व बचाव कार्य तेजी से संचालित करने के निर्देश दिए है। वहीं जिले में बाढ़ आपदा नियत्रंण कक्ष में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

कंट्रोल रूम का फोन नंबर 07741-232038 है। उक्त नियंत्रण कक्ष 24 घंटा क्रियाशील रहेगा। पुलिस नियत्रंण कक्ष 07741-232674,231887,100 अथवा 112, जिला चिकित्सालय 07741-233553, 108 पर भी बाढ़ संबंधित सूचना दी जा सकती है। कंट्रोल रूम में 24 घंटे कर्मचारियों की तैनाती के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कबीरधाम जिले में बीते 24 घंटे के भीतर 50 मिमी से ज्यादा बारिश हो चुकी है।

बारिश ने मचाई तबाही, इंद्रावती नदी का जलस्तर 14.960 मीटर बढ़ा

बीजापुर। बीजापुर में चौबीस घण्टे भी ज्यादा समय से लगातार आसमान से बरसी आफत की बारिश से जिले के अंदुरुनी इलाकों में हालात बिगड़े रहे है। भोपालपटनम क्षेत्र के मट्टीमरका गांव में चारों तरफ से पानी घुस आया है। वही इस क्षेत्र के कई गांव बाढ़ के चपेट में आने के कगार पर पहुच गये है।इंद्रावती नदी का जलस्तर भी लगातार बढ़कर रहा है। पिछले तीन दिनों से बीजापुर जिले में हो रही लगातार आफत की बारिश से जहां जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। वही बारिश का सबसे ज्यादा असर जिले के भोपालपटनम ब्लाक में देखने को मिला है। यहां के अंदुरुनी गांवों में बाढ़ जैसे हालात बने रहे।भोपालपटनम के मट्टीमरका गांव के चारों तरफ से बारिश पानी घुस गया है। गांव जाने वाले रास्ते पर पानी चढ़ गया है। वही घाट की तरफ से भी पानी ने गाँव को घेरा हुआ है। वही इन्द्रावती नदी का जलस्तर बढ़कर 14.960 मीटर पर पहुंच गया है। जिससे तिमेड, वोडागुडा, भटपल्ली,चंदनगिरी, लिंगापुर, गंगाराम, रामपुरम, बामनपुर, अर्जुनल्ली, अटुकपल्ली, कोंडामौसम, चंदूर व तारलागुडा समेत कई गांव पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। कई गांव में ग्रामीणों के घरों के बाड़ी तक बाढ़ का पानी पहुंच चुका है। इधर छत्तीसगढ़ से तेलंगाना व महाराष्ट्र का रास्ता अब भी बंद हैं। प्रशासन ने अलर्ट जारी कर रखा है। बीजापुर में लगातार बारिश एवं बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर संबित मिश्रा ने जन सामान्य से एहतियात बरतने की अपील की है। साथ ही किसी भी प्रकार की बाढ़ एवं बचाव के संबंध में बाढ़ नियंत्रण कक्ष के नंबर पर संपर्क करने की बात कही हैं।

बस्तर में बारिश ने मचाई तबाही, कई राज्यों से टूटा संपर्क, 100 से अधिक गांव बने टापू

जगदलपुर। प्रदेश के रायपुर समेत कई जिलों में भारी बारिश के कारण स्थिति गंभीर हो गई है। सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। बस्तर संभाग के जिलों में जलभराव और रास्तों के कटने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। सुकमा जिले के तोंगपाल क्षेत्र में बाढ़ का पानी घरों में घुसने से 20 मकान ढह गए हैं और प्रभावित 35 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है।

दंतेवाड़ा जिले के 100 से अधिक गांव भारी बारिश के कारण टापू में तब्दील हो गए हैं, जिससे लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है।

बस्तर संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों को अलर्ट पर रखा गया है और प्रशासन की ओर से राहत और बचाव कार्य तेजी से चल रहे हैं। भारी बारिश के कारण 9 सितंबर तक प्रदेश में औसत से 4त्न अधिक बारिश दर्ज की गई है और आने वाले दिनों में भी भारी बारिश का अनुमान है।

बस्तर में भारी बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति पर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा संभाग में भारी बारिश की चेतावनी पहले ही दी गई थी, और पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इस बारिश के चलते कई क्षेत्र कट गए हैं, जिसमें सुकमा जिले के कुछ सड़कों पर पानी भर जाने की जानकारी सामने आई है। चिंतलनार क्षेत्र में परसों रात अचानक हुई बारिश से पानी कई घरों में घुस गया, जिससे लगभग 30-35 घर प्रभावित हुए हैं। सांसद महेश कश्यप ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस स्थिति की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत कलेक्टर और एसपी से संपर्क कर राहत कार्य के लिए अधिकारियों को भेजने का निर्देश दिया। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर उनके लिए भोजन और पानी की व्यवस्था की गई। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा की स्थिति में सरकार पूरी तरह से तत्पर रहेगी। यदि ग्रामीणों को जान-माल का नुकसान हुआ है, तो उन्हें मुआवजा भी दिया जाएगा।

बलरामपुर के स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी निजी अस्पताल में मिली खामियां

बलरामपुर। मंगलवार को रामचंद्रपुर विकासखंड क्षेत्र के डिंडो गांव में संचालित निजी अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दबिश दिया। इस छापेमारी के दौरान अस्पताल के अंदर कई खामियां पाई गई और भ्रामक प्रचार का पंपलेट पाया गया। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल संचालक को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

अस्पताल के बाहरी हिस्से में संचालित मेडिकल स्टोर में उसका लाइसेंस चस्पा नहीं किया था। जब स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मेडिकल स्टोर का लाइसेंस मांगा तो अस्पताल कर्मचारी टालमटोल करने लगे और लाइसेंस नहीं दिखा पाए। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की नर्सिंग होम एक्ट की टीम ने अस्पताल संचालक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निजी अस्पताल में छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में भ्रामक प्रचार का पंपलेट भी जब्त किया।

अस्पताल के प्रचार पंपलेट में जिन सुविधाओं का उल्लेख किया गया था, वह सुविधाएं अस्पताल में उपलब्ध नहीं थी। इससे आसपास के भोले-भाले ग्रामीणों को अस्पताल संचालक द्वारा भ्रमित किया जा रहा था।

इस मामले में बलरामपुर जिले के सिविल सर्जन डॉ आरबी प्रजापति ने कहा, हम लोग नर्सिंग होम एक्ट की टीम के साथ रूटिन विजिट में आए थे। हम लोगों ने अस्पताल का निरीक्षण किया। यहां ऐसी प्रचार सामग्री पाई गई, जो सुविधाएं यहां उपलब्ध नहीं है। इन्हें नोटिस दिया जाएगा।

सिविल सर्जन डॉ आरबी प्रजापति ने कहा अस्पताल के ओपीडी और आईपीडी का रजिस्टर संधारित नहीं पाया गया, इसके लिए भी अस्पताल संचालक को नोटिस जारी किया जाएगा। अस्पताल के मेडिकल स्टोर के संचालन को लेकर जांच करना ड्रग इंस्पेक्टर का काम है। हालांकि वहां हमें मेडिकल स्टोर का लाइसेंस नहीं दिखाया गया। इसके संबंध में भी नोटिस जारी करेंगे।

डिंडो गांव स्थित निजी अस्पताल में गंभीर लापरवाही सामने आई है। बिना लायसेंस के मेडिकल संचालित करना और अस्पताल में सुविधाएं नहीं होने पर भी भ्रामक प्रचार करना आम लोगों से धोखा है। स्वास्थ्य विभाग को चाहिए कि केवल नोटिस जारी कर खानापूर्चि करने के बजाय उक्त निजी अस्पताल के संचालक और प्रबंधन पर कड़ी कार्रवाई करें।

पटवारी को दिए ग्रामीणों के बयान से कटघरे में खनिज विभाग के अधिकारी

आखिर बंद डोलोमाइट खदान के लिए क्यों जारी कर रहे हैं रॉयल्टी

सक्ती। सक्ती जिले में नियम विरुद्ध डोलोमाइट उत्खनन के शिकायत मामले में क्रेशर संचालक गुरुश्री मिनरल्स को संरक्षण देने और जांच रिपोर्ट बनाने वाले खनिज विभाग के अधिकारी घिरते नजर आ रहे हैं। मौका जांच के लिए छीता पंडरिया गांव पहुंचे पटवारी के सामने दिया गया ग्रामीणों का बयान जांच रिपोर्ट देने वाले अधिकारियों को कटघरे में खड़ा कर रहा है।

जानकारी के अनुसार, गुरुश्री मिनरल्स के खसरा नंबर 5/2 माइंस की वर्तमान स्थिति की ग्रामीणों ने पटवारी को बताया है कि उक्त माइंस पिछले 2 से 3 सालों से बंद पड़ी है। ग्रामीणों के बयान और पटवारी के पंचनामा रिपोर्ट के बाद खनिज विभाग के अधिकारियों की उस जांच रिपोर्ट पर सवाल खड़ा कर दिया है।

उन्होंने बताया है कि उक्त माइंस वर्ष 2021 से 2024-25 तक करीब 9 लाख टन की रॉयल्टी काटी गई है। यह रॉयल्टी 3 साल से बंद खदान की काटी जा

रही है, ताकि गुरुश्री मिनरल्स द्वारा जो नियम विरुद्ध समय से पहले ही करीब 20 लाख टन डोलोमाइट का उत्खनन कर लिया गया। उसको बैलेंस किया जा सके, पिछले 3 सालों में करीब 9 लाख टन की रॉयल्टी काट कर करीब 70 परसेंट रॉयल्टी को बैलेंस किया जा चुका है। शेष बचे करीब 10 से 11 लाख टन रॉयल्टी को भी इसी तरह कागजों में खदान को चालू दिखाकर बैलेंस करने की योजना थी, लेकिन भूमि स्वामी रघुवीर सिंह की शिकायत और पटवारी की जांच के बाद सारे प्लान की सेटिंग बिगड़ती दिख रही है, और अब खनिज विभाग के अधिकारियों की जांच रिपोर्ट पर सवाल खड़े हो चुके हैं, जिसके चलते खनिज एवं राजस्व विभाग के अधिकारी फिर से जांच कराने की तैयारी में है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

मवेशी तस्करी पर पुलिस की सख्त कार्रवाई

बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस मवेशी तस्करी के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में हिर्री, तखतपुर और बिल्हा थाना क्षेत्रों में अवैध रूप से मवेशियों को बूचड़खाने ले जाते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके वाहनों को जब्त किया गया। वहीं पुलिस ने वाहनों में ठूंस-ठूंसकर भरे गए 53 मवेशियों का रेस्क्यू किया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने मवेशी तस्करी में जिन थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की है। उसमें हिर्री पुलिस ने ट्रक सीजी 28 एन 1840 से 20 मवेशियों को बूचड़खाने ले जाते हुए पकड़ा। इसके अलावा, तखतपुर थाना में पिकअप वाहन सीजी10 बीजे 9265 से 20 मवेशियों को और बिल्हा थाना क्षेत्र में आयसर वाहन टीएस 07-यूएन 4166 से 13 मवेशियों को अवैध रूप से बूचड़खाने ले जाते हुए पकड़ा गया। इन सभी वाहनों में मवेशियों को अमानवीय तरीके से रस्सियों से बांधकर, बिना चारे-पानी की व्यवस्था के, ठूंस-ठूंस कर भरकर ले जाया जा रहा था। मामले में छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

डीजे पर डांस में विवाद के बाद सामूहिक हत्याकांड

भिलाई। नंदिनी खुंदनी गांव में शनिवार रात को वासु यादव, करन यादव और राजेश यादव की हत्या की गई थी। हत्याकांड के एक रात पहले शुक्रवार की रात को गणेश प्रतिमा लाते समय साउंड सिस्टम पर डांस करने के दौरान तीनों युवकों का पटेल पारा के लोगों से विवाद हुआ था। नंदिनी टीआई मनीष शर्मा ने बताया कि विवाद के बाद वासु यादव, करन यादव वेदराम उर्फ धन्नू यादव, राजेश यादव और करन पटेल पारा में विवाद का बदला लेने के लिए गए थे। उन्होंने आकाश पटेल नाम के युवक को चाकू मार दिया था। इसके बाद पटेल पारा के गुस्साए युवकों ने बांस, डंडे और गन्ने से पीट पीटकर करन, वासु और राजेश की हत्या कर दी थी। पुलिस ने हत्याकांड में शामिल 15 लोगों को रविवार को ही गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वहीं आकाश पर चाकू से जानलेवा करने के मामले में वेदराम उर्फ धन्नू यादव को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। पांचवां आरोपित करन फरार है। पुलिस ने सामूहिक हत्याकांड के मामले में शामिल सोनू पटेल और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है।

स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी 2 अवैध क्लिनिक सील

बलरामपुर। रामचंद्रपुर विकासखंड क्षेत्र के महावीरगंज गांव में अवैध तरीके से झोलाछाप डॉक्टर के क्लिनिक चलाने की शिकायतें मिलीं। गरीब ग्रामीणों की जान से खिलवाड़ की लगातार शिकायतों के बाद सिविल सर्जन बीएमओ तहसीलदार सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दबिश दी। तहसीलदार और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध रुप से संचालित क्लिनिक में जाकर दस्तावेजों की जांच की। जिसके बाद दोनों अवैध क्लिनिक को सील कर दिया गया है। बलरामपुर जिले के सिविल सर्जन डॉ आरबी प्रजापति ने बताया कि महावीरगंज गांव में एक लैब में क्लिनिक का संचालन किया जा रहा था। उसको सील कर दिया गया है। एक अन्य अवैध तरीके से संचालित क्लिनिक को भी सील कर दिया गया है। ग्रामीण ने कहा न सिर्फ हमारे गांव बल्कि बलरामपुर रामानुजगंज जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में झोलाछाप डॉक्टरों का जाल फैला है। ग्रामीण ने कहा बिना किसी लाइसेंस और अनुमति के झोलाछाप डॉक्टर मरीजों का इलाज कर उनकी जान से खिलवाड़ कर रहे हैं।

कुत्तों का आतंक, 8 मासूम समेत 40 से ज्यादा शिकार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में इन दिनों लोग कुत्तों के आतंक से सहमे हुए हैं। अकेले तोरवा थाना क्षेत्र में 8 मासूमों सहित करीब 40 से ज्यादा लोगों को कुत्तों ने अपना शिकार बनाया है। 3 मासूम बच्चों की हालत गंभीर है। इन बच्चों का सिम्स अस्पताल के साथ ही निजी अस्पताल में भी इलाज चल रहा है। सिम्स के अधीक्षक डॉ. एसके नायक ने बताया कि सीजनल रूप से डॉग बाइट के केस आते हैं। वर्तमान समय में भी हर उम्र के लोग अपना इलाज कराने पहुंचे हैं। सिम्स में एंटी रेबीज के इंजेक्शन और दूसरी जरूरी दवाइयां मौजूद हैं। डॉ. एस के नायक ने कहा सर्जरी के डॉक्टर की ड्यूटी लगी होती है। तत्काल उपचार किया जाता है। फिलहाल डॉग बाइट के केस बढ़ गए हैं। अस्पताल प्रबंधन भी अलर्ट पर है। तोरवा के साथ ही देवरीखुर्द, लालखदान, सफेद खदान जैसे इलाकों में पागल कुत्ते के कारण दहशत का माहौल है। आवारा कुत्तों ने बच्चों के हाथ, पैर और सिर में काट लिया है। यही वजह है कि बच्चों की हालत गंभीर है।

घर के आंगन में बकरी- मुर्गियों को निगलकर बैठा था अजगर

कोरबा। कोरबा में रामपुर देसी शराब दुकान के पास रहने वाला खिलावन यादव का परिवार उस वक्त दहशत में आया गया जब उनके घर के आंगन में एक अजगर सांप कुंडली मारकर बैठा था। अजगर सांप एक बकरी के बच्चे और दो मुर्गियों को निगलकर बैठा था। वजन अधिक होने के कारण वह कहीं नहीं जा पा रहा था। परिवार के लोगों की नजर जब सांप पर पड़ी तब उनके होश उड़ गए। अजगर के रेस्क्यु के लिए तत्काल सर्पमित्रों को फोन किया गया। मौके पर पहुंची सर्पमित्रों की टीम ने सुरक्षित ढंग से अजगर का रेस्क्यु किया फिर उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया। मकान मालिक खिलावन यादव ने बताया कि घटना देर रात की है जब पूरा परिवार खाना खाकर अपने-अपने कमरे में सोने चले गए सुबह होने पर घटनाक्रम की जानकारी हुई जब आंगन में एक बकरी का बच्चा गायब था कुछ देर के लिए लगा कि बकरा चोरी हो गया होगा या फिर कहीं चला गया होगा उसके बाद टोकरी में ढक कर रखे मुर्गियों को देखने गया इस दौरान दो मुर्गी गायब थे।

छात्रावास अधीक्षक भर्ती परीक्षा 15 सितम्बर को

■ 59 परीक्षा केन्द्रों में 16 हजार 5 सौ से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा छात्रावास अधीक्षक श्रेणी द भर्ती परीक्षा का आयोजन 15 सितम्बर को प्रथम पाली में अपरान्ह 12 बजे से 2ः15 बजे तक किया जाएगा। जिसके लिए जिले में कुल 59 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। इस परीक्षा में कुल 16508 परीक्षार्थी शामिल होंगें।

कलेक्टर दीपक सोनी ने परीक्षा के सुचारू रूप से संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर अरूण सोनकर को संपूर्ण परीक्षा कार्य संपादित करने हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशू भारतीय, अधीक्षक भू-अभिलेख शाखा पेखन टोण्ड्रे एवं परियोजना अधिकारी साक्षरता आर सोमेश्वर राव को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। परीक्षा केन्द्र शासकीय दाउ कल्याण आर्टस एंड कामर्स स्नातकोत्तर कॉलेज बलौदाबाजार, शासकीय मिनीमाता गर्ल्स कॉलेज बलौदाबाजार, सेजेस हिन्दी मीडियम शासकीय पं. चक्रपाणी शुक्ल हायर सेकेण्डरी स्कूल बलौदाबाजार, पं. लक्ष्मीप्रसाद तिवारी शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल बलौदाबाजार, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मिडियम स्कूल एमडीव्ही बलौदाबाजार, गुरूकूल इंग्लिश मिडियम स्कूल बलौदाबाजार, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल रिसदा, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल सकरी, अम्बुजा विद्यापीठ रवान, शासकीय जीएनए स्नातकोत्तर कॉलेज भाटापारा, शासकीय मल्टीपरपस हायर सेकेण्डरी स्कूल भाटापारा, पंचम दीवान शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल भाटापारा, नगर पालिका कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल भाटापारा, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिस मीडियम स्कूल भाटापारा, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल रामसागर पारा भाटापारा, शासकीय बृजलाल वर्मा कॉलेज पलारी, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूल दाउ विष्णुदत्त वर्मा हायर सेकेण्डरी स्कूल पलारी, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल अर्जुनी, शासकीय महाविद्यालय लवन, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल लवन, शासकीय डीआरएस पीजी कॉलेज कसडोल, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिस मीडियम गुरू घासीदास हायर सेकेण्डरी स्कूल कसडोल, मिनीमाता शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल कसडोल, डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल कसडोल, सेक्रेट हार्ट हाई स्कूल बलौदाबाजार, वर्धमान इंग्लिस हायर सेकेण्डरी स्कूल बलौदाबाजार, सरस्वती शिशु मंदिर बलौदाबाजार, डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल सकरी, गुरूकूल इंग्लिश मिडियम स्कूल भाटापारा, सरस्वती शिशु मंदिर कसडोल, शासकीय हाई स्कूल अमेरा, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल छेरकापुर, आरकेजी हायर सेकेण्डरी स्कूल बलौदाबाजार, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल लाहोद, शासकीय हाई स्कूल रवान, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल पनगांव, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल पीसीद, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल कटगी, शासकीय महाविद्यालय वटगन पलारी, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल गोड़ा, संस्कार हायर सेकेण्डरी स्कूल बलौदाबाजार, मयूर शिशु मंदिर हायर सेकेण्डरी स्कूल भाटापारा, सरस्वती शिशु मंदिर भाटापारा, मार्डन इंग्लिस स्कूल भाटापारा, देल्ही पब्लिक वर्ल्ड स्कूल भाटापारा, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल तरेंगा, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल देवरी, शाश्वत हायर सेकेण्डरी स्कूल बलौदाबाजार, शाश्वत लिटिल स्टार बलौदाबाजार, अहिल्या इंटरनेशनल स्कूल लाहोद, शहीद वीर नारायण हायर सेकेण्डरी स्कूल लवन, सेंट थॉमस स्कूल लवन, सरस्वती शिशु मंदिर अर्जुनी, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल करमदा, जवाहर नवोदय विद्यालय लवन, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल गिंदोला, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल मोहतरा क, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय सेल एवं शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल दतरेंगी शामिल है।

पुलिस को चकमा देकर महिला बंदी अस्पताल से हुई फरार, मचा हड़कंप

सरगुजा। अंबिकापुर जिला अस्पताल से सोमवार देर रात एक विचाराधीन महिला बंदी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गई। महिला बंदी का नाम पूजा गुप्ता है, जो की बलरामपुर जिले के रामानुजगंज की रहने वाली है। पुलिस ने उसे एनडीपीएस मामले में गिरफ्तार किया था। बीते 22 अगस्त को पुलिस ने डिलीवरी के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया था, उसकी डिलीवरी के बाद बीती रात वह मौका देखकर अपने नवजात बच्चे को लेकर नौ दो ग्यारह हो गई।

बता दें कि महिला बंदी के फरार होने की सूचना के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया।

बताया जा रहा है कि महिला बंदी अस्पताल के गायनिक वार्ड में रात करीब 1 बजे तक थी। जिसके बाद वह अपने नवजात बच्चे को लेकर अस्पताल से भाग निकली। पुलिस ने अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जिसमें महिला बंदी अस्पाताल से बाहर निकलते हुए कैद हो गई है। मामले में सरगुजा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिला की तलाश की जा रही है, और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा कार्यकर्ता तीर्थयात्रा के लिए रवाना सीएम और डॉ. सिंह ने दिखाई हरी झंडी

रायपुर। राजधानी से लगे धरसींवा मंडल के

करीब 600 भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को अयोध्या, बनारस, चित्रकूट, प्रयागराज व मैहर तीर्थ यात्रा के लिए सीएम विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। करीब 12 एसी बसों और 7 इनोवा कारों से सभी भाजपाई सात दिवसीय प्रवास के लिए नितिन अग्रवाल के नेतृत्व में रवाना हुए। राजधानी के विधानसभा के करीब शीतलबाड़ी से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, विधायक अनुज शर्मा, श्याम नारंग, अनिल अग्रवाल, आरंग विधायक गुरु खुशवंत समेत बीजेपी नेताओं ने बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सभी लोग तीर्थ यात्रा में जा रहे हैं।आप सभी लोगों को प्रणाम है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में धरसीवां के कार्यकर्ताओं ने ऐतिहासिक जीत दिलाने का काम किया सभी कार्यकर्ताओं का हार्दिक अभिनंदन है। तीर्थ यात्रा की शुरुआत डॉ। रमन सिंह ने की थी। लाखों लोगों ने उस समय तीर्थ यात्रा किए। रामलीला दर्शन योजना के नाम से आगे बढ़ाने का काम हम लोग कर रहे हैं। सभी यात्रियों को शुभकामनाएं और बधाई सभी देवभूमि में जाकर छत्तीसगढ़ में सुख, शांति और समृद्धि आए इसकी सभी लोगों को कामना करना है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी तीर्थ यात्रियों को शुभकामनाएं दी।

उप मुख्यमंत्री साव अध्ययन दौरे पर अमेरिका रवाना

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री

श्री अरुण साव एशियन डेवलपमेंट बैंक के आमंत्रण पर नौ दिवसीय अध्ययन दौरे पर सोमवार की देर रात अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह भी उनके साथ जा रहे हैं। दोनों सोमवार रात साढ़े 11 बजे की नई दिल्ली-न्यूयॉर्क फ्लाइट से अमेरिका के लिए रवाना हुए। वे अमेरिकी समय के अनुसार मंगलवार सवेरे 06:20 बजे न्यूयॉर्क पहुंचेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव अपने अमेरिका अध्ययन प्रवास के दौरान न्यूयॉर्क, वाशिंगटन, केलिफोर्निया और सेन फ्रांसिस्को में सड़क परियोजनाओं का भ्रमण करेंगे और सड़क निर्माण तकनीकों की जानकारी लेंगे। वे इस दौरान एशियन डेवलपमेंट बैंक द्वारा आयोजित कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण में भी हिस्सा लेंगे। वे वहां उन्नत सड़क परियोजनाओं के साथ ही अच्छी गुणवत्ता के सड़क निर्माण और छत्तीसगढ़ में इन्हें लागू करने के संबंध में चर्चा करेंगे। श्री साव 18 सितम्बर को भारत लौटेंगे।

नगर सेना विभाग में महिला एवं पुरूष अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा 16 से

रायपुर। नगर सेना विभाग द्वारा 1715 रिक्त पदों पर महिला छात्रावास एवं 500 रिक्त पदों पर सामान्य ड्यूटी के लिए पुरूष एवं महिला नगर सैनिकों की भर्ती हेतु शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन आगामी 16 सितम्बर से किया गया है। जिसमें रायपुर संभाग के लिए महिला छात्रावास हेतु 450 महिला तथा महिला एवं पुरूष सामान्य ड्यूटी हेतु 200 नगर सैनिकों की शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान नगर सेना माना कैम्प में आयोजित की जाएगी। जो कि 16 सितम्बर से 4 अक्टूबर तक आयोजित होगी।

दामिनी एप्प करेगा आकाशीय बिजली से अलर्ट

रायपुर। आकाशीय बिजली घटित होने के कारण जन एवं पशु हानि की घटनाओं से निपटने हेतु भारत सरकार द्वारा दामिनी एप्प विकसित किया गया है। इस मोबाइल एप्प से आकाशीय बिजली घटित होने की पूर्वानुमान(20 से 31 किलोमीटर का दायरा), आवश्यक तैयारी एवं उपाय की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। जिले में आकाशीय बिजली गिरने से जन एवं पशु हानि की बढ़ती घटना को दृष्टिगत रखते हुए शासन ने सभी विभाग प्रमुखो एवं मैदानी अमलों को दामिनी एप्प डाउनलोड करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही अधिक से अधिक लोगों को इस एप्प को डाउनलोड करने की अपील की है। दामिनी एप्प को गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से किसी भी एंड्रॉइड मोबाईल पर आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है।

भाटापारा जिला पंचायत सीईओ ने जारी की कारण बताओ नोटिस

भाटापारा। छत्तीसगढ़ के भाटापारा में जनपद पंचायत के सहायक विकास विस्तार अधिकारी को सीईओ ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह नोटिस धीरज कुमार सोनी को जारी हुआ है। बिना सूचना के कार्यालय से नदारद रहने पर जिला पंचायत सीईओ ने कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का पंजीयन कार्य प्रभावित हुआ और नोडल अधिकारी होते हुए भी फॉर्म पंजीकरण में नाकाम हुए। इसके लिए विभाग ने संतोष जनक स्पष्टीकरण नहीं देने पर बड़ी करवाई के लिए कहा है।

झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित, राजधानी में लोगों के घरों के अंदर घुसा पानी

जायजा लेने सड़क पर उतरे निगम आयुक्त, 7 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट जारी

रायपुर। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के 7 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके साथ ही ऑरेंज में 5 और येलो में 9 जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। सोमवार शाम से ही प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। वहीं राजधानी रायपुर में भी झमाझम बारिश हो रही है। कल रात से हो रही लगातार बारिश से राजधानी के कई हिस्सों में लबालब पानी भर गया है, जिससे लोगों का जीवन अस्तव्यस्त हो गया है।

शहर के भाठागांव बस स्टैंड के पास पानी भरने की वजह से एक सड़क बंद करनी पड़ी है। भाठागांव से काठाडीह का रास्ता पुलिया में पानी भरने की वजह से बंद है। वहीं प्रोफेसर कॉलोनी सेक्टर 2-3 के पास भी जलभराव की स्थिति है। कई घरों में घुटनों तक पानी भर गया है, जिससे घर में रखे सामान भी भीग गए हैं। सुमेरु मठ के पास भी पानी भरा है। साथ ही कई जगहों के सड़कों में पानी भरा हुआ है, जिससे लोगों को आवाजाही में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बारिश के बीच रायपुर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा शहर की स्थिति का जायजा लेने निकले हैं। उनके साथ निगम की अधिकारी भी मौजूद हैं।

छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है, जिसमें अलग-अलग जिलों में रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट 24 घंटे के लिए जारी किये गए हैं। इसके साथ ही अगले 48 घंटे के लिए भी चेतवानी जारी की गई है।

रायपुर तहसील कार्यालय में जलभराव

राजधानी में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते कई इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। शहर की कई सड़कों और घरों में पानी भरने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रभावित स्थानों में एक राजधानी का तहसील कार्यालय भी शामिल है, जहां बारिश का पानी भर गया है। इस कारण आम जनता को जमीन से संबंधित कार्यों को करने में बाधा उत्पन्न हो रही है। कार्यालय में इससे सरकारी

कामकाज भी प्रभावित हुआ है। प्रशासन की टीम जल्द से जल्द जल निकासी की कोशिश में जुटी हुई है।

राजनांदगांव में एक बुजुर्ग महिला पर गिरा मकान, दो घर ढहे

बीती देर रात से जारी झमाझम बारिश के कारण राजनांदगांव शहर और जिले के कई हिस्सों में जलभराव हो गया है। तेज बारिश के चलते बाग नदी थाना पूरी तरह से डूब गया है। जलभराव से प्रभावित लोगों की मदद के लिए पुलिस की टीम सक्रिय हो गई है। पुलिस जवानों ने फंसे हुए ग्रामीणों और आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। राहत कार्य लगातार जारी हैं।

वहीं राजीव नगर बसंतपुर में भी भारी बारिश के कारण दो मकान गिर गए हैं। एक बुजुर्ग महिला मुश्किल से बचाई जा सकी, क्योंकि मकान उसके ऊपर गिर गया था। सुबह 4:00 बजे के आसपास वार्ड के पार्षद और मोहल्ले के लोगों ने महिला की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इन 7 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट जारी

प्रदेश के गरियाबंद, धमतरी, बालोद, मोहला-मानपुर- अंबागढ़ चौकी, कांकेर, बीजापुर और नारायणपुर जिलों में एक-दो स्थानों पर बहुत भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है।

ऑरेंज अलर्ट- प्रदश के महासमुंद, राजनांदगांव, बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा जिलों के एक दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

येलो अलर्ट- इसके साथ ही प्रदेश के सारंगढ़-बिलाईगढ़, जांजगीर, रायपुर, बलोदाबाजार, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई और सुकमा जिले में एक दो स्थानों पर भारी वर्षों होने की संभावना है। वहीं 48 घंटों के लिए प्रदेश की कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बिलासपुर, मुंगेली, कोरबा, बेमेतरा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई और कबीरधाम जिलों में एक दो स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

सरकारी बंगले से सामान गायब का मामला पुलिस ने प्रार्थी का लिया बयान

■ **एएसपी बोले- जांच के बाद होगी कार्रवाई**

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी सरकार में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को मिले शासकीय आवास से बड़ी संख्या में सामान गायब मिला था। सिविल लाइन स्थित इस सी2 बंगले में पहले पूर्व कांग्रेस सरकार में नगरीय प्रशासन मंत्री शिव डहरिया रहते थे। इस मामले की शिकायत पर पुलिस ने आज ने प्रार्थी का बयान दर्ज किया है।

बंगले से लाखों का सामान गायब होने की शिकायत मनेंद्रगढ़ के आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा ने सिविल लाइन थाने में की थी। इस मामले में आज प्रार्थी का बयान लिया गया। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद मामले में अपराध दर्ज किया जाएगा। प्रार्थी ने कहा, जांच में जो भी दोषी पाया जाए उस पर कड़ी कार्रवाई हो, चाहे वह पूर्व मंत्री शिव डहरिया हो या पीडब्ल्यूडी के बड़े अधिकारी हो।

मामले की जानकारी देते हुए आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा ने बताया कि मुझे मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली कि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को शासकीय बंगला सी2 आवंटित किया गया है। इस बंगले चोरी हो गई थी और बहुत सारे कीमती और महत्वपूर्ण सामान गायब हो गए थे। तब से लेकर अब तक मैं सूचना के अधिकार के तहत 22 से ज्यादा आरटीआई एप्लीकेशन फाइल किया हूं। पीडब्ल्यूडी विभाग में कई विभागों में मैं आरटीआई लगाकर जानकारी प्राप्त की है। करीब 400 पेज की जानकारी मैंने प्राप्त की है।

राजकुमार ने बताया, आरटीआई से मिली जानकारी से स्पष्ट होता है कि यह बंगला पहले पूर्व मंत्री शिवकुमार डहरिया को आवंटित था। उन्होंने अपने स्टेटमेंट में कहा है कि मेरा सामान था मैंने निकाल लिया। उसके बाद मुझे पूरे दस्तावेज मिले और मैंने उसका अध्ययन किया। मुझे स्पष्ट रूप से लगा यह अपराध बनता है और शासकीय संपत्ति का दुरुपयोग है। भारतीय दंड संहिता के तहत विभिन्न धाराओं के तहत यह दंडनीय अपराध है। मैं सिविल लाइन थाना रायपुर में इस संबंध में लिखित शिकायत किया हूं। पुलिस इसमें जांच आरंभ कर चुकी है। मुझे नोटिस भेजकर इस संबंध में मेरा बयान दर्ज करने के लिए बुलाया गया था। मैंने इस संबंध में अपना बयान दर्ज कराया हूं। उम्मीद है कि पुलिस इस पर जांच करेगी और जो भी दोषी होगा उस पर अवश्य कार्रवाई होगी।

इस मामले में शहर एएसपी लखन पटले ने बताया प्रार्थी का बयान लिया गया है। तथ्य जुटाए जा रहे हैं। संबंधित विभागों से जानकारी ली जाएगी। पूरी जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

सेवानिवृत्त हुए निरीक्षक-उपनिरीक्षक और तीन प्रधान आरक्षक

■ **पुलिस विभाग ने दी अधिकारियों को विदाई**

रायपुर। पुलिस विभाग में लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों को विदाई दी गई। एक निरीक्षक (एम), एक उपनिरीक्षक और तीन प्रधान आरक्षकों सेवानिवृत्त हुए हैं, जिन्हें रायपुर एसएसपी डॉ. संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कीर्तन राठौर और रक्षित निरीक्षक वैभव मिश्रा ने सभी पुलिस अधिकारियों की सेवा की सराहना करते हुए उनके भावी जीवन की शुभकामनाएं दिए।

सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों में निरीक्षक(एम) सविता बनवासी, उपनिरीक्षक अनुपसाय, प्रधान आरक्षक महेश कुमार वर्मा अमृतलाल प्रधान और महिला प्रधान आरक्षक सुल्ताना जुबेदा शामिल हैं। निरीक्षक (एम) सविता बनवास वर्ष 1981 में पुलिस विभाग में सउनि (अ) के पद पर जिला रायपुर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय रायपुर में सेवा देते हुए सेवानिवृत्त हुए इस दौरान पुरे सेवा काल में दो पदोन्नती प्राप्त कर 43 वर्ष की सफर तय किया जो अत्यंत सराहनीय है।

उपनिरीक्षक अनुपसाय वर्ष 1988 में पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर जिला-सरगुजा में भर्ती होकर थाना प्रेमनगर, लुडरा, मैनपाट, गरिमा, जिला दुर्ग , तुमगांव, जिला रायपुर - थाना खरोरा में सेवा देते हुए सेवानिवृत्त हुए इस दौरान पुरे सेवा काल में

तीन पदोन्नती प्राप्त कर 36 वर्ष की सफर तय किया जो अत्यंत सराहनीय है। प्रधान आरक्षक महेश कुमार वर्मा वर्ष 1988 में पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर जिला-रायपुर में भर्ती होकर थाना-बलौदा बाजार, सुहेला, तिल्दा नेवरा, सिविल लाईन, खम्हारडीह, खरोरा, आरंग एवं पुन: तिल्दा नेवरा में सेवा देते हुए सेवानिवृत्त हुए इस दौरान पुरे सेवा काल मे एक पदोन्नती प्राप्त कर 36 वर्ष की सफर तय किया जो अत्यंत सराहनीय है। प्रधान आरक्षक अमृत लाल प्रधान वर्ष 1984 में पुलिस विभाग में बैण्ड आरक्षक के पद पर जिला-रायपुर में भर्ती होकर गरियाबंद, प्रथम बटालियन भिलाई, टिकरापारा, डी.डी.नगर एवं रक्षित केन्द्र रायपुर में सेवा देते हुए सेवानिवृत्त हुए इस दौरान पुरे सेवा काल मे एक पदोन्नती प्राप्त कर 40 वर्ष की सफर तय किया जो अत्यंत सराहनीय है। महिला प्रधान आरक्षक सुल्ताना जुबेदा वर्ष 1983 में पुलिस विभाग में महिला आरक्षक के पद पर जिला-रायपुर में भर्ती होकर पुलिस कंट्रोल रूम, पी.टी.एस. माना, बलौदाबाजार, मैनपुर, अजाक, सी.एम. हाउस, रक्षित केन्द्र एवं धरसींवा में सेवा देते हुए सेवानिवृत्त हुए।

18 साल में करोड़ों का आसामी हो गया लेखाधिकारी

रायपुर। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में सीबीआई ने भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग, रायपुर के वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी के विरुद्ध मामला दर्ज कर तलाशी जांच शुरू की। 2006 में 4,800 रु. में शासकीय नौकरी की शुरुआत करने वाला यह लेखाधिकारी महज 18 साल में करोड़ो का मालिक है।

मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आय से अधिक संपत्ति (डीए) रखने पर वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग, प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा) कार्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) के विरुद्ध मामला दर्ज किया। लेखाधिकारी पर आरोप है कि उसने 13 जुलाई 2006 को एसओ (स्ट्र) के पद पर ग्रेड वेतन 4,800 रु. में नौकरी ज्वाइन की थी। नौकरी ज्वाइन करने के बाद से उसने कथित तौर पर प्रति वर्ष कृषि भूमि, आवासीय भूखंड आदि के रूप में लगभग 10 अचल संपत्तियां खरीदी। आरोपी शुरू से ही भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त था एवं उसने जानबूझकर आपराधिक

कदाचार करके स्वयं को गलत तरीके से समृद्ध किया तथा अपनी आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक की भारी संपत्ति अर्जित की।

आरोपी ने कथित तौर पर 31अगस्त 2007 से 31 मई 2024 की अवधि के दौरान अपने एवं अपनी पत्नी के नाम पर 3,89,53,980 रुपये (लगभग) की अचल/चल संपत्ति अर्जित/संचित की। यह भी आरोप है कि 31अगस्त 2007 31मई 2024 की जाँच अवधि के दौरान आरोपी की आय से अधिक की संपत्ति 1,47,50,143 रुपये (लगभग) थी रायपुर में आरोपी के आवासीय एवं कार्यालय परिसरों सहित 3 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है।

सीएम हाउस का घेराव, महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष फूलो देवी के साथ बैज, बघेल और महंत हुए शामिल

रायपुर। प्रदेश में बढ़ते अपराध को लेकर मंगलवार को सीएम हाउस का घेराव करने प्रदेश के विभिन्न ज़िलों से महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता पहुंची। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद एवं कांग्रेस महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष फूलोदेवी ने कहा बच्चियों से लेकर 50 साल की अधेड़ महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं। बिना कांग्रेस के दबाव के कार्रवाई नहीं होता है।

प्रदर्शन में मौजूद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि आज लाल साड़ी पहनकर दुर्गा के रूप में सरकार पर क़हर बरपाने हमारी माताएं-बहनें पहुँची हैं। नौ महीने की सरकार ने पूरे प्रदेश को बर्बाद कर दिया। माताएं-बहनें सुरक्षित नहीं हैं। कांग्रेस पार्टी ने लगातार मुद्दा उठाया। आपको जनता ने सरकार

चलाने का जनादेश दिया, लेकिन इस सरकार में सरकार नाम की चीज नहीं है, कानून नाम की चीज़ नहीं है।

पीसीसी चीफ ने कहा कि तरस आता है इस सरकार पर, लेकिन एक भी ऐसा काम नहीं किया। आज सड़क पर उतर कर लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। सरकार को लाठी, जेल और एफआईआर करने का बहुत शौक़ है। लाठियां तैयार रख लो, लाठियां मारते रहे, एफआईआर करते और जेल भरते पांच साल बीत जाएंगे। हमारी लड़ाई माता-बहनों की सुरक्षा की है। रायगढ़, रायपुर, यहां तक गृह मंत्री के अपने गृह ज़िले कवर्धा की सुरक्षा नहीं कर पा रहे हैं, तो प्रदेश की सुरक्षा क्या करेंगे। इस सरकार से ये पूछना चाहते है, सरकार कौन चला रहा है। इसके साथ बैज ने सवाल किया कि क्या प्रदेश में दो क़ानून है?, एक क़ानून जहां बिना जाँच के एफआईआर हो रहा है, और दूसरा जहां जांच के बाद धरना देने पर एफआईआर करते हैं। पुलिस गृह मंत्री से पूछकर एफआईआर करती है, और धाराएं लगाती है। नेता प्रतिपक्ष डॉ। चरणदास महंत ने कहा कि इन लोगों ने जगह-जगह शराब बेचने की अनुमति दी है। 80% गांव के दुकानों में भी नशे की गोलियां, दवाएँ मिल रही है। जिसे खाने से लोग अपराध को अंजाम दे रहे हैं। महिला कांग्रेस की बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सीएम हाउस घेराव करने निकलीं, जिनके साथ राज्यसभा सांसद महिला कांग्रेस अध्यक्ष फूलो देवी नेताम के अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत सहित बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थीं। मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने निकले महिला कांग्रेसियों को पुलिस ने रोक दिया।

भाजपा के सदस्यता अभियान पर दीपक बैज के बयान पर अनुराग सिंहदेव का पलटवार

■ **कहा- राहुल गांधी को भी याद नहीं होगा कि कब बने थे कांग्रेस के सदस्य**

रायपुर। भाजपा के सदस्यता अभियान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के बयान पर भाजपा के प्रदेश सदस्यता अभियान प्रभारी अनुराग सिंहदेव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सदस्यता अभियान नहीं किया। राहुल गांधी को याद नहीं होगा, वे तब कांग्रेस के सदस्य बने थे। उनके यहां ना कोई रिनवल है, ना कोई व्यवस्था है।

अनुराग सिंहदेव ने कहा कि बीजेपी ऐसी पार्टी है, जिसमें आंतरिक लोकतंत्र है। एक साल में हर बार

मेंबरशिप होती है, रिनवल होता है। 2 तारीख को प्रधानमंत्री खुद बीजेपी मेंबर बने। राष्ट्रपति बने हैं, प्रदेश अध्यक्ष बने हैं, मुख्यमंत्री बने हैं। यह बताता है कि कांग्रेस और बीजेपी फर्क क्या है। बच्चों के विचारधारा भाजपा से भी मिल रही है। बच्चों के डर से मोबाइल साइड में रखे हैं। कहीं बच्चा मेंबर ना बना दे। कांग्रेस खुद अपने अंदर वैचारिक मनभेद से गुजर रही है।

प्रदेश सदस्यता अभियान प्रभारी ने कहा कि बीजेपी ने अपने टारगेट को पूर्ण कर चुकी है। अपनी इरादों को प्रुफ किया है। तीन-तीन बार सरकार बनाई है। कांग्रेस के सामने हुआ है। वहीं सदस्यता अभियान को लेकर दिल्ली में होने वाली बैठक पर अनुराग सिंहदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जो मेंबरशिप का अभियान चल रहा है। हर स्टेट की समीक्षा होती है। हम कहां तक पहुंचे हैं, कहां तक जाना है, कितने लोगों तक पहुंचना है, क्या कठिनाई आ रही है, टेक्निकली क्या प्रॉब्लम आ रही है। सारी बातों पर डिस्कस होगा।

कांग्रेस के सीएम हाउस के घेराव पर अनुराग सिंहदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासी मुख्यमंत्री हैं। आदिवासियों के हितों का रक्षा करना भारतीय जनता पार्टी बखूबी जानती है। पिछली सरकार में भूपेश बघेल की सरकार में आदिवासियों पर जो अत्याचार हुआ है। वह आदिवासियों ने बस्तर और सरगुजा में एक तरफ मैंडेट देकर कांग्रेस को मैसेज देने का काम किया है। आदिवासियों को न्याय मिलेगा। मुख्यमंत्री खुद आदिवासी हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता. लो.नि.वि.. संभाग क्र.-3.
डी-1/17, सेक्टर-17, नवा रायपुर अटल नगर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

NIT-12/2024-2025/ब ले लि दिनांक : 27-08-2024

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:- 16/09/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि:-23/09/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 24/09/2024 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक
निविदाकारों की श्रेणी :- ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी 'द' से 'अ' तक

निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख मे) अमानत राशि (रू.मे) बैंक साल्वेंसी (रू.में)
1	2	3
T0046	सेक्टर 18 नवा रायपुर अटल नगर के लिए लैण्डस्केपिंग एवं हर्टिकल्चर कार्य	20.00 15000.00 300000.00
T0047	निर्माण भवन सेक्टर 19 नवा रायपुर अटल नगर के परिसर में गार्डन रख रखाव कार्य	6.53 5000.00 100000.00
T0048	उपसंभाग क्रमांक 3 के कचना सेक्शन अंतर्गत पेटी बाज़ार सप्लाई का कार्य	5.00 5000.00 75000.00

आवेदन के साथ Registation Copy, GST Certificate, Bank Solvency एवं जी.एस.टी. भुगतान का 3 बी प्रस्तुत करना अनिवार्य है
निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।
इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है। अन्य जानकारी हेतु संभागीय कार्यालय में संपर्क करे।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.-3
रायपुर

जी-242502324/4

संघ की पहल वंचित वर्ग से जुड़ने की

प्रभु चावला

इस वर्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसी के साथ संगठन राजनीतिक वास्तविकताओं से सामंजस्य बैठाना तथा नये भारत की मांगों को सुनना सीख रहा है, जिसे बनाने में उसका भी योगदान रहा है। वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आख्यानों के दबाव में संघ अपनी पहचान एवं विचारधारा में बदलाव करना भी सीख रहा है। सौ वर्षों में वह धर्मनिरपेक्षता के आग्रह को हाशिये पर धकेलने में सफल रहा है। पर पहले कभी ऐसे विपक्ष का सामना उसने नहीं किया था, जो सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और जातिगत भेदभाव के लिए उस पर निशाना साध रहा है। अतीत में संघ ऐसे आरोपों की अनदेखी करता रहा था। पर अब उसने हिंदू एकता की एक शक्ति के रूप में अपनी विश्वसनीयता, स्वीकार्यता और प्रभाव को बचाने के लिए अपने वैचारिक विरोधियों का सामना करने का निर्णय लिया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण जाति से संबंधित विषयों पर संघ के शीर्ष नेतृत्व के बदलते बयान हैं। कुछ दिन पहले नेतृत्व ने यह स्पष्ट कर दिया कि संघ जाति सर्वेक्षण और सरकारी नौकरियों में आरक्षण के विरुद्ध नहीं है। केरल में आयोजित 300 से अधिक वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक के बाद इसके प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा- 'हमारे हिंदू समाज में जाति और जाति संबंधों का संवेदनशील मुद्दा है। निश्चित रूप से यह हमारी राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसे चुनावी या राजनीतिक आधार के बजाय बेहद गंभीरता से समझा जाना चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि संघ का विचार है कि सभी कल्याणकारी गतिविधियों के लिए सरकार को संख्या की आवश्यकता होती है, जो कि एक स्थापित व्यवस्था है, पर इसका उपयोग केवल वंचित समुदायों एवं जातियों के कल्याण के लिए होना चाहिए, न कि चुनाव में एक राजनीतिक हथियार की तरह। आंबेकर ने लंबी चर्चा, जिसमें संघ और संबंधित संगठनों के वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल थे, के बाद इस राय को सार्वजनिक किया। भाजपा ने अभी तक राष्ट्रव्यापी जाति सर्वेक्षण का समर्थन नहीं किया है, जबकि उसके सहयोगी दल जद(यू) द्वारा बिहार में एक जाति गणना करायी जा चुकी है। संघ परिवार के योद्धा इस बदलाव के समय को लेकर अचंभित है। संघ हिंदू एकता को लेकर अडिग रहा है। उसके कई वरिष्ठ नेताओं ने जाति-आधारित आरक्षण के विरुद्ध बोला भी है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 2015 में आरक्षण के राजनीतिकरण की आलोचना करते हुए आरक्षण नीति की समीक्षा का आह्वान किया था। जनवरी 2017 में संघ के एक महत्वपूर्ण पदाधिकारी मनमोहन वैद्य ने कहा कि 'अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए आरक्षण की व्यवस्था एक भिन्न संदर्भ में की गयी थी। संविधान में इसकी व्यवस्था उनके साथ ऐतिहासिक रूप से हुए अन्याय के उपचार के तौर पर की गयी थी। यह हमारा उत्तरदायित्व था। इसलिए संविधान में प्रारंभ से ही उनके लिए आरक्षण का प्रावधान है। अंबेडकर ने भी कहा था कि इसे हमेशा बहाल रखना उचित नहीं होगा। इसकी कोई समय सीमा होनी चाहिए।' लेकिन कुछ दिन बाद ही संघ ने मीडिया के विश्लेषण का खंडन कर दिया। एक संयुक्त बयान में दत्तात्रेय होसबोले और वैद्य ने कहा कि संविधान के अनुसार जाति आधारित आरक्षण जारी रहना चाहिए और यह तब तक जारी रहना चाहिए, जब तक हिंदू समाज में जातिगत भेदभाव है। पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भागवत ने संघ की सोच को और स्पष्ट करते हुए कहा कि संघ ने संविधान द्वारा दिये गये आरक्षण का हमेशा समर्थन किया है और इसे तब तक बहाल रखा जाना चाहिए, जब तक इसकी आवश्यकता है। यह स्पष्ट है कि संघ विपक्षी दलों तथा चुनावी राजनीति के समीकरणों पर नजर है। संघ पर पहले जो हमले होते थे, वे धीमे होते थे और कुछ व्यक्तियों तक सीमित होते थे। अब ऐसी स्थिति नहीं है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संघ को अपना मुख्य निशाना बना लिया है, जिसके पीछे उनके दो उद्देश्य हैं- हिंदू-विरोधी हुए बिना मुस्लिमों को आकर्षित करना तथा गैर-भाजपा दलों को एक करना। राहुल और कांग्रेस संघ की सदस्यता और उसके संगठनों के भारी विस्तार से चिंतित हैं। ये संगठन आदिवासियों, छात्रों, युवाओं, सांस्कृतिक संगठनों, कारोबारी समुदायों और कलाकारों आदि को प्रभावित करते हैं। बीते दशक में संघ और उसके समर्थकों ने राष्ट्रवादी आख्यान को निर्देशित और परिभाषित करने के लिए 500 से अधिक स्वैच्छिक संगठनों और विचार संस्थाओं की स्थापना की है। संघ की पृष्ठभूमि वाले सेवानिवृत्त लोकसेवकों, कूटनीतिकों और रक्षा अधिकारियों को संघ-विरोधी प्रचार का प्रतिकार करने के लिए सक्रिय किया गया है।

प्रियंका के नेतृत्व में यूपी कांग्रेस में फेरबदल की तैयारी

अजय कुमार

कांग्रेस उत्तर प्रदेश में पिछले साढ़े तीन दशकों से सत्ता से बाहर है, लेकिन हाल के लोकसभा चुनाव में 99 सीटों पर जीत दर्ज करने के बाद पार्टी के आत्मविश्वास में जबरदस्त इजाफा हुआ है। इस नई ऊर्जा को देखते हुए कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के संगठन में बड़े पैमाने पर बदलाव करने का निर्णय लिया है। पार्टी अब उन जिला और शहर अध्यक्षों को हटाने की योजना बना रही है, जो सक्रियता से काम नहीं कर रहे हैं। इन निष्क्रिय नेताओं की जगह नई पीढ़ी के, तेज-तर्रार नेताओं को आगे लाया जाएगा, ताकि 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी अभी से शुरू की जा सके और कांग्रेस फिर से उत्तर प्रदेश की राजनीतिक जमीन पर मजबूती से खड़ी हो सके।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के करीबी माने जाने वाले छह राष्ट्रीय सचिवों को एक बार फिर उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन सचिवों की नियुक्ति के बाद, कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और इन छह सचिवों की दिल्ली में एक अहम बैठक हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्टी संगठन को नए सिरे से तैयार करना और उसे अधिक प्रभावी बनाना था। इस प्रक्रिया में संगठन के भीतर व्यापक बदलाव किए जाएंगे, जिससे पार्टी न केवल आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन कर सके, बल्कि एक बार फिर से राज्य में अपनी पुरानी प्रतिष्ठा हासिल कर सके। कांग्रेस ने संगठन को अधिक गतिशील और सक्रिय बनाने के लिए ठोस योजना बनाई है, जिसमें निष्क्रिय नेताओं की जगह पर ऊर्जावान और प्रतिबद्ध नेताओं को लाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में 1989 के बाद से कांग्रेस को सत्ता से दूर रहना पड़ा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को सिर्फ दो सीटें मिली थीं, जबकि 2019 में यह संख्या घटकर केवल एक रह गई। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा और इनमें से छह सीटों पर जीत दर्ज की। ये सीटें अमेठी, रायबरेली, इलाहाबाद, सीतापुर, और सहारनपुर जैसी महत्वपूर्ण थीं, जहां कांग्रेस ने चार दशक बाद जीत हासिल की। इस सफलता के पीछे समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन और मुस्लिम एवं दलित वोटरों का समर्थन महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कांग्रेस ने इसे 2027 के विधानसभा चुनावों में एक बड़े अवसर के रूप में देखा है। राहुल गांधी ने इस अवसर को भांपते हुए उत्तर प्रदेश में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है और पार्टी को फिर से जीवंत करने के मिशन में जुटे हैं।

कांग्रेस ने हाल ही में धीरज गुर्जर, राजेश तिवारी, तौकीर आलम, प्रदीप नरवाल, नीलांशु चतुर्वेदी और सत्यनारायण पटेल को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त कर उत्तर प्रदेश में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। ये सभी नेता प्रियंका गांधी के नेतृत्व में संगठन में अपनी भूमिका निभा रहे थे। तीन दिन पहले दिल्ली में इन सभी सचिवों की शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक हुई, जिसमें जिलों के संगठनों की समीक्षा करने का निर्णय लिया गया। बैठक में तय किया गया कि जो भी जिला और शहर अध्यक्ष अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तत्परता से नहीं निभा रहे हैं, उन्हें बदला जाएगा और उनकी जगह नए, ऊर्जावान चेहरों को जिम्मेदारी दी जाएगी।

यूपी कांग्रेस के नेताओं को एक बार फिर दिल्ली बुलाया गया है। अविनाश पांडेय, अजय राय और अनिल यादव सहित संगठन के अन्य प्रमुख नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को दिल्ली में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में उपचुनाव की रणनीति पर विचार-विमर्श किया जाएगा, साथ ही संगठन में जरूरी बदलावों पर चर्चा होगी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया कि यूपी संगठन में बदलाव की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। जिन जिला और शहर अध्यक्षों को हटाना है, उनकी सूची तैयार कर ली गई है और नए नाम भी तय किए जा चुके हैं।

दिल्ली में होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में कांग्रेस नेतृत्व यूपी संगठन में बदलाव पर अंतिम मुहर लगाएगा। इसके बाद अगले 10 से 15 दिनों के भीतर जिला और शहर अध्यक्षों की नई सूची जारी की जा सकती है। नए अध्यक्षों के चयन के बाद, प्रदेश कमेटी में भी कुछ नए चेहरों को शामिल करने की योजना बनाई जा रही है। इसके साथ ही, संगठन में पहले से कार्यरत लोगों की जिम्मेदारियों में भी बदलाव किया जा सकता है। इस बदलाव के तहत कांग्रेस का उद्देश्य संगठन को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाना है, ताकि आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी एक मजबूत दावेदार बनकर उभर सके।

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में नए अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति की भी रणनीति तैयार की है। मौजूदा अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज आलम को राष्ट्रीय सचिव बनाकर बिहार का प्रभार सौंपा गया है, जिससे यूपी में इस पद पर नया चेहरा लाना आवश्यक हो गया है। इस बार कांग्रेस एक ही व्यक्ति को अध्यक्ष बनाने की बजाय, तीन से चार लोगों को इस जिम्मेदारी के लिए चुनने पर विचार कर रही है। पार्टी ने उत्तर प्रदेश को चार हिस्सों में बांटकर संगठन का गठन किया है और इसी आधार पर अल्पसंख्यक नेताओं को भी नियुक्त करने की योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों में कांग्रेस की पकड़ को मजबूत करना और उन्हें पार्टी के साथ जोड़ना है। कांग्रेस की प्राथमिकता यह है कि विधानसभा उपचुनाव से पहले संगठन में यह बदलाव प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने साफ कर दिया है कि यह बदलाव उपचुनाव की तैयारियों को प्रभावित नहीं करेगा। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में संगठन को जितनी जल्दी हो सके नए स्वरूप में ढालना चाहती है। इस बदलाव की प्रक्रिया के माध्यम से कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने की कोशिश कर रही है। आगामी चुनावों में पार्टी की सफलता का दारोमदार इन बदलावों पर ही टिका होगा, और कांग्रेस को उम्मीद है कि ये बदलाव उसे राज्य में एक बार फिर से प्रमुख राजनीतिक शक्ति बनाने में मदद करेंगे।

एकात्मता के स्वर — कावेरी नदी

सह्याद्रि पर्वतराशि में ब्रह्मगिरि नामक प्रदेश पर कावेरा नाम के राजा राज्य करते थे। उन्होंने तप करके ऋषि पद प्राप्त कर लिया। राजा के प्रदीर्घ तप से प्रसन्न होकर भगवान् शिव ने दर्शन देकर उन्हें कावेरी नाम की एक बेटी प्रदान की। शिव बोले कि इसी कावेरी के द्वारा मनोकामना पूर्ण होगी। बेटी के बडी होने पर कावेरा ऋषि ने कावेरी से कहा कि मानव जाति के कल्याण के लिये में इच्छुक हूँ। पिता के शब्द सुन कावेरी ने भी सोचा कि मैं भी सारे विश्व का कल्याण कर सकूँ तो जीवन कैसा अर्थपूर्ण होगा। कावेरी के विवाह योग्य होने पर कावेरा ऋषि के आश्रम पर महर्षि अगस्त्य ब्रह्मगिरि पर पधारे। ऋषि ने अपनी सुयोग्य कन्या के साथ अगस्त्य ऋषि से ब्याह करने का प्रस्ताव किया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। महर्षि अगस्त्य कावेरी के साथ वहीं ब्रह्मगिरि पर अपना आश्रम बनाकर निवास करने लगे। इसी काल में दक्षिण में सूरपक्ष नामक शक्तिशाली क्रूर राक्षस रहा करता था। देवराज इन्द्र से घृणा होने के कारण जादुई शक्ति से वर्षा को बीच में ही रोक लेता था। वर्षा के अभाव में जनता, जानवर, जंगल और पशु-पक्षी तड़प गये। एक दिन प्रातः स्नान के लिये महर्षि अगस्त्य सरोवर की ओर जाने लगे। कावेरी अस्वस्थता के कारण महर्षि के साथ नहीं जा सकती थी। आश्रम पर अकेली कैसे छोडें यह सोचकर महर्षि ने कावेरी को जलरूप बनाकर अपने कमण्डलु में ले लिया और सरोवर के किनारे एक चट्टान पर रख दिया। जनकार्य के लिये देवताओं के कहने से गणेशजी ने कौवे का रूप धारण कर उस कमण्डलु पर बैठकर लुढ़का दिया। कमण्डलु से शीतल जलधारा के रूप में कावेरी इठलाती, बलखाती आगे बह निकली। दूधिया फेन की लहरें बह रहीं थीं। जब अगस्त्य ने देखा तो जोर से चिल्लाये कावेरी! कावेरी!! तुम मुझे छोड़कर कहाँ जा रही हो। परन्तु कावेरी उनकी पहुँच से दूर निकल गयी थी। प्रकट होकर विनायक ने कहा कि कावेरी प्राणिमात्र के कल्याणार्थ गयी है। इस प्रकार मानव जाति की माता कावेरी का उद्गम कर्नाटक राज्य के कुर्ग जिले में हुआ। वह सह्यादि पर्वत के दक्षिणी छोर से निकलकर आगे दक्षिण-पूर्व की ओर बहती हैं।

पुराण दिग्दर्शन .... परिचयाध्याय

प्रमाण-संग्रहाध्यायः (दूसरा अध्याय)

हिन्दी-भाषानिबन्धेषु, भाष्ये सूत्रो जये स्मृतौ ।
श्रुतावपि पुराणानां प्रामाण्यमिह दर्श्यते ।।

वैदिक काल से लेकर कल तक के भारतीय ग्रन्थ-निर्माताओं ने अपने अपने ग्रन्थों में पुराणों को उसी रूप में स्मरण किया है कि जिस रूप में वे वेदों को जानउनते पहिचानते थे। दोनों की अविशेष-मान्यता में नाम मात्र का भेद भी कहीं ढूंढने पर उपलब्ध नहीं हो सकता। कोई भी विचारशील यदि निष्पक्ष भाव से हिन्दी और संस्कृत के धुरन्धर कवियों की कृतियों का अध्ययन करेगा अथवा पुरातन ऋषियों और मुनियों के अमर ग्रन्थों का स्वाध्याय करेगा तो उसे यही प्रतीत होगा कि वेद और पुराण मानों दो सहोदर भ्राता हैं जो परम पिता परमात्मा की गोद में औरस पुत्रों की भान्ति समान रूप से पालित व पोषित होकर ब्रह्माण्ड रक्षा के लिये कन्धे से कन्धा भिड़ाये एक दूसरे के बराबर खड़े हैं।

हमने अपनी उपर्युक्त सम्मति के समर्थन के लिये इस अध्याय में अनेक ग्रन्थों का पारायण करके एक विस्तृत किन्तु सुसम्बद्ध प्रमाण परम्परा अङ्कित को है जो आधुनिक हिन्दी भाषा के धुरन्धर कवियों के निर्माण किये हुए ग्रन्थों के प्रमाणों से आरम्भ करके क्रमशः पूर्व- पूर्ववर्ती सभी शास्त्रों के प्रमाणों द्वारा अनादि वेदों पर्यन्त चली गई है ! इससे जहाँ पुराणों के प्रामाण का बोध होगा वहाँ अनेक ग्रन्थकारों के बहुसम्मत समयों की सूचना के साथ 2 कविता-रसास्वादन का भी पर्याप्त आनन्द मिल सकेगा। आशा है विज्ञ पाठक इस क्रम-बन्धन विधान को पसन्द करेंगे ।

देव कवि- (1) ग्रांखिन देख्यो सुन्यो सोई कानन, वेद पुरानन भेद बताया । जोगि जपी तपी पंडित प्रेमी प्रतीत बिना पचि हारे न पाया ।। आदि न अन्त अनादि अनन्त, निरन्तर अन्तर लोक लगाया । देव कहों कि श्रदेव कहों वह देव सुएक अनेक सुमाया ॥1॥ **(क्रमशः)**

अहिंसा के पुजारी आचार्य विनोबा भावे गांधीजी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी भी रहे

ललित गर्ग

जब-जब मानवता विनाश की ओर बढ़ती चली जाती है, नैतिक मूल्य अपनी पहचान खोते जाते हैं, समाज में पारस्परिक संघर्ष की स्थितियां बनती हैं, समस्याओं से मानव मन कराह उठता है, तब-तब कोई न कोई महापुरुष अपने दिव्य कर्तव्य, मानवतावादी सोच, चिन्मयी पुरुषार्थ और तेजोमय शौर्य से मानव-मानव की चेतना को झंकृत कर जन-जागरण का कार्य करता है। समय-समय पर ऐसे अनेक महापुरुषों ने अपने क्रांत चिंतन के द्वारा समाज का समुचित पथदर्शन किया।

महापुरुषों की इसी महिमामंडित श्रृंखला का एक गौरवपूर्ण नाम है आचार्य विनोबा भावे। वे हमारे लिये एक प्रकाश स्तंभ है, जिनकी जन्म जयन्ती 11 सितम्बर को मनाई जाती है। वे राष्ट्रीयता, नैतिकता एवं अहिंसक जीवन एवं पीड़ितों एवं अभावों में जी रहे लोगों के लिये आशा एवं उम्मीद की एक मीनार थे, रोशनी उनके साथ चलती थी। वे संतों की उत्कृष्ट पराकाष्ठा थे, भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सामाजिक कार्यकर्ता, विशिष्ट उपदेष्टा, महान विचारक तथा प्रसिद्ध गांधीवादी नेता थे। उनका मूल नाम विनायक नरहरी भावे था। वे भारत में भूदान तथा सर्वोदय आन्दोलन प्रणेता के रूप में सुपरिचित थे। वे भगवद्गीता से प्रेरित जनसरोकार वाले जननेता थे, प्रवचनकार थे, महामनीषी थे, जिनका हर संवाद सन्देश बन गया है। वे कर्मप्रधान व्यक्ति थे इसलिए गीता उनका आदर्श थी। उन्होंने अपने प्रवचनों में गीता का सार बेहद सरल शब्दों में जन-जन तक पहुँचाया

ताकि उनका आध्यात्मिक उदय हो सके, अंधेरों में उजाले एवं सत्य की स्थापना हो सके।

विनोबा भावे ने सर्वोदय समाज की स्थापना की। यह रचनात्मक कार्यकर्ताओं का अखिल भारतीय संघ था। इसका उद्देश्य अहिंसात्मक तरीके से देश में सामाजिक परिवर्तन लाना था। इस कार्यक्रम में वे पदयात्री की तरह गाँव-गाँव घूमे और इन्होंने लोगों से भूमिखण्ड दान करने की याचना की, ताकि उसे कुछ भूमिहीनों को देकर उनका जीवन सुधारा जा सके। उनका यह आह्वान जितना प्रभावी रहा, वह विस्मित करता है। वे गांधीवादी विचारों पर चले। रचनात्मक कार्यों और ट्रस्टीशिप जैसे विचारों का प्रयोग किया। 1955 तक आते-आते भू-आंदोलन ने एक नया रूप धारण किया। इसे 'ग्रामदान' के रूप में पहचाना गया। इसका अर्थ था 'सारी भूमि गोपाल की'। उनकी जन नेतृत्व क्षमता का अंदाज इसी घटना से लगता है कि इन्होंने चम्बल के डाकुओं को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित किया और वे विनोबाजी से प्रभावित होकर आत्म-समर्पण के लिए तैयार हो गए। विनोबा भावे को सामुदायिक नेतृत्व के लिए पहला अंतरराष्ट्रीय रेमन मैगसाय पुरस्कार मिला था। उन्हें 1983 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। विनोबा भावे को भारत का राष्ट्रीय अध्यापक और महात्मा गांधी का आध्यात्मिक उत्तराधिकारी समझा जाता है। आज भी कुछ लोग यही कहते हैं। मगर यह उनके चरित्र का एकांगी और एकतरफा विश्लेषण है। वे गांधीजी के 'आध्यात्मिक उत्तराधिकारी' से बहुत आगे, स्वतंत्र सोच एवं मानवतावादी कार्यक्रमों के स्वामी थे।

रूस-यूक्रेन युद्ध रोक में भारत की मध्यस्थता के मायने

अनिल त्रिगुणायत

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए कहा है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध रोकने के लिए संभावित वार्ता में भारत मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है। उन्होंने भारत के साथ-साथ मध्यस्थता करने के लिए चीन और ब्राजील का नाम भी प्रस्तावित किया है। इस बयान से एक अहम संकेत यह मिलता है कि भारत और रूस के बीच जो विशेष और रणनीतिक सहभागिता है, वह मजबूत बनी हुई है।

यह जगजाहिर तथ्य है कि राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच व्यक्तिगत गहरी मित्रता भी है। इस वजह से दोनों नेताओं का एक-दूसरे पर बहुत भरोसा भी है। रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए चीन ने भी अपने स्तर पर प्रयास किये हैं। रूस के साथ उसकी भी निकटता है और यूक्रेन के साथ भी उसके व्यापारिक संबंध हैं। उसने बहुत पहले ही एक 12-सूत्री शांति योजना का प्रस्ताव दिया था। ब्राजील के पास इस समय जी-20 समूह की अध्यक्षता है। इस कारण वह एक उल्लेखनीय भूमिका निभाने की स्थिति में है। भारत, ब्राजील, रूस और चीन ब्रिक समूह के संस्थापक सदस्य हैं। बाद में दक्षिण अफ्रीका के इससे जुड़ने के बाद इसका नाम ब्रिक्स पड़ा। ऐसे में रूसी राष्ट्रपति का मध्यस्थता का प्रस्ताव यह दर्शाता है कि इन देशों पर उन्हें भरोसा है।

इस वर्ष जून के मध्य में प्रधानमंत्री मोदी इटली में आयोजित जी-7 समूह की बैठक में हिस्सा लेने गये थे। वहां उनकी मुलाकात समूह के नेताओं, जिनमें अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन भी शामिल थे, के साथ-साथ यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ भी हुई थी। उन मुलाकातों में यह बात प्रमुखता से

उभरकर सामने आयी कि चूंकि रूस के साथ भारत का अच्छा संबंध है, इसलिए वह इस लड़ाई को रोकने और समझौता कराने में अहम भूमिका निभा सकता है। भारत ने शांति सम्मेलन कराने का प्रस्ताव भी रखा है तथा कहा है कि संबंधित पक्ष भारत में आकर परस्पर बातचीत कर सकते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के संबंध में जो शांति सम्मेलन स्विट्जरलैंड में आयोजित हुआ था, उसमें भारत ने भी हिस्सा लिया था।

उस सम्मेलन में रूस को आमंत्रित नहीं किया गया था। इस कारण कुछ और देशों ने भी अपने को बैठक से अलग कर लिया था। सम्मेलन की अंतिम घोषणा पर भारत ने यह कहते हुए हस्ताक्षर नहीं किया था कि जब तक किसी वार्ता में दोनों पक्ष नहीं शामिल होंगे, तब तक शांति स्थापित करना संभव नहीं होगा। अब यूक्रेन ने भी कहना शुरू कर दिया है कि भारत को मध्यस्थता करनी चाहिए। जी-7 की बैठक से आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने रूस का दौरा किया और वहां राष्ट्रपति पुतिन से मिले। फिर अगस्त के महीने में उन्होंने यूक्रेन की यात्रा की और राष्ट्रपति जेलेंस्की से बातचीत की। उस यात्रा से लौटने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका और रूस के राष्ट्रपतियों से टेलीफोन के जरिये अपनी यात्रा के बारे जानकारी दी। अब भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल रूस के दौरे पर जा रहे हैं।

यह तो हम सभी जानते हैं कि यूक्रेन में जारी युद्ध की वास्तविकता बहुत भयावह है। विशेष रूप से जब से यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में हमला किया है और वहां एक इलाके पर कब्जा कर लिया है, तब से रूसी हमलों की संख्या भी बढ़ गयी है और ये हमले पूरे यूक्रेन में हो रहे हैं। यूक्रेनी क्षेत्रों में रूसी सेनाओं की बढ़त का सिलसिला भी जारी है। लड़ाई एक गंभीर अवस्था में प्रवेश कर चुकी है। ऐसे में लड़ाई रोकने के प्रयासों को भी तेज करने की आवश्यकता बढ़ गयी है। सबसे पहले तो यह जरूरी है कि रूस और यूक्रेन तथा रूस और पश्चिम के बीच संवाद स्थापित हो। इसी बिंदु से आगे की वार्ताओं का आधार तैयार हो सकता है। बाद में राष्ट्रपति पुतिन ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद-बिन-सलमान की प्रशंसा की है। इसी तरह तुर्की के साथ भी रूस के रिश्ते अच्छे हैं। उल्लेखनीय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के शुरू होने के दो माह के भीतर ही तुर्की के प्रयासों से शांति समझौते पर सहमति बन गयी थी, पर विभिन्न कारणों से वह प्रयास कारगर साबित नहीं हुआ। कोई भी देश वैसे ही देशों का नाम प्रस्तावित करता है, जिनके बारे में उसे भरोसा होता है कि वार्ता प्रक्रिया में उसके हित भी सुरक्षित रहेंगे। चूंकि भारत का नाम विशेष रूप से लिया गया है, तो इसका अर्थ है कि भारत पर विश्वास भी अधिक है।

इसी पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की रूस यात्रा हो रही है। इससे इंगित होता है कि भारत शांति वार्ता या युद्धविराम के लिए गंभीरता से प्रयासरत है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता रूस के पास है तथा अक्टूबर में इस समूह का शिखर सम्मेलन भी होने वाला है। इस सम्मेलन की तैयारियों के सिलसिले में भी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों तथा विभिन्न मंत्रियों की अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय वार्ताओं का दौर चल रहा है। कहा जा रहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की यात्रा के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी भी मॉस्को में होंगे तथा दोनों के बीच बातचीत हो सकती है। हाल में चीन की ओर से भारत को सकारात्मक प्रस्ताव दिये गये हैं। सीमा विवाद संबंधी वार्ताओं का एक दौर अभी कुछ दिन पहले ही पूरा हुआ है और उसके बाद जो बयान आया, उसमें दोनों पक्षों ने उत्साह दिखाया है। सीमा संबंधी जो व्यवस्था है, उसका नेतृत्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ही करते हैं। तो, संभव है कि इस बारे में दोनों के बीच चर्चा हो। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग और प्रधानमंत्री मोदी की भेंट होने की भी संभावना जतायी जा रही है। इन वार्ताओं में द्विपक्षीय मुद्दे तो निश्चित रूप से प्राथमिक होंगे, पर रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भी चर्चा संभावित है।

आज का इतिहास

1919 अमेरिकी नौसेना ने होंडुरास पर आक्रमण किया।
1932 एथेंस के एक ट्रेन दुर्घटना में 16 की मृत्यु हुई।
1939 इराक और सऊदी अरब ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1945 बाटू लिंटांग, सरवाक में जापानी-रन शिविर, ऑस्ट्रेलियाई 9 वें डिवीजन द्वारा बोर्नियो में स्थापित किया गया था, जो अपने सामूहिक हत्याकांड को 2,000 से अधिक मित्र देशों की आवाजों और नागरिक प्रशिक्षुओं को चार दिनों तक पूरा कर रहा था।
1948 पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की मृत्यु हुई।
1951 फ्लोरेंस चैडविक इंग्लिश चैनल तैरकर पार करने वाली पहली महिला बनी। उन्हें इंग्लैंड से फ्रांस पहुंचने में 16 घंटे और 19 मिनट लगे।
1954 मिस अमेरिका पेंटाट को पहली बार टीवी पर दिखाया गया।
1968 एयर फ्रांस का विमान संख्या 1611 नाइस के निकट दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हादसे में 89 यात्रियों और चालक दल के 6 सदस्यों की मौत हुई।
1971 उत्तरी अफ्रीका में स्थित देश मिस्र ने देश का संविधान पारित किया था।
1973 कला गारफंकेल ने 17 साल बाद अपना पहला एकल एलबम एंजेल क्लेयर रिलीज किया।
1980 स्टोर में दिन के उजाले की लूट के दौरान लंदन के जौहरी से प्रसिद्ध मार्लबोरो हीरा चोरी हो गया।
1992 तूफान इंकी की आंख, रिकॉर्ड किए गए इतिहास में हवाई और हवाई द्वीप के राज्य का सबसे शक्तिशाली तूफान, सीधे कोउई द्वीप के ऊपर से गुजरा, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और यूएस .1.8 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ।
1996 राष्ट्रमंडल संसदीय संघ में पहली बार किसी महिला को अध्यक्ष के रूप में चुना गया।
2001 911 हमले इसी दिन हुए थे, जिसमें 4 यात्री जेट विमानों को अपहरण कर लिया गया था और दो विमानों को न्यूयॉर्क शहर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन टावर्स में दुर्घटनाग्रस्त कर दिया गया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव : नजरें ट्रंप-हैरिस की बहस पर

शंकर अय्यर

इन दिनों अमेरिका की उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला देवी हैरिस जब रैलियों में पहुंचती हैं, तो मशहूर अमेरिकी गायिका बियोंसे के गीत फ्रीडम की धुन के साथ चिर-परिचित नारा गूंजता है-जब हम लड़ते हैं, तो जीतते हैं। छह हफ्ते से कुछ पहले राजनीतिक पंडितों ने ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने की भविष्यवाणी की थी। ट्रंप ने भी इसे पूर्वनिर्धारित निष्कर्ष मान लिया था, लेकिन तबसे जो भी गलत हो सकता था, हुआ। हैरिस के पूरे अभियान के पीछे रिपब्लिकन पार्टी के उदारवादी नेताओं (रॉकफेलर रिपब्लिकन), ट्रंप से असंतुष्ट लोगों और तटस्थ मतदाताओं को आकर्षित करने की सोची-समझी रणनीति दिखती है।

उन्होंने अपने अभियान को पुनर्परिभाषित करते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी?की उम्मीदों को पुनर्जीवित किया है। अब उनकी जीत संभव दिख रही है। जनमत सर्वेक्षणों में उन्होंने ट्रंप पर तीन पॉइंट की बढ़त हासिल की हुई है और सात चुनावी प्रांतों?में से वह चार में आगे हैं। आज फिलाडेल्फिया में होने वाली राष्ट्रपति पद की बहस दोनों उम्मीदवारों के लिए महत्वपूर्ण क्षण है। कमला ने एक गैर-प्रदर्शनकारी उपराष्ट्रपति होने के आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने बाइडन प्रशासन की विफलताओं से दूरी बनाते हुए सफलताओं का बखूबी श्रेय लिया। अब कमला को सामने आकर ऐसी योजना पेश करनी चाहिए, जो अमेरिका को स्वीकार्य हो।

दूसरी तरफ, ट्रंप ने खुद के साथ बहस में अपने शुरुआती लाभ को गंवा दिया। अब उन्हें फिर से शुरुआत करनी होगी और अपने करिश्मे को फिर से खोजना होगा। राजनीतिक दार्शनिक अक्सर लैटिन शब्दावली टेबुला रासा का इस्तेमाल करते हैं, जिसका अर्थ होता है कोरी स्लेट। इस शब्दावली को लोकप्रिय बनाने वाले दार्शनिक जॉन लॉक का तर्क था कि जन्म के समय मनुष्य का दिमाग कोरी स्लेट की तरह होता है, जिस पर अपने अनुभवों से वह ज्ञान को भरता है। दरअसल, 2024 का अमेरिकी राष्ट्रपति अभियान भी कोरी स्लेट की तरह है, जिस पर उम्मीदवारों को विभिन्न मुद्दों पर अपना रुख स्पष्ट करना है। ट्रंप और कमला हैरिस ने अपने नीतिगत विकल्पों के इर्द-गिर्द कई अस्पष्टताएं पैदा की हैं। अमेरिकियों और दुनिया के लिए, जो इस कोरी स्लेट पर नीतियों के भरने की प्रतीक्षा में हैं, यह दरअसल ज्ञात-अज्ञात का कोहरा है।

अमेरिका के लोग अर्थव्यवस्था की स्थिति यानी जीवनयापन की लागत, रोजगार और ऋणग्रस्तता के साथ प्रवासन और गर्भपात के अधिकार को लेकर उत्तेजित एवं चिंतित हैं। कमला और ट्रंप ने लोगों की भावनाओं को शांत करने के लिए वादों और रियायतों की झड़ी लगा दी है। ट्रंप ने टिप्स और सामाजिक सुरक्षा को करों से मुक्त करने, बाल कर क्रेडिट का विस्तार करने और निजी विश्वविद्यालयों पर कर लगाने का वादा किया है। कमला ने टिप्स को करों से मुक्त करने, बाल और अर्जित आय कर क्रेडिट का विस्तार करने, पहले घर की खरीद पर धन देने और आवास के लिए अन्य प्रोत्साहन देने का वादा किया है।

उम्मीदवारों ने इसका विवरण नहीं दिया कि इन मुफ्त उपहारों के लिए धन का बंदोबस्त कैसे होगा। यह अमेरिकियों और दुनिया के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। अमेरिकी राजकोषीय और मौद्रिक नीतियां

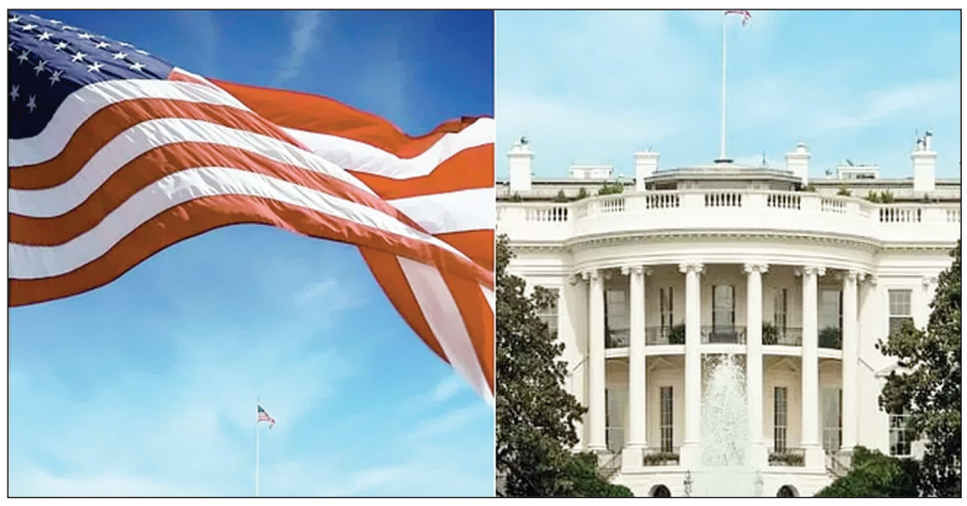

वित्तीय बाजारों से होकर गुजरती हैं। अमेरिका का सकल ऋण 350 खरब डॉलर है और हर 100 दिनों में इसमें दस खरब डॉलर और जुड़ जाते हैं; उच्च ब्याज दरें ऋण सेवा लागत को और बढ़ा देती हैं। न्यूयॉर्क के इकनॉमिक क्लब में ट्रंप ने कहा कि वह आयात शुल्क बढ़ाएंगे (चीनी वस्तुओं पर 60 फीसदी) और मुद्रास्फीति को कम करेंगे, जबकि अध्ययनों से पता चलता है कि आयात शुल्क मुद्रास्फीति को बढ़ाते हैं। ट्रंप ने बिना विस्तृत विवरण दिए घोषणा की कि खर्च में कटौती करके घाटे को कम किया जा सकता है और खर्च में सुधार के लिए उद्यमी एलन मस्क की अध्यक्षता में आयोग गठित करने का वादा किया। दूसरी तरफ, कमला ने निगमों और कुल आय पर 25 प्रतिशत न्यूनतम कर के प्रस्ताव से बाजारों और निगमों को हिलाकर रख दिया है और 10 करोड़ डॉलर से अधिक मूल्य के शेयरों और परिसंपत्तियों के स्वामित्व पर अवास्तविक लाभ (यानी कागज पर होने वाले लाभ, लेकिन वास्तव में नहीं) पर कर लगाने के विचार की घोषणा की है।

इन उपायों की पहले ही काफी आलोचना हो चुकी है और इनका विरोध होना तय है। सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति वाले देश में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे दुनिया के लिए निर्णायक होंगे। कहा जाता है कि अमेरिका का न कोई स्थायी दोस्त है और न स्थायी दुश्मन और जैसा कि विख्यात पूर्व अमेरिकी राजनयिक हेनरी किसिंजर ने कहा था, इसके सिर्फ स्थायी हित हैं। लेकिन हितों की परिभाषा भी उतनी ही अस्थायी है। वर्ष 2016 में ओबामा ने ईरान के साथ एक परमाणु समझौता किया था, जिसे 2018 में ट्रंप ने खत्म कर दिया। ट्रंप ने नाटो से बाहर निकलने की धमकी देकर यूरोप को डरा दिया, जबकि बाइडन ने अमेरिका की वापसी की घोषणा की और नाटो को मजबूत किया। ग्लोबल वार्मिंग एक वास्तविकता है। लेकिन 2019 में ट्रंप ने पेरिस समझौते से खुद को अलग कर लिया और 2021 में बाइडन शासन फिर से इसमें शामिल हो गया। इन नीतिगत बदलावों का असर संबंधों पर पड़ा है। क्या अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के पास युद्धों को खत्म करने की कोई योजना है?

जेलेंस्की शासन द्वारा संचालित और नाटो द्वारा वित्तपोषित यूक्रेन-रूस युद्ध, जो अंतहीन प्रतीत होता है, ने केवल हथियार उत्पादकों और सैन्य-औद्योगिक परिसरों की मदद की है। ट्रंप ने दावा किया कि वह एक दिन में युद्ध समाप्त कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कैसे। पश्चिम एशिया में कत्लेआम जारी है। ताइवान पर कब्जा करने की चीन की योजना के बारे में इनके क्या विचार हैं? हालांकि कमला ने संकेत दिया कि वह बाइडन की नीतियों को जारी रखेंगी, जबकि ट्रंप चाहते हैं कि ताइवान अपनी रक्षा के लिए अमेरिका को भुगतान करे। मंगलवार को होने वाली बहस में सवाल उठाए जाएंगे। जवाबों के लिए अपनी सांस रोककर न बैठें। अस्पष्टता और बारीकियों की कमी करीबी मुकाबलों के लिए घातक साबित हो सकती है। जो कहा गया और जो नहीं कहा गया, उसके बीच छिपे अर्थों का अनुमान लगाकर दुनिया को खुद ही इस खाली स्लेट को भरना होगा।

मणिपुर में कठिन चुनौतियों के बीच काम कर रहे हैं संघ के कार्यकर्ता

कृष्णमोहन झा

देश के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में पिछले एक साल से जारी हिंसात्मक उपद्रवों के कारण असुरक्षा का जो माहौल बना हुआ है उस पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत कई बार गंभीर चिंता व्यक्त कर चुके हैं। संघ प्रमुख ने मणिपुर की समस्या के समाधान हेतु त्वरित कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। हाल में ही संघ के समर्पित कार्यकर्ता शंकर दिनकर काणे के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में संघ प्रमुख ने कहा कि मणिपुर में असुरक्षा के माहौल में रहकर भी संघ के कार्यकर्ता दोनों समूहों के बीच शांति ,सौहार्द और परस्पर विश्वास कायम करने के लिए रात दिन काम कर रहे हैं। और उन्हें अपने प्रयासों में अब सफलता मिलने लगी है।संघ प्रमुख ने मणिपुर में शिक्षा के प्रचार-प्रसार और राज्य के बच्चों को शिक्षित करने के लिए शंकर दिनकर काणे के सराहनीय योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि वे चालीस साल पहले

मणिपुर में शिक्षा की जड़ें मजबूत करने के लिए वहां काफी समय तक रुके और इसी पुनीत भावना से वहां के बच्चों को महाराष्ट्र लेकर आए तथा यहां उनके आवास और शिक्षा के पर्याप्त प्रबंध किए। मणिपुर में संघ के कार्यों के अच्छे परिणाम सामने आने लगे हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि मणिपुर में चालीस पहले जो बदतर होती हालात थे उसमें सकारात्मक बदलाव लाने में काणे जैसे समर्पित कार्यकर्ताओं का बहुत बड़ा योगदान है जो वहां जाकर वहां का हिस्सा बन गये और बदलाव लाने के लिए समर्पित भाव से जुटे रहे। संघ प्रमुख ने कहा कि पूर्वांचल को पंद्रह साल पहले समस्याओं वाला क्षेत्र कहा जाता था परन्तु अब स्थितियां बदल चुकी हैं। मणिपुर में बहुत बदलाव आया है परन्तु कुछ लोग मणिपुर में अशांति का वातावरण निर्मित कर वहां की प्रगति के मार्ग में बाधा खड़ी करना चाहते हैं लेकिन उनके प्रयास सफल नहीं होंगे। राज्य की जनता समझ चुकी है कि अशांति का माहौल रहते प्रगति नहीं हो सकती। मोहन भागवत ने कहा कि संघ के कार्यकर्ता असुरक्षित माहौल में भी संघ के कार्यकर्ता अपने काम में लगे हुए हैं।वे दोनों पक्षों को समझा बुझाकर उनके बीच क्रोध और द्वेष को कम करने तथा उनके बीच अविश्वास की खाई को पाटने की कोशिश कर रहे हैं। संघ के कार्यकर्ताओं क़ो अपनी कोशिशों में लगातार सफलता मिल रही है । संघ के कार्यकर्ताओं को अपने कार्यों से दोनों पक्षों का विश्वास अर्जित करने में कामयाबी मिली है। मणिपुर में सामाजिक समन्वय स्थापित करने और राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित करने में शंकर दिनकर काणे जैसे समर्पित कार्यकर्ताओं के प्रयास फलीभूत हुये हैं। गौरतलब है कि संघ प्रमुख ने लोकसभा चुनावों के परिणाम घोषित होने के बाद भी बाद अपने एक भाषण में कहा था कि मणिपुर एक साल से जल रहा है। वहां स्थितियां सामान्य करने के लिए प्राथमिकता से प्रयास करने होंगे। संघ के कार्यकर्ता कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए वहां जिस मुस्तैदी से डटे हुए हैं उसको रेखांकित करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि संघ के कार्यकर्ता वहां दोनों पक्षों के लोगों की सेवा कर रहे हैं। केवल एनजीओ यह काम नहीं कर सकते। संघ के कार्यकर्ता इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

जाति जनगणना के पक्ष में क्यों है आरएसएस

उमेश चतुर्वेदी

भारतीय समाज अजब कशमकश से गुजर रहा है। शहरीकरण के साथ एक तरफ जहां जातिवाद का असर कम हो रहा है, वहीं राजनीति के स्तर पर जातिवादी सोच नए सिरे से परवान चढ़ चुकी है। आजादी के आंदोलन के अगुआ गांधी की जाति को लेकर जो सोच थी, उसके ठीक उलटी तरफ आज की कांग्रेस की राजनीति है। गांधी जी ने 1930 में लिखा था, 'मेरे, हमारे, अपनों के स्वराज में जाति और धर्म के आधार पर भेद का कोई स्थान नहीं हो सकता। स्वराज सबके लिए, सबके कल्याण के लिए होगा।' लेकिन आज कांग्रेस की अगुआई वाले इंडिया गठबंधन की ओर से उठी जाति आधारित जनगणना की मांग ने पिछड़े और दलित समुदायों की आकांक्षाओं को उस जगह पहुंचा दिया है, जहां से वापसी चुनौतीपूर्ण लग रही है।

शायद यही वजह है कि इस मांग की भाजपा अनदेखी करती रही है। चूंकि विपक्षी दलों की ओर से इस मुद्दे पर लगातार आक्रामक रवैया अख्तियार किया जा रहा है, इसलिए भाजपा बचाव की भूमिका में नजर आती रही। ऐसे माहौल में जाति आधारित जनगणना पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जो विचार जाहिर किया है, उसने भाजपा को धर्मसंकट से बचा लिया। केरल में तीन दिनों तक चली प्रतिनिधि सभा के बाद संघ ने कहा है, 'हिंदू समाज में जाति और जातीय संबंध एक संवेदनशील मुद्दा है। यह हमारी राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसे बहुत गंभीरता से निपटाना चाहिए न कि केवल चुनाव या राजनीति के लिए।'

कुछ राजनीतिक जानकारों को लगता है कि जाति को लेकर संघ ने अपने विचार बदल लिए हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। आरएसएस का लक्ष्य हिंदू समाज में ऊंच-नीच के भाव को खत्म करके एकता का भाव भरना है। संघ को ठीक से जानने वाले समझते हैं कि वह अपने इस लक्ष्य पर कायम है। चूंकि राजनीतिक

रूप से जाति के मुद्दे को जाति जनगणना के मुद्दे पर सनसनीखेज बना दिया गया है इसलिए इस मुद्दे की अनदेखी आसान नहीं है।

संघ जाति जनगणना की वकालत कर रहा है तो इसलिए कि जो समुदाय पीछे रह गए हैं, उन्हें अगर इससे आगे आने का मौका मिलता है तो वह मिल सके। इसलिए नहीं कि जातीय उन्माद फैले और उसका राजनीतिक फायदा उठाया जाए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अक्सर गांधी जी का नाम लेते हैं और उनके हवाले से मौजूदा सरकार और उसकी नीतियों को कोसते हैं। लेकिन जातिवादी व्यवस्था को लेकर वह गांधी के विचार को एक बार भी याद नहीं करते। भारतीय समाज को बांटने के एक औजार के तौर पर 1931 में अंग्रेजों ने पहली बार जनगणना में जाति के आधार को भी शामिल किया था। दूसरे विश्वयुद्ध के चलते 1941 में जनगणना नहीं हुई। लेकिन 1951 में जब पहली बार आजादी के बाद जनगणना हो रही थी, तब भी जाति को आधार बनाने की मांग उठी थी। तब गृहमंत्री सरदार पटेल ने इससे साफ इनकार कर दिया था। पटेल ने कहा था, 'जाति जनगणना देश के सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ सकती है।' इसका समर्थन नेहरू, आंबेडकर और मौलाना आजाद ने भी किया था।

जातिवादी जनगणना की मांग में समाजवादी खेमा भी आगे है, जो खुद को लोहिया का अनुयायी कहता है। डॉ. राममनोहर लोहिया की जाति को लेकर विशेष सोच थी। उन्होंने लिखा है, 'जाति प्रणाली परिवर्तन के खिलाफ स्थिरता की जबरदस्त शक्ति है। यह शक्ति क्षुद्रता और झूठ को स्थिरता प्रदान करती है।'

भाजपा की राजनीति हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की वैचारिक बुनियाद पर विकसित हुई है। उसका पारंपरिक और कोर समर्थक वर्ग हर उस मुद्दे के क्रियान्वयन की उम्मीद उसी अंदाज में करता है, जिस अंदाज में उसने भाजपा के विपक्ष में रहते हुए पार्टी का साथ दिया था। जब भी पार्टी का कोर मुद्दों से वक्ती दबाव में विचलन होता दिखता है, कोर समर्थक कभी हताशा तो कभी गुस्से से भर उठता है। जाति जनगणना पर भाजपा अगर पशोपेश में दिख रही है तो उसके पीछे कोर समर्थकों का यही दबाव है। ऐसे में जाति जनगणना पर आए संघ के विचार ने उसकी राह थोड़ी आसान जरूर की है।

दूसरी तरफ इसी माहौल में योगी आदित्यनाथ लगातार कोर हिंदुत्व की बात कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में आगरा में जो कहा, वह जातिवाद और आरक्षण के इर्द-गिर्द घूम रही मौजूदा जाति केंद्रित राजनीति का जवाब है। आदित्यनाथ ने आगरा में वीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर कहा कि बंटेंगे तो कटेंगे। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद जिस तरह अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले बढ़े हैं, उस संदर्भ में यह बयान था।

आदित्यनाथ की भाषा थोड़ी सख्त जरूर है, लेकिन वह देश के बहुसंख्यक समाज को संदेश दे रहे हैं। उनके बयान को बांटने वाली वैचारिकी के जवाब के रूप में भी देखा जा रहा है। एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जो मान रहा है कि योगी एक तरह से हिंदू समाज के एकीकरण की बात करके करके राहुल, अखिलेश और तेजस्वी की सियासी काट का नया रसायन पेश कर रहे हैं। एक तरफ जाति आधारित जनगणना के जवाब में योगी का विचार है तो दूसरी तरफ संघ की इस पर परोक्ष स्वीकृति है। तय है कि भाजपा इनके बीच से इस मुद्दे की राह निकालेगी।

चांद पर क्या गुल खिलाएगी भारत-चीन की दोस्ती?

अभिनय आकाश

वैसे तो चंद्रमा धरती का स्थायी उपग्रह है और इसके चमक ने हमेशा से इंसानों को अपनी ओर खींचा है। बहुत जल्द चांद पर न्यूक्लियर पावर प्लांट होगा। ये बात आपको भले ही हैरान करे लेकिन निकट भविष्य में ये संभव होने जा रहा है। रूस चांद पर न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाने जा रहा है। इससे भी हैरानी की बात ये है कि इस काम में धरती के दो दुश्मन एक ही टीम में नजर आएंगे। जी हां, रूस के चांद पर परमाणु प्लांट वाले प्लान में भारत और चीन भी उसका साथ देते नजर आएंगे। रूस के परमाणु प्रोग्राम निकम रोसाटॉम के नेतृत्व में इस प्रोजेक्ट को बनाया जाना है। इस प्रोजेक्ट का मकसद चांद पर बिजली पैदा करना है। इसे मून डिप्लोमेसी कहें या कुछ और। चांद पर परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए दो कट्टर प्रतिद्वंद्वी, भारत और चीन, रूस के साथ मिलकर काम कर सकते हैं।

यूरेशियन टाइम्स की एक हालिया रिपोर्ट ने रूस की सरकारी स्वामित्व वाली समाचार एजेंसी टैस का जिक्र करते हुए दावा किया है कि रूस और चीन, भारत के साथ मिलकर चांद पर न्यूक्लियर पावर प्लांट लगा सकते हैं। रोसाटॉम प्रमुख एलेक्सी लिकचेव के हवाले से रूसी समाचार एजेंसी टैस ने ये जानकारी दी है। रोसाटॉम रूस की सरकारी परमाणु ऊर्जा कंपनी है। जिसके भारत के साथ भी संबंध हैं। हाल ही में रूस के व्लादिवोस्तोक में ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में बोलते हुए लिकचेव ने कहा लिकचेव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की भागीदारी के साथ, हमारे चीनी और भारतीय पार्टनर इसमें बहुत इंटरेस्टेड हैं। इस परियोजना में भारत की रुचि 2040 तक चांद पर मानवयुक्त मिशन की योजना बनाने और एक बेस स्थापित करने की योजना के संदर्भ में महत्वपूर्ण है।

टैस के अनुसार, रोसाटॉम के नेतृत्व में चंद्र ऊर्जा परियोजना का लक्ष्य एक छोटा परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाना है जो आधे मेगावाट तक बिजली पैदा करने में सक्षम हो, जो आधार के लिए आवश्यक बिजली प्रदान करता हो। लिकचेव ने दोहराया कि चीन और भारत इस अभूतपूर्व चंद्र ऊर्जा समाधान को बनाने में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी, रोस्कोस्मोस ने पहले मई में घोषणा की थी कि इस परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर काम चल

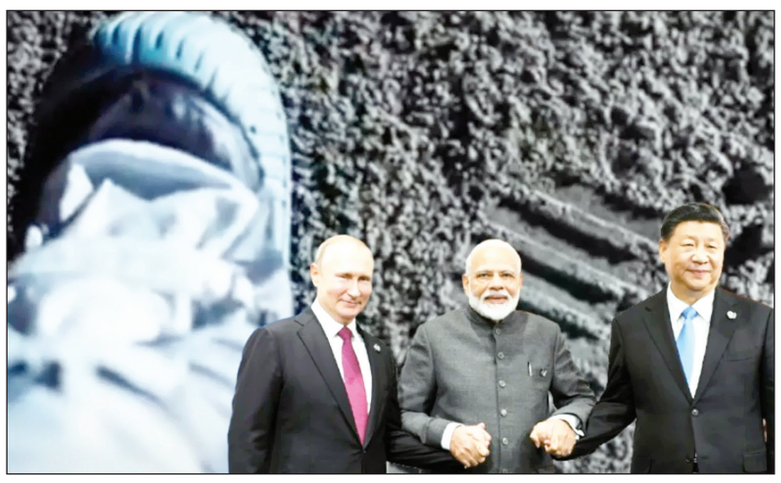

रहा है, इसे चंद्रमा पर तैनात करने का इरादा है। रिएक्टर प्रस्तावित चंद्र आधार के लिए ऊर्जा प्रदान करेगा, जिस पर रूस और चीन संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं। चंद्र आधार के लिए भारत की इच्छा चंद्र ऊर्जा परियोजना में इसकी संभावित भागीदारी से मेल खाती है। इस चंद्र परमाणु ऊर्जा संयंत्र का निर्माण जटिल होगा। रूस ने पहले खुलासा किया था कि यह संभवत: मनुष्यों की प्रत्यक्ष भागीदारी के बिना स्वायत्त रूप से किया जाएगा।

रूस और चीन मिलकर एक चंद्र आधार पर काम कर रहे हैं जिसे अंतर्राष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन (आईएलआरएस) कहा जाता है और चंद्रमा पर यह परमाणु ऊर्जा संयंत्र इसके लिए ऊर्जा प्रदान करेगा। इस परमाणु ऊर्जा संयंत्र का निर्माण बिना किसी प्रत्यक्ष मानवीय भागीदारी के, स्वायत्त तरीके से किया जाएगा।

2021 में रूस और चीन ने अंतर्राष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन नामक एक संयुक्त चंद्र आधार बनाने की योजना की घोषणा की, जिसे 2035 और 2045 के बीच चरणों में चालू किया जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अमेरिका और रूस के साथ अपने कूटनीतिक कार्ड सावधानी से खेल रहा है। जहां वह गगनयान मिशन के शुभांशु शुक्ला को अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेज रही है, वहीं अब वह रूसी चंद्र ऊर्जा परियोजना पर चीन के साथ हाथ मिलाने की संभावना तलाश रही है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, गगनयान परियोजना में 3 दिनों के मिशन के लिए 3 सदस्यों के दल को 400 किमी की कक्षा में लॉन्च करके और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाकर मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का प्रदर्शन करने की परिकल्पना की गई है।

भारत का पहला अंतरिक्ष मानव मिशन यानी पहली बार भारत इसके जरिए इंसान को अंतरिक्ष में भेजेगा। 15 अगस्त 2018 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस प्रोजक्ट का ऐलान किया था। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से देशवासियों को संबोधित करते हुए इसके बारे में बताया था। गगनयान परियोजना मानव अंतरिक्ष मिशन भेजने की भारत की क्षमता को प्रदर्शित करना चाहती है। गगनयान मिशन को 2022 में लॉन्च किया जाना था। हालाँकि, कोविड महामारी और मिशन की जटिलता के कारण देरी हुई। गगनयान परियोजना महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अब अंतरिक्ष की अंतिम सीमा पर विजय प्राप्त करना चाहते हैं, ब्रह्मांड का पता लगाना चाहते हैं और चंद्रमा और अन्य ग्रहों पर नए संसाधन ढूंढना चाहते हैं। एक स्वदेशी क्रू मिशन भारत को इस दौड़ के केंद्र में रखेगा, जो पहले से ही बदलती भू-राजनीति को आकार देगा। गगनयान का मिशन 3 लोगों को तीन दिनों के लिए अंतरिक्ष में रखने का है। पहले तीन यात्रियों को सात दिनों तक अंतरिक्ष में रखने का प्लान था। लेकिन इसे घटाकर तीन दिनों के लिए किया गया। गगनयान के साथ अंतरिक्ष में जाने वाले लोग पृथ्वी की निचली कक्षा में चक्कर लगाएंगे।

मानवीय गुणों को धारण करने का संदेश देते गणेशजी

नरेंद्र कौर छाबड़ा

गणेशजी को सभी देवताओं में प्रथम पूजनीय माना जाता है। कोई भी शुभ कार्य करने से पहले उनकी आरती की जाती है। उन्हें बुद्धि का देवता भी कहा जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार जब शिवजी तपस्या से वापस लौटे और द्वार पर बालक को पहरा देते देखा तो उसे हटने के लिए कहा। बालक नहीं हटा तो उन्होंने क्रोध में उसका सिर त्रिशूल से काट दिया। जब पार्वतीजी ने उसे फिर से जीवित करने के लिए गुहार लगाई तो शिवजी ने हाथी के बच्चे का सिर उस बालक के सिर पर रखकर उसे जीवित कर दिया। पार्वतीजी बोलीं इस अजीब बालक को देखकर लोग मजाक उड़ाएंगे तो शिवजी ने कहा मैं वरदान देता हूं कि यह बालक सबसे अधिक पूजनीय देवता के रूप में प्रसिद्ध होगा। यह रिद्धि-सिद्धि का देवता होगा तथा हर शुभ कार्य करने से पहले इसकी पूजा की जाएगी। उस बालक को गणेश नाम दिया। शिवजी ने बालक के सिर पर हाथी का सिर ही क्यों लगाया? दरअसल इसके पीछे गहरा आध्यात्मिक रहस्य छुपा है। ईश्वर ने गणेशजी की रचना

मनुष्य को बहुत बड़ा संदेश देने के लिए की है। मनुष्य जब भी गणेशजी के चित्र के सामने जाता है तो सबसे पहले दर्शन हाथी का ही करता है। इस स्वरूप का रहस्य इस प्रकार है- हाथी जहां बहुत शक्तिशाली और सतर्क होता है वहीं बहुत समझदार भी होता है। अपनी लंबी सूंड से हर चीज को पहले वह फूंक कर परखता है। यह सतर्कता का प्रतीक है। उसके बड़े-बड़े कान सूप के समान होते हैं। सूप का कार्य है कचरे को बाहर फेंकना और सार को भीतर रखना। ऐसे ही हमें व्यर्थ बातों को बाहर ही रहने देना है, भीतर नहीं जाने देना है। गणेशजी का बड़ा सिर जो हाथी का है, बुद्धिमता तथा विवेकशीलता का प्रतीक है। सभी जानवरों में हाथी को सबसे अधिक बुद्धिमान माना जाता है। छोटी आंखें दूरदर्शिता तथा एकाग्रता का प्रतीक हैं। हाथी के बड़े पेट का भी गूढ़ रहस्य है। बड़े पेट का मतलब सभी तरह की बातों को अपने भीतर समा लेना, समेटना, उनका प्रचार-प्रसार नहीं करना। वरना जीवन बहुत दुखदाई हो सकता है। चूहे को गणेशजी की सवारी बनाने के पीछे अर्थ है हमारा मन चूहे के समान चंचल है। चूहा जब काटता है उससे पहले फूंक मारकर उस स्थान को सुन्न कर देता है जिससे दर्द नहीं होता। इसी प्रकार मन भी बुद्धि को सुन्न कर देता है जिससे नकारात्मक विचार, विकार सब मन में प्रवेश कर जाते हैं। चूहे पर सवार होना अर्थात मन पर नियंत्रण रखना। गणेशजी के बैठने की मुद्रा भी विशेष तरह की है। उनका एक पैर मुड़ा होता है और दूसरा धरती को छूता है जो यह दर्शाता है कि संसार में रहते हुए भी उससे ऊपर उठकर रहो। गणेशजी के सर्वगुण संपन्न, संपूर्ण व्यक्तित्व से जीवन जीने की कला के दर्शन होते हैं। आज आवश्यकता है उनके स्वरूप को सही अर्थों में जानकर उनके गुणों का अनुसरण किया जाए।

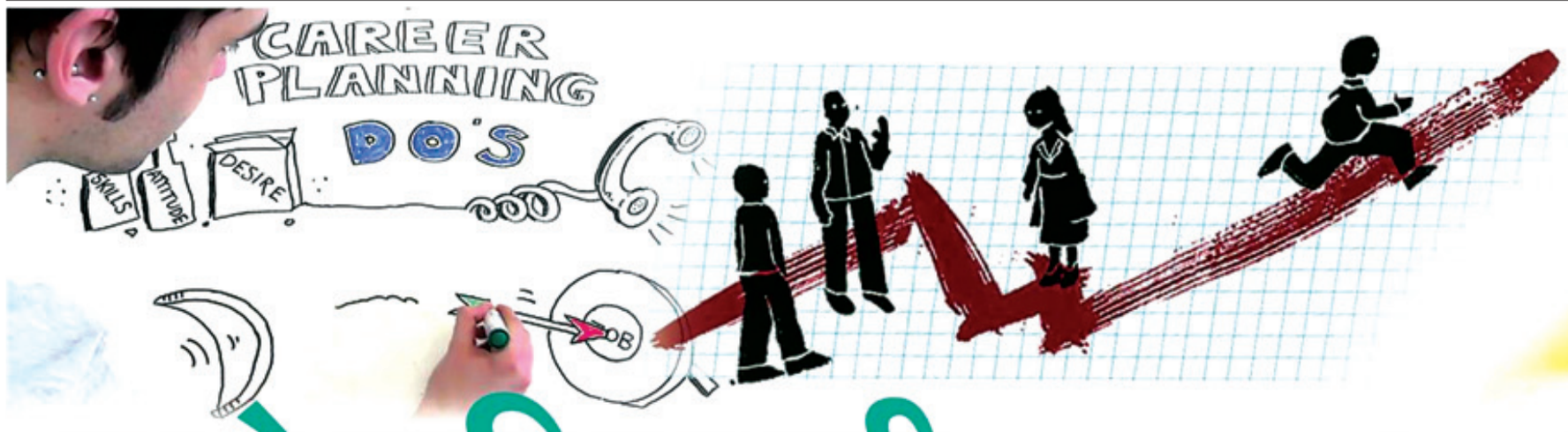

बूझो करियर की अनजान राहों को

करियर को लेकर छात्रों के बीच काफी असमंजस की स्थिति रहती है। इस स्थिति की सबसे बड़ी वजह है- करियर की सही राह को चुनने की चुनौती। इस समय करियर के लिए पारंपरिक विषयों के अलावा सैकड़ों की तादाद में विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन जानकारी के अभाव या अपनी रुचि को न पहचान पाने के कारण बड़ी संख्या में छात्र मनमाफिक करियर नहीं चुन पाते हैं। छात्र ही नहीं, अभिभावक भी बच्चों के लिए सही करियर तलाशने की प्रक्रिया में काफी तनावग्रस्त हो जाते हैं। उनकी दिनचर्या में यह तनाव बच्चे का दाखिला हो जाने तक कायम रहता है। यह एक सामान्य-सी स्थिति है और करीब 90 फीसदी छात्र और अभिभावकों को इस दौर से गुजरना पड़ता है। गलाकाट प्रतिस्पर्धा के इस युग में हर दिन कुछ अलग करियर और पेशेवर संभावनाएं जन्म ले रही हैं। ऐसे में यह समझने वाली बात है कि किसी करियर विकल्प की चमक ज्यादा समय तक बरकरार नहीं रहती। इसलिए यदि आप करियर के लिए उन पाठ्यक्रमों और विषयों को चुनते हैं, जिनमें आप अच्छे हैं, तो आप हमेशा ही अपने कार्यक्षेत्र में सफल होंगे।

कैसे चुनें करियर

प्रत्येक करियर के लिए एक खास रुझान, रुचि और कुछ व्यक्तिगत गुणों की जरूरत होती है। वैज्ञानिक ढंग से इन जरूरतों की अपनी अभिरुचियों और हुनर से तुलना करके ही इस बात के प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है कि हम सही करियर चुनने की दिशा में बढ़ रहे हैं या नहीं। विषयों में आपकी मजबूती, क्षमता, रुचि और आकांक्षा आपको करियर के असीमित विकल्पों में से अपने लिए श्रेष्ठ को चुनने में मदद करती है। भावी जीवन में आपकी सफलता के लिए करियर प्लानिंग की यह प्रक्रिया काफी आवश्यक है।

साइकोमीट्रिक असेसमेंट

करियर के चयन में यह बेहद मददगार विधि है, जिसे जब करियर के चुनाव के संदर्भ में इस्तेमाल किया जाता है, तो काफी हद तक ठोस और सटीक परिणाम मिलते हैं। इस विधि से परखे जा रहे छात्र का गहराई से मूल्यांकन हो पाता है। इससे संबंधित छात्र की रुचियों, बुद्धिमता और व्यक्तित्व के बारे में अनुमान लगाना संभव होता है। साइकोमीट्रिक असेसमेंट से छात्र की काबिलियत और क्षमताओं की स्पष्ट तस्वीर सामने आ जाती है, जो उपयुक्त करियर के चयन में अहम होती है। छात्रों के नजरिए से इस विधि को देखें, तो यह उनके सामने उनकी इच्छाओं और हुनर की बानगी पेश करती है। इस असेसमेंट से अभिभावक अपने बच्चों के और छात्र स्वयं के हुनर की तुलना अपनी मनपसंद नौकरी/ पेशे के लिए जरूरी गुणों से कर सकते हैं। चूंकि नौकरी पाने के लिए एक पाठ्यक्रम विशेष की पढ़ाई करनी होती है और इसके लिए भी कुछ खास हुनर का होना जरूरी होता है।

कॉमर्स से पा सकते हैं बेहतर करियर और रोजगार

लोकप्रियता के मामले में यह छात्रों और अभिभावकों के बीच साइंस स्ट्रीम के बाद दूसरे स्थान पर है। अंडर ग्रेजुएट स्तर पर कॉमर्स एक प्रमुख विषय है। इसका संबंध मूल रूप से व्यापार की समझ, बाजार के उतार-चढ़ाव, अर्थव्यवस्था की जानकारी, मौद्रिक और औद्योगिक नीतियों आदि से है। विषय के स्तर पर कॉमर्स अकाउंटेंसी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, फाइनेंस, इकोनॉमिक्स, मार्केटिंग और ई-कॉमर्स सहित कई अन्य विषयों का मिलाजुला विस्तृत क्षेत्र है। इसलिए इसमें पढ़ाई और रोजगार के लिए पर्याप्त विकल्प उपलब्ध हैं। हर विषय की तरह कॉमर्स और उससे संबंधित विषयों की पढ़ाई के लिए भी कुछ अभिरुचियों का होना जरूरी होता है। यहां कुछ प्रश्न दिए गए हैं, जिनका उत्तर देकर आप यह जान सकते हैं कि आपकी अभिरुचि कॉमर्स के लिए उपयुक्त है या नहीं।

इन प्रश्नों से जांचें अभिरुचि

- क्या आपके पास गणना की अच्छी क्षमता है?
- क्या आपमें विश्लेषणात्मक कौशल है?
- क्या आपके पास व्यापार का व्यावहारिक बोध है?
- क्या आप त्रुटिरहित और सटीक काम को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं?
- क्या आप कार्यालय के माहौल का आनंद उठाते हैं?
- क्या आपमें गणनाएं करने के साथ आंकड़ों को समझाने का हुनर है?
- क्या आप बजट, व्यापार की खबरों और आर्थिक समीक्षाओं को पढ़ते हैं?
- क्या आप में प्रशासकीय और संगठन के रूप में काम करने की कुशलता है?

पूछे गए इन प्रश्नों में से अगर अधिकांश का जवाब आपके पास 'हां' है, तो समझिए आपके भीतर वह अभिरुचि है, जो कॉमर्स के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए जरूरी है।

कॉमर्स में उपलब्ध विषयों के विकल्प

बिजनेस इकोनॉमिक्स - इस विषय में लॉ ऑफ डिमांड एंड सप्लाई, लॉ ऑफ रिटर्न्सर, इलास्टिसिटी, थ्योरी ऑफ प्राइसिंग अंडर डिफरेंट मार्केट फॉर्म्स आदि से संबंधित कॉन्सेप्ट के बारे में पढ़ाया जाता है।

कॉस्ट अकाउंटिंग - इस विषय में जॉब एंड कॉन्ट्रैक्ट कॉस्टिंग, ओवरहेड्स कॉस्टिंग, स्टैंडर्ड एंड वेरिएंस कॉस्टिंग और बजटरी कंट्रोल से जुड़ी प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित किया जाता है।

ऑडिटिंग - इस विषय में वैल्यूएशन, वाउचिंग ऑफ ट्रांजेक्शन, एसेट्स एंड लाइबिलिटी आदि से जुड़े मामलों के बारे में बताया जाता है। इसमें क्लब, हॉस्पिटल और चैरिटेबल संस्थानों जैसे संगठनों की ऑडिटिंग के बारे में भी सिखाया जाता है।

फाइनेंशियल अकाउंटिंग- यह विषय मुख्य रूप से प्रॉफिट एंड लॉस स्टेटमेंट, बैलेंस शीट, कंपनी अकाउंट, कैलकुलेशन ऑफ डेप्रिशिएशन एंड वैल्यूएशन ऑफ शेयर, गुडविल ऑफ कंपनी और नॉलेज ऑफ अकाउंटिंग स्टैंडर्ड (इंडिया/ इंटरनेशनल) आदि के बारे में जानकारी देता है।

बिजनेस फाइनेंस - इस विषय में फाइनेंशियल एनालिसिस और मैनेजमेंट ऑफ कैपिटल आदि व्यापारिक दुनिया की बुनियादी बातें समझायी जाती हैं। इसके अलावा लाभ के लिए पूंजी के बेहतर उपयोग की विधियों को समझने में भी यह विषय मदद करता है।

इनकम टैक्स - इस विषय के तहत इनकम टैक्स, टैक्स प्लानिंग, टैक्स डिडक्शन और नॉट टैक्सेबल इनकम आदि के बारे में नियमों व कर संबंधी कानूनों की जानकारी दी जाती है।

बिजनेस लॉ - व्यापार से संबंधित देश के अमूमन सभी कानून इस विषय के अध्ययन क्षेत्र में आते हैं। कंपनीज एक्ट और कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट आदि कानूनों को प्रमुख रूप से इस विषय में पढ़ाया जाता है।

मार्केटिंग - यह विषय प्रोडक्ट, प्राइसिंग मेथड, प्रोमोशन, डिस्ट्रिब्यूशन चैनल और लॉजिस्टिक्स आदि के बारे में बताता है।

बिजनेस कम्यूनिकेशन - यह विषय मुख्य रूप से व्यापार संबंधी संवाद कौशल को निखारने पर केंद्रित है। इस विषय के जरिए छात्रों को व्यापारिक कार्यों के लिए उपयोग में आने वाले बिजनेस लेटर, नोटिस और मेमो आदि को तैयार करने की कला सिखाई जाती है। मौखिक संवाद के बारे में भी यह विषय प्रशिक्षित करता है।

रोजगार के लिए जरूरी कौशल

- आंकड़ों की गणना और उनके विश्लेषण में रुचि हो।
- संवाद का बेहतर कौशल हो।
- टीम के साथ काम करने और उसका नेतृत्व करने की क्षमता हो।
- संगठन संबंधी और प्रशासनिक क्षमताएं हों।
- तार्किक दृष्टि से चीजों को परखने का हुनर हो।
- सटीक और त्रुटिरहित काम करने में निपुणता हो।
- लंबी अवधि तक लगातार काम करने की क्षमता हो।
- अपने कार्य क्षेत्र से जुड़ी नई चीजों और नवीनतम तकनीकों को सीखने की जिज्ञासा हो।
- रचनात्मकता के साथ उच्च स्तर की बौद्धिक क्षमता हो।

ह्यूमेनिटीज में भी भरपूर हैं रोजगार के अवसर

दसवीं और बारहवीं के स्तर पर साइंस और कॉमर्स के बाद छात्रों या अभिभावकों के सामने ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम शेष रह जाती है। इस स्ट्रीम को हालांकि छात्र और अभिभावक अपनी प्राथमिकता में पहले या दूसरे स्थान पर नहीं रखते, लेकिन बदलते वक्त के साथ इस स्ट्रीम से जुड़ी संभावनाओं का आकाश भी काफी विस्तृत हो गया है। इस लेख के माध्यम से छात्रों को ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम और उसमें निहित अवसरों को जानने-समझने में मदद मिलेगी। ह्यूमेनिटीज को कुछ वर्ष पहले तक एक ऐसे स्ट्रीम के रूप में देखा जाता था, जो या तो कम बुद्धिमान लोगों के लिए है या शिक्षक बनने की इच्छा रखने वालों के लिए। लेकिन मौजूदा वक्त में यह धारणा अप्रासंगिक हो चुकी है। अब ह्यूमेनिटीज की बदौलत ऊंचे पद, बड़ी उपलब्धियां और तरक्की पाई जा सकती है। शिक्षण के अलावा इसमें सैकड़ों तरह के रोजगार उपलब्ध हैं, जो रुचिकर होने के साथ-साथ अपनी कार्य-प्रकृति में विशिष्ट भी हैं। ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम आपके सामने असीमित विकल्प रखती है। यकीन न हो, तो मानवीय गतिविधियों से जुड़े किसी भी क्षेत्र को देख लीजिए, आप हर क्षेत्र में ह्यूमेनिटीज के छात्रों को सफलता के साथ काम करता हुआ पाएंगे।

क्या है ह्यूमेनिटीज

इस स्ट्रीम के अंतर्गत मुख्य रूप से मानव समाज और उसकी मान्यताओं का अध्ययन किया जाता है। इसके जरिए यह समझने का प्रयास किया जाता है कि लोग स्वयं को कैसे कला, धर्म, साहित्य, वास्तुकला और अन्य रचनात्मक कार्यों आदि के जरिए अभिव्यक्त करते हैं? इस कार्य के लिए इस स्ट्रीम के शोधार्थी एनालिटिकल और हाइपोथिटिकल मेथड का प्रयोग करते हैं। इस स्ट्रीम को मोटे तौर पर परफॉर्मिंग आर्ट्स (म्यूजिक), विजुअल आर्ट्स, रिलिजन, लॉ, एसिएंट/ मॉडर्न लैंग्वेजेस, फिलॉस्फी, लिटरेचर, हिस्ट्री, जियोग्राफी, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी आदि विषयों में बांटा जाता है। ह्यूमेनिटीज में कुई ऐसे विषय हैं, जिनकी पढ़ाई के बाद लॉ, जर्नलिज्म, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मीडिया एंड एडवर्टाइजिंग और कम्यूनिकेशन आदि प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है। ह्यूमेनिटीज के आम जिंदगी में महत्व को इस बात से भी आंका जा सकता है कि अब आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान भी ह्यूमेनिटीज और सोशल साइंसेज में पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास बारहवीं पास छात्रों के लिए ह्यूमेनिटीज में पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड एमए पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए यह संस्थान एचएसईई (ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज एंट्रेंस एग्जामिनेशन) नाम से हर साल एक प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। इसी तरह आईआईटी गांधीनगर पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर एमए इन सोसायटी एंड कल्चर नाम से पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। दसवीं या बारहवीं पास करने वाले काफी छात्रों के मन में एक आम-सा प्रश्न होता है कि ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम को चुनने के बाद उनके करियर का स्वरूप कैसा होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा जवाब नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि करियर का स्वरूप काफी हद उनके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम पर निर्भर होता है। किसी ह्यूमेनिटीज विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप कई क्षेत्रों में रोजगार पा सकते हैं। स्कूलों, म्यूजियमों, एडवर्टाइजिंग एजेंसियों, अखबारों, आर्ट गैलरियों, पत्रिकाओं और फिल्म स्टूडियो आदि में भी काम के मौके तलाशे जा सकते हैं। इन अवसरों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि समय के साथ ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम पर आधारित संभावनाओं का फलक और विस्तृत हुआ है। सरकारी सेवाओं में जाने की इच्छा रखने वाले छात्र ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम के साथ अपने सपने का साकार कर सकते हैं। वह कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) और राज्य लोक सेवा आयोगों की प्रतियोगी परीक्षाओं के अलावा यूपीएससी की सिविल सर्विस परीक्षा में भी अपनी चुनौती पेश कर सकते हैं। चूंकि बैचलर डिग्री स्तर पर आर्ट्स के पाठ्यक्रमों में हिस्ट्री, जियोग्राफी और सिविक्स (नागरिक शास्त्र) आदि विषय पढ़ाए जाते हैं, जो तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायक होते हैं।

ह्यूमेनिटीज के लिए जरूरी गुण

- किसी मुद्दे को समझने और उसका मूल्यांकन करने की क्षमता
- मानसिक और कामकाजी स्तर पर रचनात्मकता हो
- काम को व्यवस्थित करने और उन्हें तय समयसीमा में निपटाने का हुनर
- लिखित सामग्री को पढ़ने और उससे खास बिंदुओं को चुनने का कौशल हो
- बड़ी मात्रा में सूचनाओं और तथ्यों को समझने और ग्रहण करने की क्षमता
- अलग-अलग शैलियों में अच्छा लिखने का हुनर हो
- अपनी बात को प्रभावी शब्दों में स्पष्ट रूप से रखने में दक्षता हो
- शोध करने और तथ्यों के स्रोतों का मूल्यांकन करने की क्षमता हो
- चर्चाओं में भाग लेने और उनका नेतृत्व करने में रुचि हो
- निजी प्रेरणा से काम करने का जज्बा हो
- विचारों और सुझावों को व्यावहारिक रूप देने की कला हो
- निष्पक्षता और खुद में पूरा विश्वास हो
- अपनी बातों पर विचार-विमर्श को तैयार रहने का लचीलापन हो
- सांख्यिकीय आंकड़ों पर आधारित शोध में निष्कर्ष निकालने की क्षमता हो

इन क्षेत्रों में करियर बना सकते हैं

- राइटिंग
- प्रोग्राम प्लानिंग
- टीचिंग
- रिसर्च
- इंटरनल कम्यूनिकेशन
- पब्लिक रिलेशन्स
- पॉलिसी रिसर्च एंड एनालिसिस
- एडमिनिस्ट्रेशन
- सोशल वर्क
- मैनेजमेंट
- इंफॉर्मेशन
- जर्नलिज्म
- आर्कियोलॉजी
- एंथ्रोपोलॉजी
- एग्रीकल्चर
- जियोग्राफी
- एनजीओ
- इंडस्ट्रियल रिलेशन
- लाइब्रेरी साइंस
- लिबरल आर्ट्स
- फिलॉस्फी
- रिसर्च असिस्टेंस
- साइकोलॉजी

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

डेडलाइन खत्म, काम पर नहीं लौटे आरजी कर के डॉक्टर

नई दिल्ली। 9 अगस्त से आरजी कर अस्पताल की पीड़िता के लिए न्याय की मांग कर रहे पश्चिम बंगाल भर के सरकारी अस्पतालों के जूनियर डॉक्टरों ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक दिन पहले निर्धारित शाम 5 बजे की समय सीमा पार करने के बाद भी मंगलवार को काम बंद रखा। इसके बजाय, हड़ताली डॉक्टरों ने मंगलवार को आरजी कर अस्पताल से स्वास्थ्य भवन के दरवाजे तक विरोध प्रदर्शन करके अपना विरोध बढ़ा दिया। पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद उन्होंने साल्ट लेक में सौंदर्य भवन के बाहर रैली निकाली और धरना शुरू कर दिया। एक प्रदर्शनकारी डॉक्टर ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के आदेश से निराश हैं। हमने राज्य सरकार को अपनी मांगें पूरी करने के लिए मंगलवार शाम पांच बजे तक की समयसीमा दी है। जब तक सरकार हमारी मांगें पूरी नहीं करती तब तक काम बंद जारी रहेगा।

तेजस्वी यादव को दुबई जाने की मिली इजाजत

नईदिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को 18 सितंबर से 8 अक्टूबर तक अपने परिवार के साथ दुबई की यात्रा करने की इजाजत दे दी है. कोर्ट ने शर्त के तौर पर उन्हें 25 रुपये की एफडीआर (फिक्स्ड डिपॉजिट रसीद) जमा करने का निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त, अदालत ने यादव से अपनी विदेश यात्रा की योजना और यात्रा के दौरान उपयोग किए जाने वाले मोबाइल नंबर का विवरण भी देने को कहा है। लैंड फॉर जॉब मामले में आरोपी हैं और फिलहाल जमानत पर हैं, ने अपनी जमानत शर्तों के तहत अपना पासपोर्ट सरेंडर कर दिया था। इसलिए, विदेश यात्रा के लिए उन्हें अपना पासपोर्ट जारी करने के लिए अदालत से अनुमति लेनी होगी। यह आरोप लगाया गया है कि 2004 से 2009 तक, तत्कालीन रेल मंत्री प्रसाद के परिवार के सदस्यों और एके इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट नामक एक संबद्ध कंपनी को हस्तांतरित जमीन के बदले में कई लोगों को भारतीय रेलवे के विभिन्न क्षेत्रों में ग्रुप डी पदों पर नियुक्त किया गया था।

शशि थरूर को मानहानि केस में सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर विवादास्पद टिप्पणी मामले में मानहानि केस का सामना कर रहे कांग्रेस सांसद शशि थरूर को सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में निचली अदालत में जारी कार्यवाही पर रोक लगा दी। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने मामले में शिकायत दर्ज कराने वाले भाजपा नेता राजीव बब्बर को भी नोटिस जारी किया है और थरूर की याचिका पर चार हफ्ते के अंदर जवाब देने के लिए कहा है। हाल ही में इस मामले में राहत के लिए थरूर ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, कोर्ट ने उनकी याचिका को ठुकरा दिया था। इसके बाद सोमवार को ही उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस मामले में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली बेंच ने चार बजे तक सुनवाई चलाने की सामान्य परंपरा को तोड़ते हुए शाम छह बजे तक सुनवाई की।

नीतीश कुमार के भाजपा नहीं छोड़ने पर लालू की दो टूक

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रस्दाद यादव आज मुंबई के लिए रवाना हुए, लेकिन इससे पहले उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए दो टूक कहा। उन्होंने नीतीश कुमार के भाजपा नहीं छोड़ने पर कहा- कोई बात नहीं। वहीं दूसरी ओर लालू प्रसाद यादव ने कहा कि आज से वह आभार यात्रा के प्रथम चरण में कार्यकर्ताओं से जन संवाद करने निकले हैं। वह पूरा बिहार भ्रमण करेंगे। दरअसल केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर बिहार आये थे। इस मौके पर दोनों नेताओं ने कई विकास की योजनाओं का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जेपी नड्डा के साथ मंच साझा करते हुए कहा कि दो बार गलती हो गई है, अब ऐसा नहीं करेंगे। अब इधर-उधर नहीं जाएंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस बयान के बाद कांग्रेस ने भी प्रतिक्रिया दी थी। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कई बार प्रधानमंत्री के साथ भी मंच से यह बात कहा है कि अब वह इधर-उधर नहीं जाएंगे। यह बात उन्होंने तब कही जब प्रधानमंत्री चुनाव के समय चुनावी सभा को संबोधित करने बिहार आये थे।

आप ने नौ उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने नौ उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। सोमवार को ही भाजपा छोड़कर पार्टी में शामिल हुए प्रो. छत्रपाल को बरवाला से उम्मीदवार घोषित किया गया है। पार्टी अब तक 29 उम्मीदवारों का एलान कर चुकी है। साढौरा से रीता बमनैया को टिकट दिया गया है। थानेसर से कृष्ण बजाज और इंद्री से हवा सिंह को प्रत्याशी घोषित किया गया है। रतिया से मुख्त्यार सिंह बाजीगर, आदमपुर से एडवोकेट भूपेंद्र बेनीवाल, बावल से जवाहर लाल को टिकट दिया गया है। फरीदाबाद से प्रवेश मेहता और तिगांव से अबाश चंदेला को उम्मीदवार घोषित किया गया है। कांग्रेस और आप के बीच पिछले पांच दिन से गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही थी। कांग्रेस की ओर से दीपक बाबरिया और आप के राघव चड्ढा के बीच बातचीत चल रही थी। पार्टी के सूत्रों के अनुसार आप 10 से ज्यादा सीटें मांग रही थी, मगर कांग्रेस तीन से ज्यादा सीटे देने को तैयार नहीं हो रही थी।

विक्टिम कार्ड खेलकर मुद्दे से लोगो को भटकाना बंद करे 'आप'

राष्ट्रपति को दिए ज्ञापन में चिन्हित मुद्दों पर बीजेपी ने मांगा केजरीवाल सरकार से जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उनके द्वारा माननीय राष्ट्रपति को 30 अगस्त को दिए गए ज्ञापन में उठाये गए मुद्दों पर केजरीवाल सरकार से जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि हमने ज्ञापन में छठे दिल्ली वित्त आयोग का गठन न होने, दिल्ली की पंगु हो चुकी प्रशासनिक व्यवस्था, सीएजी की 11 रिपोर्ट्स को सदन में न रखने और केंद्र सरकार की योजनाओं को जानबूझकर दिल्ली में लागू न करने के मुद्दों को उठाया था, जिनका जवाब केजरीवाल सरकार को देना है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने छठे दिल्ली वित्त आयोग का गठन न कर संविधान का उल्लंघन किया हा है। जिसके चलते दिल्ली नगर निगम की वित्तीय स्थिति अव्यवस्थित हो चुकी है। आप सरकार ने पिछले 5 महीने से विधानसभा का सत्र नहीं बुलाया है। जबकि नियमानुसार पिछले सत्र के बाद 6 महीने के अंदर सत्र बुलाना अनिवार्य है। लेकिन इससे से पहले सत्र बुलाया गया तो उसमें प्रश्न काल नहीं रखा गया।

गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। यहां की प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है। दिल्ली के 2 करोड़ लोगों की समस्याओं पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है। अराजकता का माहौल है। मानसून की बारिश में राजधानी में 50 लोगों की मौत हो गई। जगह-जगह जल भराव हो रहा है जिस कारण भयंकर ट्रैफिक जाम हो रहा है और लोगों की मौत हो रही है। सड़कें टूटी हुई हैं जिस कारण आये दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोगों की जान जा रही है। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि उनके नेतृत्व में दिल्ली भाजपा विधायकों ने दिल्ली सरकार द्वारा संवैधानिक नियमों का लगातार उल्लंघन किए जाने के कारण दिल्ली में उत्पन्न संवैधानिक संकट को लेकर 30 अगस्त 2024 को माननीय राष्ट्रपति से भेंट की थी और उन्हें ज्ञापन देकर दिल्ली सरकार को बर्खास्त करने की मांग की थी। हमें खुशी है की राष्ट्रपति महोदया ने उस ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए गृह सचिव,गृह मंत्रालय को इस पर संज्ञान लेने के लिए कहा है।

गुप्ता ने कहा कि शराब घोटाले के संबंध में मुख्यमंत्री केजरीवाल जेल में हैं और वह जेल से ही सरकार चलाने पर अड़े हुए हैं। पिछले 5 महीने से कोई फाइल साइन नहीं हुई है और न ही कैबिनेट की कोई मीटिंग हुई है। यह सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त है। दिल्ली के अस्पतालों के निर्माण में हजारों करोड़ रुपये का भारी भ्रष्टाचार हुआ है। दिल्ली जल बोर्ड 73,000 करोड़ रुपए के कर्ज़ में डूबा हुआ है। दिल्ली स्किल एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी में एक हजार करोड़ रुपये का भारी भ्रष्टाचार हुआ है। साढ़े तीन लाख रुपये के वेतन पर अपने चहेतों की राजनीतिक नियुक्तियां कर दी गईं । तीन-तीन नए विश्वविद्यालय खोलकर हजारों करोड़ रुपये इधर से उधर कर दिये गए। और अब इन यूनिवर्सिटीज में छात्रों की संख्या घटने के कारण इसके कैंपसों में अनेक कोर्स बंद कर दिए गए। दिल्ली यूनिवर्सिटी के 12 कॉलेजों को दिल्ली सरकार फंड ही नहीं दे रही है जिसकी वजह से वहां के टीचर्स को सैलरी नहीं मिल पा रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी के पास लंबे समय से सीएजी की 11 रिपोर्ट्स रखी हुई हैं जिन्हें सदन पटल पर रख जाना जरूरी है। ऐसा न करके सरकार द्वारा संवैधानिक नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना को जान बूझ कर दिल्ली में लागू नहीं किया जिस कारण 5 लाख तक के फ्री इलाज की सुविधा दिल्ली के 2 करोड़ को नहीं मिल पाई। इसके अलावा केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को PM-ABHIM योजना के अंतर्गत 2406 करोड़ रुपये दिए। इस राशि से आधुनिक लैब्स और आईसीयू बनाई जानी थी, लेकिन दिल्ली सरकार ने इस योजना को लागू ही नहीं किया। इसी तरह केंद्र सरकार के फ्री सॉफ्टवेयर हॉस्पिटल इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम को लागू न करके अपना ही सॉफ्टवेयर बनाने के लिए एक निजी कंपनी को 250 करोड़ रुपये का ठेका दे दिया।

गुप्ता ने कहा कि यह सरकार बार बार संवैधानिक नियमों का उल्लंघन करती आ रही है, जिसने सभी मर्यादाओं को तार तार कर दिया है। इन सब संवैधानिक नियमों के उल्लंघन के कारण आम आदमी पार्टी सरकार को सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं बचा है। इसलिए राष्ट्रपति से हमने अनुरोध किया है कि वह इस सरकार को तुरंत बर्खास्त करें।

भाजपा ने 21 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की

- लिस्ट में प्रदीप सांगवान का नाम, दो मुस्लिम चेहरे भी शामिल

नईदिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने मंगलवार को 21 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। सत्तारूढ़ पार्टी ने जुलाना विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार विनेश फोगट के खिलाफ कैप्टन योगेश बैरागी को मैदान में उतारा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने फिरोजपुर झिरका और पुनाहाना विधानसभा क्षेत्रों से नसीम अहमद और ऐजाज खान को मैदान में उतारा है। वहीं, प्रदीप सांगवान बरोदा से चुनाव लड़ेंगे।

इससे पहले, भाजपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के लिए अपने 67 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लाडवा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने का मौका दिया था, जबकि पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल विज अंबाला कैंट सीट से चुनाव लड़ेंगे।

भाजपा ने मुख्यमंत्री सैनी का निर्वाचन क्षेत्र बदल दिया क्योंकि वह वर्तमान में करनाल विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसे उन्होंने इस साल जून में उपचुनाव में जीता था। हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री विज ने अपनी सीट - अंबाला छावनी से टिकट बरकरार रखा, जिस सीट पर उन्होंने 2009 से लगातार तीन बार जीत दर्ज की थी। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने बीते दिनों हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए मतदान की तारीख को 1 अक्तूबर से बढ़ाकर 5 अक्तूबर को करने का फैसला किया। साथ ही जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभाओं के लिए मतगणना 4 अक्तूबर से 8 अक्तूबर तक स्थानांतरित कर दी। ईसीआई के अनुसार, यह निर्णय बिश्नोई समुदाय के मतदान के अधिकार और परंपराओं दोनों का सम्मान करने के लिए लिया गया है, जिन्होंने अपने गुरु जम्भेश्वर की याद में असोज अमावस्या उत्सव समारोह में भाग लेने की सदियों पुरानी प्रथा को बरकरार रखा है।

अमित शाह और अजीत पवार की सीक्रेट मीटिंग

नईदिल्ली। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और कहा कि महायुति के साथ सभी 288 सीटों पर चर्चा के लिए सभी एक साथ बैठेंगे। पवार ने कहा कि अधिकतम चर्चा हो चुकी है, कुछ सीटें बाकी हैं और उन सीटों पर जल्द ही चर्चा की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सटीक संख्या अंतिम चर्चा के बाद आएगी। उन्होंने कहा कि हम सभी 288 सीटों पर चर्चा के लिए एक साथ बैठेंगे। अधिकतम चर्चा हो चुकी है। कुछ सीटें शेष हैं और उन सीटों पर जल्द ही चर्चा की जाएगी। हमारी अंतिम चर्चा के बाद सटीक संख्या आएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि मैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिला क्योंकि वह गणपति दर्शन के लिए मुंबई आए थे। मैंने कपास और सोयाबीन की खेती से जुड़े कुछ मुद्दों पर चर्चा की. मैंने प्याज के आयात पर प्रतिबंध नहीं लगाने का भी अनुरोध किया है। हमें यह देखने की जरूरत है कि प्याज किसानों को उनकी उपज का अच्छा दाम कैसे मिले। मैंने इन सभी मुद्दों पर चर्चा की है। अजीत पवार ने आगे स्पष्ट किया कि मुंबई में उनकी चर्चा खेती-संबंधी मुद्दों तक ही सीमित थी, जिसमें कपास और सोयाबीन की फसल के बारे में चिंताएं भी शामिल थीं। उन्होंने प्याज किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए प्याज के आयात पर प्रतिबंध नहीं लगाने के अपने अनुरोध का भी उल्लेख किया।

अजित पवार ने कहा कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई। मैंने अमित शाह से कल मुलाकात की थी क्योंकि वह गणपति दर्शन के लिए मुंबई में थे। मैंने कपास, सोयाबीन जैसी खेती से जुड़े कुछ मुद्दों पर चर्चा की थी। मैंने उनसे अनुरोध भी किया था कि ऐसा न करें। प्याज के आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए हमें यह देखने की जरूरत है कि प्याज किसानों को उनकी उपज का अच्छा मूल्य कैसे मिलता है। मैंने इन सभी मुद्दों पर चर्चा की।

खेल
प्रमुख समाचार

दूसरे दौर के लिए बीसीसीआई ने किया टीमों का एलान

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2024 के दूसरे दौर के लिए मंगलवार को चारों टीमों के स्क्वॉड की घोषणा कर दी गई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 12 सितंबर से अनंतपुर में शुरू हो रहे मुकाबलों के लिए टीम का एलान किया है। आगामी मैचों के लिए इंडिया ए, इंडिया बी और इंडिया डी की टीम में कुछ बदलाव हुए हैं। वहीं, इंडिया सी की टीम बिना किसी बदलाव के खेलती नजर आएगी। इंडिया ए के कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, कुलदीप यादव और आकाश दीप को बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। अब ये खिलाड़ी 19 सितंबर से शुरू हो रहे टेस्ट मैच की तैयारियों में जुटेंगे।

चयनकर्ताओं ने गिल की जगह प्रथम सिंह (रेलवे), केएल राहुल की जगह अक्षय वाडकर (विदर्भ) और ध्रुव जुरेल की जगह एसके रशीद (आंध्र प्रदेश) को टीम में शामिल किया है। बाएं हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी टीम में कुलदीप की जगह लेंगे जबकि आकिब खान (यूपीसीए) टीम में आकाश दीप की जगह लेंगे। वहीं, मयंक अग्रवाल को इंडिया ए का कप्तान बनाया गया है।

इंडिया बी के यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उनकी जगह चयनकर्ताओं ने क्रमशः सुयश प्रभुदेसाई और रिंकू सिंह को टीम का हिस्सा बनाया है। तेज गेंदबाज यश दयाल को पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। सरफराज खान को भी भारतीय टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, वह दूसरे दौर के मैच में खेलेंगे। हिमांशु मंत्री (मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ) को दयाल की जगह इंडिया बी में शामिल किया गया है। दूसरे दौर के लिए इंडिया की टीम में भी बदलाव हुआ है। दरअसल, अक्षर पटेल को आगामी टेस्ट के लिए टीम इंडिया में चुना गया है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 362 अंक चढ़ा, निफ्टी 25 हजार के पार पंहुचा

नईदिल्ली। एशियाई बाजारों में मिलेजुले रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी दर्ज की गई और दोनों प्रमुख इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज तेजी के साथ 81,768.72 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान 82,196.55 अंक के हाईएस्ट लेवल तक चला गया था। अंत में सेंसेक्स 0.44 प्रतिशत या 361.75 अंक की बढ़त लेकर 81,921.29 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी आज पॉजिटिव नोट के साथ खुला। इंट्रा-डे ट्रेड के दौरान 25,130.50 अंक के हाईएस्ट लेवल तक जाने के बाद अंत में निफ्टी 0.42त्न या 104.70 अंक की तेजी के साथ 25,041.10 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी का शेयर सबसे ज्यादा 2.41 प्रतिशत की तेजी आई। साथ ही एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

मारुति सुजुकी को अपने निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद

नईदिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने मंगलवार को कहा कि कंपनी 2030 तक अपने विदेशी निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद कर रही है। उद्योग निकाय सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के 64वें वार्षिक सत्र में उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में कंपनी के निर्यात में ''कई गुना वृद्धि'' देखने को मिलेगी। ताकेउची ने कहा, '' ऐसी कोई वजह मौजूद नहीं है कि भारत को वैश्विक व्यापार में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य नहीं रखना चाहिए। मारुति सुजुकी के रूप में, मैं आपको बता सकता हूं कि हम प्रतिशत वृद्धि के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि वृद्धि को कई गुना करने के संदर्भ में बात कर रहे हैं। इसलिए, आज भारत से हमारा निर्यात चार साल पहले की तुलना में तीन गुना है।

चीन के अगस्त महीने के निर्यात में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि

नईदिल्ली। चीन के निर्यात में लगातार पांचवें महीने वृद्धि दर्ज की गई, जो विदेशों में बढ़ती मांग का संकेत है। हालांकि, धीमी होती चीनी अर्थव्यवस्था के बीच आयात में गिरावट आई है। चीन के सीमा शुल्क कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में निर्यात पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 8.7 प्रतिशत बढ़कर 308.65 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। यह अर्थशास्त्रियों के करीब 6.5 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। जुलाई में निर्यात सात प्रतिशत की दर से बढ़ा था। अगस्त में यह आंकड़ा 18 महीने में सबसे मजबूत है। इसकी बड़ी वजह अगस्त 2023 में कम आधार है, जब निर्यात में 8.8 प्रतिशत की गिरावट आई थी। तुलनात्मक रूप से, एक साल पहले की तुलना में आयात में केवल 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह अर्थशास्त्रियों द्वारा लगाए गए करीब दो प्रतिशत के अनुमान से कम है।

सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने डील की

नईदिल्ली। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने असम और कर्नाटक में अपनी चिप पैकेजिंग इकाइयों के लिए सेमीकंडक्टर असेंबली उपकरण बुनियादी ढांचे स्थापित करने के लिए एएसएमपीटी सिंगापुर के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एएसएमपीटी कार्यबल प्रशिक्षण, उन्नत सेवा इंजीनियरिंग अवसंरचना, स्वचालन, स्पेयर सपोर्ट तथा वायरबॉन्ड, फ्लिप चिप, उन्नत पैकेजिंग और एकीकृत सिस्टम पैकेजिंग के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास पहल को बढ़ावा देने के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ सहयोग करेगी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने मंगलवार को बयान में कहा, असम में 27,000 करोड़ रुपये के निवेश से चिप असेंबली संयंत्र स्थापित कर रही है, जिसके अगले साल शुरू होने की उम्मीद है। इसके अलावा इसने कर्नाटक में भी एक छोटी चिप असेंबली इकाई स्थापित की है।

चीन की चुनौती से निबटने को भारत तैयार

डॉ. जयंतीलाल

बीते माह की 31 तारीख को भारत के विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि चीन से दुनिया को दिक्कत है और चीन भारत के लिए विशेष समस्या है। ऐसे में चीन के साथ हो रहे निवेश व कारोबार संबंधों की समीक्षा की जानी जरूरी है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 के पहले छह महीनों, यानी जनवरी से जून के दौरान भारत का चीन के साथ अब तक का सर्वाधिक व्यापार घाटा दर्ज किया गया है, जिसका आकार 41.6 अरब डॉलर है। इस अवधि में चीन से आयात बढ़ कर 50.1 अरब डॉलर हो गया, जबकि चीन को भारत से सिर्फ 8.5 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया गया। यदि हम पिछले संपूर्ण वित्त वर्ष 2023-24 में चीन के साथ भारत के व्यापार को देखें, तो पायेंगे कि चीन से आयात 101.75 अरब डॉलर हुआ था, जबकि चीन को निर्यात 16.66 अरब डॉलर रहा था।

बीते वित्त वर्ष में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 85.09 अरब डॉलर रहा। इन आंकड़ों को देखते हुए यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि चीन के साथ लगातार बढ़ता हुआ व्यापार घाटा देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक, प्रोत्साहन आधारित उत्पादन (पीएलआइ) योजना के तहत एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स (एपीआइ) का उत्पादन बढ़ा कर इसके चीन से बढ़े पैमाने पर होने वाले आयात में कमी लाने की कोशिश की जा रही है। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री

शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक भारत में कृषि उत्पादन बढ़ाने और खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने के रणनीतिक प्रयास किये जा रहे हैं। ऐसा कर चीन को इनके निर्यात में बढ़ोतरी की जा सकती है।

गौरतलब है कि इन दिनों भारत-चीन के व्यापार से संबंधित प्रकाशित हो रही विभिन्न वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में यह कहा जा रहा है कि इस समय भारत के पास चीन से आयात घटाने तथा वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाये जाने की संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं को साकार किये जाने के चार प्रमुख आधार हैं। एक, चीन से बाहर निकलते बड़े उद्योगों, बड़ी कंपनियों और निवेश के भारत के पाले में आने की सबसे अधिक संभावनाएं हैं। ऐसा होने से भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बड़ी मजबूती मिलेगी। दूसरी संभावना यह है कि चीन प्लस वन रणनीति के तहत भारत दुनिया के सक्षम व भरोसेमंद देश के रूप में अपने निर्यात में बढ़ोतरी कर सकता है। साथ ही, अमेरिका सहित यूरोपीय व कई विकसित देश चीन से आयात घटाने के लिए चीनी उत्पादों पर जिस तरह असाधारण आयात प्रतिबंध लगा रहे हैं, उससे इन देशों में भारत के उत्पादों का निर्यात बढ़ने की नयी संभावनाएं पैदा हुई हैं। तीसरी आशा यह है कि देश से चीन को कृषि पदार्थों और खाद्य प्रसंस्करण निर्यात में तेज वृद्धि की जा सकती है। चार, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में किये गये प्रावधानों से भारत का आयात घटने व निर्यात बढ़ने की संभावनाएं हैं।उल्लेखनीय है कि वैश्विक वित्तीय कंपनी नोमूरा ने हाल ही में जारी अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि चीन से वैश्विक कंपनियां बाहर निकल रही हैं, जिसका बड़ा फायदा भारत को मिलता दिख रहा है। नोमूरा के द्वारा चीन प्लस वन स्ट्रेटजी पॉलिसी को लेकर 130 फर्मों के साथ सर्वे किया गया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि खास तौर से भारत के दरवाजे पर दस्तक दे रही इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, सेमीकंडक्टर (एसेंबलिंग, टेस्टिंग), एनर्जी (सोलर) के अलावा फार्मास्युटिकल्स सेक्टर की कंपनियों का भारत में हर संभव सुविधा देकर स्वागत करना होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि जी-20 की नयी शक्ति से सुसज्जित भारत नये वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश की भूमिका में उभरकर सामने आया है तथा वह चीन को आर्थिक टक्कर देने की स्थिति में है।

मुख्यमंत्री और विस अध्यक्ष ने अयोध्या में रामलला सहित पांच तीर्थों के दर्शन के लिए कार्यकर्ताओं झंडी दिखाक रवाना किया

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने अयोध्या, बनारस, प्रयागराज, चित्रकूट, मैहर की पांच तीर्थ यात्रा पर जा रहे रायपुर जिले के धरसींवा क्षेत्र के तीन मंडलों के 600 कार्यकर्ताओं को शुभकामनाओं के साथ रवाना किया।

मुख्यमंत्री श्री साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ सिंह ने इन तीर्थ यात्रियों को ले कर जा रही 13 बसों को आज विधानसभा के पास शीतल बाड़ी से झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शुभ अवसर पर जब भगवान गणेश घर घर में विराजमान हैं आप लोग पांच तीर्थ के दर्शन के लिए जा रहे हैं।छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिए रामलला तीर्थ दर्शन योजना प्रारंभ की है। यह योजना पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह के समय प्रारंभ की गई तीर्थ यात्रा योजना का विस्तार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने अपने समर्पण और मेहनत से विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र में भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाई। उनसे किए गए वायदे के अनुसार आज इस क्षेत्र के 600 कार्यकर्ता पांच तीर्थों की यात्रा पर जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थों के दर्शन के दौरान श्रद्धालु अपने घर परिवार के साथ छत्तीसगढ़ की खुशहाली, समृद्धि के लिए भी आशीर्वाद मांगें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका और प्रभु राम का ननिहाल है। यहां सदैव खुशहाली हो ऐसी कामना आप सभी तीर्थों के दर्शन के दौरान करें। हम सब आप लोगों को प्रणाम करने के लिए यह आए हैं। आपकी यात्रा मंगलमय हो। इस अवसर पर अतिथियों ने तीर्थयात्रियों का स्वागत किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि हम लोग पांच तीर्थों के दर्शन के लिए जा रहे आप लोगों को प्रणाम करने और शुभकामनाएं देने आए हैं। उन्होंने कहा कि आप लोग पुण्य काम में जा रहे हैं आप पर इंद्रदेव की कृपा है। इस पुण्य काम में सहयोग देने वालों को पुण्य भी मिलेगा। आपकी यात्रा मंगलमय हो। तीर्थ दर्शन के दौरान आप छत्तीसगढ़ में सुख, शांति और समृद्धि के लिए भी प्रार्थना करिएगा।

स्वागत भाषण धरसींवा विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा ने दिया। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरी शंकर अग्रवाल ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर विधायक गुरु श्री खुशवंत साहेब, पूर्व विधायक श्री देवजी भाई पटेल सहित श्री नितिन अग्रवाल, श्री छगन मूंदड़ा सहित मंडल पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।श्री देवजी भाई पटेल भी कार्यकर्ताओं के साथ पांच तीर्थ यात्रा पर रवाना हुए।

जनता की भागीदारी से ही विकास संभव-उपमुख्यमंत्री

रायपुर। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा विकासखंड के ग्राम जरहाटोला, जामगांव, आमगांव, तिलईभाट, और पेड्रीतराई मे ग्रामीणवासियों से जनसंपर्क कर सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों मांग, समस्या और शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और उनके अनेक मांगों को तत्काल पूरा करते हुए 80 लाख रूपए के विकास कार्यों की घोषणा की। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्रामवासियों की मांग पर विभिन्न विकास कार्यो की सौगात दी।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने जनसंपर्क के दौरान ग्रामवासियों की मांग को पूरा करते हुए ग्राम जामगांव में सामुदायिक भवन के लिए 10 लाख रूपए, प्राथमिक शाला में किचन शेड के लिए 3 लाख रूपए, सीसी रोड के लिए 5 लाख रूपए और ज्योति कलश कक्ष निर्माण के लिए 3 लाख रूपए की घोषाणा की। उन्होंने ग्राम जरहाटोला सांस्कृतिक मंच के लिए 5 लाख रूपए, गोठान समतलीकरण 5 लाख रूपए, बीएमडब्लू रोड जरहटोला से खलेवारा खार तक, नरेगा से पुलिया निर्माण कार्य की घोषणा की। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम आमगांव में जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों की मांग में सामुदायिक भवन के लिए 10 लाख रूपए, सामुदायिक शौचालय के लिए 6 लाख रूपए, गोठान समतलीकरण के लिए 4 लाख रूपए और मंच निर्माण के लिए 3 लाख रूपए देने की घोषणा की। ग्राम तिलईभाट में रिटर्निंग वॉल के लिए 18 लाख रूपए, सीसी रोड के लिए 5 लाख रूपए सांस्कृतिक मंच के लिए 3 लाख रूपए की घोषणा की।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के विकासखंड लोहारा के विभिन्न ग्रामों में जनसंपर्क करते हुए ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं और सुझावों को सुना और उन्हें सरकार की योजनाओं और विकासात्मक पहलुओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को तेज़ी से आगे बढ़ाना है ताकि हर नागरिक को बुनियादी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में ग्रामीण इलाकों में सड़क, बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं में बड़े सुधार किए जा रहे है। इसके अलावा कृषि और रोजगार से जुड़ी योजनाओं को भी और अधिक प्रभावी तरीके से लागू किया जाएगा ताकि ग्रामीण युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। उन्होंने यह भी कहा कि जनता की भागीदारी से ही विकास संभव है, इसलिए सभी को साथ मिलकर काम करना होगा।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि साय सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जा रहा है और सभी बुनियादी सुविधाओं में सुधार लाया जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पत्रकारों से चर्चा

पूर्व मंत्री अकबर के खिलाफ एफआईआर सरकार का राजनैतिक षडयंत्र

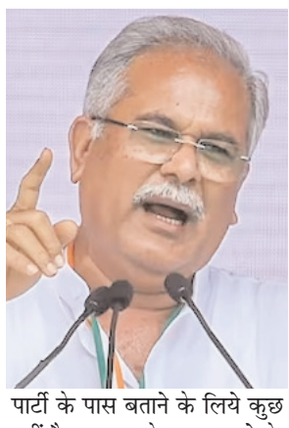

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि पूर्व मंत्री मो. अकबर के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है। यह दुर्भाग्य जनक है बिना जांच किये एफआईआर दर्ज किया गया है। इस मामले में मृतक ने थाने में जो आवेदन दिया है उसमें कहीं मो. अकबर का नाम नहीं है। पुलिस जिस सुसाईड नोट की बात कर रही है, उसमें भी मृतक के हस्ताक्षर नहीं है। बिना हैंड राईटिंग एक्सपर्ट की राय के बिना पत्र के हस्ताक्षर मिलाये कैसे एफआईआर दर्ज किया गया यह सरकार का षडयंत्र है।

बिना हैंडराइटिंग एक्सपर्ट से जांच कराए आप एफआईआर नहीं कर सकते। इतनी जल्दी कैसे कर ली जबकि दूसरे तरफ संतोष पटेल दोंदेकला निवासी धरसींवा विधान सभा वह सुसाइड नोट लिखकर मरा है। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आत्महत्या कर लिया उसके सुसाइड नोट सार्वजनिक क्यों नहीं कर रहा है। उसके लिए कांग्रेस पार्टी ने भी और पटेल समाज ने भी धरना दिया। लेकिन आज तक के वह सुसाइड नोट सार्वजनिक नहीं हुआ। परिवार और मृतक के परिवार के लोग मांग रहे है उसको नहीं दिए तो इसका मतलब यह है कि आप निष्पक्ष नहीं हूं पुलिस को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए।

9 महीने में भारतीय जनता पार्टी के पास बताने के लिये कुछ नहीं है। सरकार के पास बताने के लिये कुछ नहीं है और न ही पार्टी के पास बताने के लिये कुछ नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के सांसद और विधायक खुद चिट्ठी लिखने लग गये है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल, सांसद विजय बघेल, विधायक पुरंदर मिश्रा चिट्ठी लिख रहे है। सरकार अपने सरकार से निराश हाथ लग रही है तो इनके पास बताने के लिये कुछ नहीं है और लोगो के ध्यान भटकाने के लिये है। पूर्व मंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ कार्यवाही, कभी मो. अकबर के खिलाफ कार्यवाही, कभी डॉ. शिवकुमार डहरिया और देवेन्द्र यादव के खिलाफ कार्यवाही करते है। यह हमारे कांग्रेस नेता के कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर करने का और जेल भेजने और गिरफ्तार करने और उसके खिलाफ मीडिया में चलाने यह भाजपा सरकार का काम हैं।

सरकार द्वारा धान खरीदी के लिये लोन लेने पर उन्होंने कहा कि पहले कहते थे केन्द्र धान खरीदती है अब क्यों लोन ले रहे? पहले झठ बोले थे या अब झूठ बोल रहे है। राज्य सरकार जो मार्कफेड को गांरटी देती है और मार्कफेड उसी के आधार पर लोन देती है बैंक से, बाजार से लोन देती है। धान खरीदती है राज्य सरकार और मीलिंग करने बाद उसको केन्द्र सरकार को देती है। केन्द्र सरकार तय करती है कि वो कितना टन चावल लेंगे। भारतीय जनता पार्टी फस चुकी है कि 37000 करोड़ धान खरीदी का कर्ज ले रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयानो पर उन्होंने कहा कि भाजपा को बुरा लगता है राहुल गांधी देश की बेरोजगारी की बात करते है। अब तक का सबसे दुर्भाग्यजनक बात तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। उन्होंने कहा विदेश की धरती में जाकर मेरा दुर्भाग्य है कि भारत में पैदा हुआ इससे ज्यादा भारत विरोधी कोई दूसरा बयान मिल सकता है। इससे बड़ा बयान दूसरा नहीं हो सकता है जो बोलते हैं कि इस मिट्टी में पैदा होना उनका दुर्भाग्य था जिस मिट्टी ने उसको मुख्यमंत्री बनाया प्रधानमंत्री बनाया उसके बारे में सब भारत भूमि में तो देवता भी जन्म लेने के लिए तरसते हैं जहां वे प्रधानमंत्री ये बोलते हैं कि मेरा दुर्भाग्य उसके बारे में विष्णु जी हो और कोई भी हो।

राष्ट्रीय लोक अदालत 21 सितंबर को होगी आयोजित

रायपुर। आगामी नेशनल लोक अदालत 21 सितंबर 2024 को आयोजित की जाएगी। मुख्य न्यायाधिपति छत्तीसगढ उच्च न्यायालय-सह-मुख्य संरक्षक छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा ने वीडिया कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा की।

मुख्य न्यायाधिपति छत्तीसगढ उच्च न्यायालय-सह-मुख्य संरक्षक छत्तीसगढ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा ने सभी न्यायाधीशों को संबोधित करते हुए व्यक्त किया कि जिस गति से न्यायालय में लंबित मामलों की संख्या बढ रही है, उसमें यह जरूरी है कि लोक अदालतों के आयोजन में राजीनामा योग्य मामलों का पक्षकारों की आपसी सहमति से विधि सम्मत निराकरण करने का सभी संभव प्रयास किया जावे। मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति रमेश श्री सिन्हा ने कहा कि लोक अदालतों के माध्यम से निराकृत प्रकरणों का लाभ जहां मामले के दोनों पक्षकारों को मिलता है, वहीं ऐसे मामलों के निराकृत होने से न्यायालयों में भी लंबित मामलों की संख्या कम होती है जिससे न्यायालय के पीठासीन अधिकारी राजीनामा योग्य मामलों से हटकर अन्य प्रकृति के लंबित मामलों को निराकृत करने में न्यायालयीन कार्य दिवसों में अधिक समय दे पाते हैं।

छत्तीसगढ़/राजधानी — प्रमुख समाचार

डिप्टी कमिश्नर ने कोचिया बनकर नकली शराब को किया जब्त

रायपुर। डिप्टी कमिश्नर श्री विकास गोस्वामी ने विगत दिनों अवैध शराब के निर्माण, विक्रय और परिवहन को रोक लगाने के लिए चार-पांच दिनों तक छद्म नंबर से ग्राहक बनकर शराब तस्करों से बातचीत की और पूरी कार्यवाही को बड़ी ही गोपनीय ढंग से अंजाम दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि आरोपी मोतीलाल साहू द्वारा चार पहिया वाहन मारुति वैगन आर सीजी 10 एफए 8132 में परिवहन के दौरान बिना होलोग्राम वाली 40 पेटी नकली गोवा शराब जब्त की गई। साथ ही विवेचना के दौरान ही एक अन्य आरोपी युवराज साहू द्वारा चार पहिया वाहन अशोक लीलैंड पिकअप सीजी 25 के 2638 में परिवहन करते हुए देशी शराब निर्माण में प्रयुक्त 300 लीटर स्प्रिट जब्त किया। कार्रवाई के दौरान उक्त पिक अप वाहन में नकली बड़ी मात्रा में खाली शीशियां, खाली ढक्कन, अवैध शराब निर्माण सामग्री बनाने में प्रयुक्त सामग्री भरी हुई मिली। डिप्टी कमिश्नर ने बरसते पानी में नाका लगाकर टीम बनाकर पूरी कार्यवाही को दिया अंजाम दिया। राज्य में यह अपनी तरह की पहली बड़ी कार्रवाई है, जिसमें इतनी बड़ी मात्रा में शराब और अवैध शराब निर्माण सामग्री बरामद की गई है।

भाजपा सरकार में बेटी पढ़ाओ नहीं बल्कि डराओ नीति चल रही है

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने तहसीलदार माया अंचल के द्वारा बेटियों को जेल भेजने की धमकी देने की कड़ी निंदा की उन्होंने सरकार से कड़ी कार्यवाही की मांग की उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बेटी पढ़ाओ नहीं बल्कि बेटियों को डराओ नीति पर काम कर रही।बेटियां पढ़ना चाहती है लेकिन स्कूल में शिक्षक नहीं है हॉस्टल में सुविधा नहीं है और जब बेटियां स्कूल के लिए शिक्षक और हॉस्टल के लिए सुविधाओं की मांग करती है तब भाजपा सरकार में उन बेटियों को वीडियो जारी करने की धमकी देकर डराया जाता है उन्हें जेल भेजने की धमकी दी जाती हैं। छात्रो के पक्ष में खड़े होने वाले कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के नेता, कार्यकर्ताओं के खिलाफ यह सरकार दुर्भावनापूर्वक एफआईआर करती है। राजनांदगांव के डीईओ ने शिक्षक की मांग करने पर बेटियों को जेल भेजने की धमकी दिया था। इस मामले में माननीय न्यायालय ने भी कड़ी नाराजगी जाहिर की है। बिलासपुर जिला के तहसीलदार माया अंचल ने पचमढ़ी हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्राओं को जेल भेजने की धमकी दी। राजधानी रायपुर के प्राथमिक शाला पंडरी में मासूम बच्चीयों के साथ यौन शोषण के मामले में प्रशासन लीपापोती करती रही.

सीमेंट के दाम में बढ़ोतरी मुनाफाखोरी के लिये - कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सीमेंट की कीमत में अचानक एक चौथाई की भारी भरकम वृद्धि भाजपा सरकार के कमीशनखोरी और मुनाफाखोरी का प्रमाण है। भाजपा सरकार में जनता को लूटने की खुली छूट है। विष्णुभोग के लिए वसूला जा रहा है 50 रुपया प्रति बोरा सीमेंट पर अतिरिक्त दाम। अचानक 260 से बढ़ाकर 310 रूपए प्रति बोरा कर दिया गया है। सीमेंट उत्पादन के लिए तमाम कच्चा माल, लाइमस्टोन हमारा, कोयला हमारा, जमीन हमारी, बिजली हमारी और हमें ही महंगे दामों पर सीमेंट खरीदने के लिए मजबूर कर रही है भाजपा सरकार। छत्तीसगढ़ सीमेंट का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है, यहां हर माह लगभग 30 लाख टन से अधिक सीमेंट का उत्पादन होता है, पहले केंद्र की मोदी सरकार 28 प्रतिशत का भारी भरकम जीएसटी लगाया और अब साय सरकार के सरंक्षण में कीमतों में अचानक बढ़ोत्तरी जनता के साथ अन्याय है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार के समय सीमेंट, स्टील, रेत के दाम नियंत्रित थे, अब भाजपा सरकार के अनुचित सरंक्षण में सीमेंट कंपनियां निरंकुश हो चुकी है, जनता को लुटने का कोई अवसर डबल इंजन की सरकार नहीं छोड़ रही है।

यात्री बसों के संचालन में अंकुश लगाने चलाया जांच अभियान

रायपुर। यात्री बसों के संचालन में मिल रही अनियमितता की शिकायतों के मद्देनजर परिवहन विभाग द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा 9 एवं 10 सितम्बर को परिवहन चेक पोस्ट पर तथा परिवहन उड़नदस्तों द्वारा यात्री बसों की सघन जांच की गई और 182 यात्री बसों पर कार्यवाही करते हुए 2 लाख 8 हजार 700 रूपए के शमन शुल्क की वसूल की गई है। गौरतलब है कि बसों में क्षमता से अधिक सवारी और सामान का परिवहन करने, मनमाना किराया वसूली व बसों से संबंधित अन्य शिकायतें लगातार मिल रही थी। परिवहन विभाग के परिवहन आयुक्त श्री एस. प्रकाश तथा अपर परिवहन आयुक्त श्री डी. रविशंकर के मार्गदर्शन में बसों की सघन जांच के लिए यह अभियान चलाया गया। परिवहन चेकपोस्ट तथा परिवहन उड़नदस्तों द्वारा मोटरयान अधिनियम 1988, केन्द्रीय मोटरयान नियम 1989 तथा छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान अधिनियम, नियम 1991 की विभिन्न धाराओं तथा नियमों के तहत् यह अभियान चलाया गया। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी यात्री बसों के मालिकों तथा ड्राईवरों द्वारा मोटरयान अधिनियम, नियमों के उल्लंघन करते पाये जाने पर परिवहन विभाग द्वारा कठोर कार्यवाही की जाएगी।

एक फोन पर समस्या का हो रहा निराकरण मिली, महतारी वंदन की राशि

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन पर समस्या का निराकरण हो रहा है। राजातालाब निवासी श्रीमती निर्मला साहू ने महतारी वंदन योजना की राशि नियमित नहीं मिलने की शिकायत की थी। उन्होंने बताया था कि शुरूआत में तीन महीने तक तो योजना की राशि नियमित आ रही थी। लेकिन उसके बाद से राशि आना बंद हो गई है। इसको लेकर उन्होंने संबंधित विभाग में भी जानकारी मांगी लेकिन वहां से भी उनको सही जबाव नहीं मिला। जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड रहा था। जिसके बाद उन्होने कलेक्टोरेट के जन समस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन किया। जहां से संबंधित विभाग को इसकी जानकारी दी गई। जहां से उनकी समस्या निराकरण कर दिया गया हैं। साथ उनके खाते में योजना की राशि आने लगी है। समस्या का निराकरण होने से श्रीमती साहू ने प्रसन्नता जाहिर की साथ ही कलेक्टर और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

कचरे का हुआ उठाव- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन पर समस्या का निराकरण हो रहा है। जोन 10 वार्ड क्रमांक 52 निवासी श्री गेदलाल साहू ने कचरा उठाव नहीं होने की शिकयत की थी। उन्होंने बताया था कि वार्ड 52 के गली नंबर 7 में कचरे का प्रतिदिन उठाव नहीं किया जाता है।

स्थानीय निकायों के निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली तैयार करने का कार्यक्रम जारी

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य करने के दिए निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह की उपस्थिति में आज यहां नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम/उप निर्वाचन दिसम्बर 2024-जनवरी 2025 सम्पन्न कराये जाने हेतु फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार किये जाने के संबंध में राज्य के सभी जिलों से आये उप जिला निर्वाचन अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। आयोग द्वारा सभी उप जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदाता सूची शुद्ध एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। 01 जनवरी 2024 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले का नाम मतदाता सूची में आवश्यक रूप से होना चाहिए। इसका जिला स्तर पर प्रचार-प्रसार करने तथा निर्वाचन से संबंधित सभी कार्य समय-सीमा में करने के निर्देश दिए गए। मास्टर ट्रेनर द्वारा उप जिला निर्वाचन अधिकारियों को पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव के वैधानिक प्रावधान, अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति, कर्तव्य एवं उसके प्रशिक्षण, निर्वाचन नामावली तैयार करने हेतु प्रक्रिया तथा प्रारंभिक निर्वाचक नामावली का प्रकाशन एवं मुद्रण के सबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इसी तरह प्रशिक्षण कार्यक्रम में दावा आपत्ति प्राप्ति एवं निराकरण, प्रारंभिक निर्वाचक नामावली में आवश्यक संशोधन एवं साफ्टवेयर में प्रविष्टि, निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन एवं मुद्रण, अपील निर्वाचक नामावली प्रेक्षक की नियुक्ति एवं कर्तव्य, राजनैतिक दल हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश एवं निर्वाचक नामावली अभिकर्ता की नियुक्ति तथा निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण हेतु आवश्यक प्रचार-प्रसार (जाबो) के संबंध में विस्तार से बताया गया। आयोग के अधिकारियों एवं मास्टर ट्रेनर द्वारा उप जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा पूछे गये समस्याओं का सुझाव भी प्रदान किया गया। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिका आम/उप निर्वाचन 2024 हेतु निर्वाचक नामावाली तैयार करने का कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा। जिसे 2 चरणों में पूरा किया जायेगा। जिसमें प्रथम चरण में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति एवं प्रारंभिक प्रारूप निर्वाचक नामावली तैयार करने हेतु कर्मचारियों का चयन एवं नियुक्ति बुधवार 18 सितम्बर 2024 तक, निर्वाचक नामावली तैयार करने हेतु रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/प्राधिकृत कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं भारत निर्वाचन आयोग की 01 जनवरी 2024 की स्थिति में तैयार अद्यतन विधानसभा की निर्वाचक नामावली जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त करना शुक्रवार 20 सितम्बर 2024 तक, विधानसभा की निर्वाचक नामावली स्थानीय निकायवार पृथक कर रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को उपलब्ध कराना शनिवार 21 सितम्बर 2024 तक, प्रचलित परिसीमन के आधार पर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा निर्वाचक नामावली को पंचायतवार एवं भागवार मार्किंग करना, शुक्रवार 27 सितम्बर 2024 तक निर्धारित किया गया है।

गुरु शिक्षा देकर हमारे जीवन के अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैः मंत्री श्री टंक राम वर्मा

रायपुर। बच्चे शिक्षकों के मार्गदर्शन से भविष्य में देश के बेहतर नागरिक बनते हैं। हमारे देश मे गुरु पूजन की परम्परा है। गुरु का जीवन मे बहुत महत्व है। गुरु शिक्षा देकर हमारे जीवन के अंधकार को दूर कर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते है। गुरु को भगवान और माता-पिता से ऊपर का स्थान दिया गया है। उन्होंने शिक्षक को मानव जीवन निर्माण के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक बताया। शिक्षक भविष्य निर्माता होते हैं। वे समाज का दर्पण बनकर वास्तविक हालातों से अवगत कराते हैं। व्यक्ति के जीवन के सफलता में शिक्षक का अहम भूमिका होती है। उपरोक्त बातें राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने आज तिल्दा विकासखंड के बी.एन. बी. हायर सेकंडरी स्कूल और कुंदरू स्कूल में आयोजित विकासखंड स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में कहा। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, शिक्षक हमेशा अपने ज्ञान और अनुभव से समाज की दशा बदलने और सकारात्मक दिशा देने में महती भूमिका निभाता है। शिक्षक नैतिकता का पाठ पढ़ाते है। बच्चों के जीवन को संस्कारवान करने का कार्य शिक्षक का है। कुंदरू हाईस्कूल में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने 97 शिक्षकों का प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.